शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुडा की कथित अवैधता में मेरी कोई भूमिका नहीं: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शुक्रवार, 26 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-207

रायबरेली से मिल रही थी बांग्लादेशियों और रोहिंग्यों को नागरिकता

भारतीय गणतंत्र का फटा हुआ तंत्र

लखनऊ/रायबरेली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को राहुल गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली से भारतीय नागरिकता और जन्म फर्जी प्रमाणपत्र दिए जा रहे थे। देश के कई इलाकों में अवैध तरीके से घुस रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को रायबरेली से नागरिकता और जन्म प्रमाणपत्र मिल रहे थे। रायबरेली इसका अड्डा बना हुआ था और यहां कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और मुंबई समेत कई अन्य राज्यों के लिए भारतीय नागरिकता के फर्जी प्रमाणपत्र जारी हो रहे थे। देश की राजधानी दिल्ली से भी घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र दिए जाने का काम खूब हो रहा है। भारतीय नागरिकता के फर्जी प्रमाणपत्र देकर बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को भारत में तेजी से बसाने का धंधा आतंकवादी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) द्वारा किया जा रहा है। प्रतिबंधित होने के बावजूद पीएफआई का धंधा जारी है। यह भारतवर्ष है। ऐसा गणतंत्र है, जहां फटा हुआ तंत्र है। तंत्र पर बैठे अधिकारी कर्मचारी अव्वल दर्जे के भ्रष्ट और नस्ल दूषित हैं, जो अपना देश बेच कर घुसपैठियों को पनाह देने में लगे हैं।

कर्नाटक, तेलंगाना, केरल और मुंबई से जुड़े हैं षडयंत्र के तार

रायबरेली के सलोन में बनाए गए करीब 20 हजार फर्जी जन्म प्रमाणपत्रों की कड़ियां बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों से जुड़ रही हैं। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि रायबरेली से ही घुसपैठियों को भारतीय नागरिकता दिलाने का षडयंत्र चल रहा था। इसके बदले में जन सेवा केंद्र (सीएससी) संचालक जीशान खान, सुहेल और रियाज मोटी कमाई कर रहे थे। इनका सीधा कनेक्शन आतंकी संगठन पीएफआई से पाया गया है। फर्जी नागरिकता और जन्म प्रमाणपत्र के धंधे में रायबरेली स्थित सलोन के तार कर्नाटक, केरल और मुंबई से भी जुड़े हैं। इसी महीने कर्नाटक पुलिस ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के एक संदिग्ध को दबोचा था। उसका जन्म प्रमाणपत्र भी रायबरेली से ही बना था।

▶10 पर

बांग्लादेशी लड़कियों का ट्रेनिंग सेंटर कानपुर

कानपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को अवैध तरीके से भारत में बसाने के साथ-साथ बांग्लादेशी और रोहिंग्या लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में मुब्तिला किया जा रहा है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या लड़कियों को देह व्यापार के साथ-साथ मानव-तस्करी के काम में भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। यूपी का कानपुर बांग्लादेशी और रोहिंग्या लड़कियों का ट्रेनिंग सेंटर बना हुआ है। दिल्ली की एजेंसियां इन युवतियों की फेक-आईडी बनवा रही हैं। देह व्यापार में डालने के साथ ही इन्हें सम्पन्न घरों में मोटे कमीशन के एवज में घरेलू कामकाज के लिए भी भेजा जाता है।

▶10 पर

साल दर साल बढ़ती जा रही घुसपैठियों की तादाद

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में साल दर साल बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की तादाद बढ़ती ही जा रही है। पांच साल पहले हुए एक सर्वे में 10 लाख बांग्लादेशी नागरिक मिले थे। तब पुलिस ने अनुमान जताया था कि करीब 3 हजार रोहिंग्या नागरिक भी अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। अब यह संख्या दोगुनी हो चुकी है। पश्चिम बंगाल के रास्ते घुसपैठ करके आने वाले बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों के लिए यूपी मुफीद ठिकाना है। साल दर साल यूपी में इनकी तादाद बढ़ती जा रही है। पांच वर्ष पूर्व पुलिस ने प्रदेश में अवैध रूप से निवास कर रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिकों को चिन्हित करने के लिए सर्वे किया था।

▶10 पर

बांग्लादेशी घुसपैठियों को बसाने में लगे सपा के नेता

कानपुर, 25 जुलाई (एजेंसियां)। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता हासिल कर अवैध रूप से भारत में रह रहे बांग्लादेशी नागरिक डॉ. रिजवान, उसकी पत्नी हिना खालिद, बड़ी बेटी रुखसार, दो नाबालिग बेटों और ससुर खालिद को कानपुर की मूलगंज पुलिस ने 10 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने डॉ. रिजवान के पास से अलग-अलग पते का आधार कार्ड, बांग्लादेश के पते वाले चार पासपोर्ट, नकदी, डॉलर व लाखों रुपए कीमत के जेवर बरामद किए थे। पूछताछ में पता चला था कि डॉ. रिजवान ने वर्ष 1998 में दिल्ली में हिना से मुलाकात के बाद शादी की और फिर बांग्लादेश चला गया।

▶10 पर

अमेरिकी संसद में गरजे इज़राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू

हमास को पूरी तरह मिटाने तक युद्ध जारी रहेगा

वाशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने साफ-साफ कहा कि जब तक आतंकवादी हमास को पूरी तरह समाप्त नहीं कर देते, तब तक युद्ध जारी रहेगा। बीते नौ महीनों से इज़राइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। उन्होंने हमास पर फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए भेजे जाने वाली राहत सामग्री चुराने का भी आरोप लगाया। नेतन्याहू ने कहा कि हमास फिलिस्तीनी नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

इज़राइली प्रधानमंत्री ने हमास के खिलाफ चल रहे युद्ध को हमास के नेस्तनाबूद होने तक जारी रखने की घोषणा की और अमेरिकी समर्थन बढ़ाने की मांग की। कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने गाजा में पूरी तरह जीत मिलने तक युद्ध जारी रखने की कसम खाई। उन्होंने कहा कि जब तक हमास को पूरी तरह से मिटा नहीं देते युद्ध खत्म नहीं होगा। नेतन्याहू ने कहा, अब जीत हमारे बेहद करीब है। हमास पर हमारी जीत से ईरान को करारा झटका लगेगा।

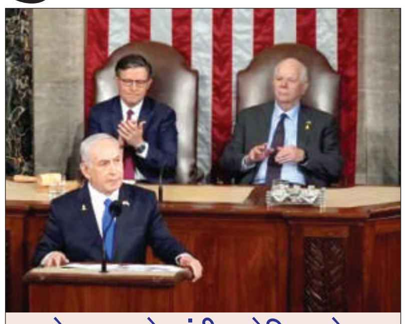

नेतन्याहू ने मांगी अमेरिका से मदद, साथ खड़े होने की अपील

फलस्तीनियों के लिए जा रही राहत सामग्री चुरा रहा है हमास

▶10 पर

नेतन्याहू के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी हुए

वाशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। हमास के साथ इज़राइल का युद्ध अमेरिका में एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। इसके कारण विरोध प्रदर्शन हुए और कॉलेज परिसरों में गिरफ्तारियां हुईं। विरोध की तीव्रता इज़राइल प्रधानमंत्री के अमेरिकी दौरे पर और तेज हो गई है। मंगलवार को राजधानी वाशिंगटन में हमास के कब्जे में फंसे बंधकों के परिवारों ने प्रदर्शन किया। सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन बुधवार की सुबह को हुआ जिसमें युद्ध अपराध के आरोपों में नेतन्याहू की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कैपिटल बिल्डिंग के आसपास मार्च किया गया। इसमें कम से कम 5,000 के शामिल होने का अनुमान था। हालांकि, मार्च पूरा होने से पहले सुरक्षा कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।

▶10 पर

लोकसभा में गूंजा अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन का मुद्दा

केंद्र पर भारी पड़ रहा सुरक्षा बलों के साथ भेदभाव

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अर्ध सैनिक बलों (सीएपीएफ) के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने का मामला फिर से तूल पकड़ने लगा है। संसद में भी यह मसला उठ रहा है। सांसदों ने सरकार से यह मांग की है कि अर्ध सैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था अविलंब प्रभाव से लागू की जाए।

उल्लेखनीय है कि सीएपीएफ के 11 लाख जवानों/अफसरों ने गत वर्ष पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली हाईकोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीती थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को लागू नहीं किया। इस मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले लिया। उस वक्त यह बात साफ हो गई थी कि सरकार, सीएपीएफ को पुरानी पेंशन के दायरे में नहीं लाना चाहती। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में पुरानी पेंशन लागू हो, उन्हें भारत संघ के सशस्त्र बल माना जाए, अब यह मुद्दा संसद के मानसून सत्र में गूंजने लगा है। बुधवार को कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा और समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने सदन में यह मसला उठाया। उन्होंने कहा कि अर्धसैनिक बलों के जवान बॉर्डर पर शहादत झेल रहे हैं, उन्हें पुरानी पेंशन दीजिए। गुरुवार को रोहतक के लोकसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने

हाईकोर्ट के फैसले को भी ताक पर रख रही सरकार

▶10 पर

सीएपीएफ भारत संघ के सशस्त्र बल हैं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय भी यह मान चुका है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बल सीएपीएफ, भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। अदालत ने इन बलों में लागू एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही है। यानी सीएपीएफ, पुरानी पेंशन की हकदार है। एलाइंस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन एवं पूर्व एडीजी एचआर सिंह कहते हैं, ये दुर्भाग्य है कि अदालत से जीती हुई लड़ाई को केंद्र सरकार, हार में बदलने की मंशा रखती है। सरकार से सुप्रीम कोर्ट में स्टे ले लिया। अभी ये मामला खत्म नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट में अगले माह इस केस में जवाब फाइल किया जाएगा। सीएपीएफ में ओपीएस की लड़ाई जारी रहेगी।

▶10 पर

राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल व अशोक हॉल का नाम बदला

गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप हुआ नया नाम

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर गुरुवार को गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया गया। यह हॉल विभिन्न औचारिक समारोहों के आयोजन स्थल हैं। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में जानकारी दी गई।

राष्ट्रपति भवन, राष्ट्रपति कार्यालय और निवास राष्ट्र के प्रतीक हैं और जनता की एक अमूल्य विरासत हैं। बयान में कहा गया, इन्हें जनता के लिए अधिक सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के माहौल को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों और लोकाचार के अनुरूप बनाने के निरंतर प्रयास किए गए। इसी क्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के दो प्रतिष्ठित

▶10 पर

केजरीवाल की जेल हिरासत आठ अगस्त तक बढ़ी

सिसोदिया और कविता की भी हिरासत बढ़ाई गई

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दिया है। अब आठ अगस्त को सुनवाई होगी। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।

सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के.कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी है।

▶10 पर

बीएसएफ-सीआईएसएफ में अग्निवीरों के लिए 10% आरक्षण मंजूर

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अग्निवीरों को बीएसएफ और सीआईएसएफ में 10 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले को मंजूरी मिल गई है। यह फैसला तो दो हफ्ते पहले ही लिया गया था, लेकिन अब इसकी आधिकारिक घोषणा हुई है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स (एआर) में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) और राइफलमैन के पदों पर भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए 10 प्रतिशत रिक्तियां आरक्षित करने का निर्णय लिया है।

अग्निवीरों को 10 फीसदी मिलने वाला यह आरक्षण मायने रखता है क्योंकि इन्हीं जवानों के भविष्य को लेकर विवाद की स्थिति है। विपक्ष का आरोप है कि अग्निवीरों को सरकार द्वारा ज्यादा सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं। अब जब उन्हें बीएसफ और सीआईएसफ में आरक्षण मिलना शुरू हो जाएगा, जमीन पर स्थिति काफी बदलेगी,

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

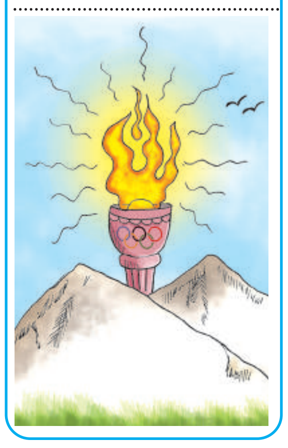

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 21°

सुप्रीम कोर्ट ने दिया केंद्र सरकार को झटका

खनिजों पर रॉयल्टी वसूल सकती हैं राज्य सरकारें

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को झटका देते हुए कहा है कि राज्यों के पास संविधान के तहत खदानों और खनिज वाली भूमि पर रॉयल्टी वसूलने का विधायी (कानूनी) अधिकार है। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी और पीठ के सात न्यायाधीशों की ओर से फैसला पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो की प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। संविधान की सूची-2 की प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित नियमों और खनिज अधिकारों पर करों से संबंधित है। बहुमत के फैसले को पढ़ते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत है जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर है। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये और न्यायमूर्ति

▶10 पर

तेलंगाना सरकार ने 2.91 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया

हैदराबाद, 25 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2.91 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने राजस्व व्यय 2.20 लाख करोड़ रूपए और पूंजीगत व्यय 33,487 करोड़ रूपए का आकलन किया।

बजट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए 72,659 करोड़ रुपए प्रमुख आवंटन का प्रस्ताव है। इसके बाद पंचायत राज ग्रामीण विकास को 29,816 करोड़ रुपए, अनुसूचित जाति कल्याण के लिए 33,124 करोड़ रुपए, सिंचाई के लिए 22,301 करोड़ रुपए और शिक्षा के लिए 21,292 करोड़ रुपए आवंटन का प्रस्ताव शामिल हैं।

श्री भट्टी ने कहा कि तेलंगाना के गठन के दस साल बाद फरवरी 2024 में पहली बार कांग्रेस सरकार ने यथार्थवादी और योजनाबद्ध बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार जिसने तेलंगाना को बंगारू तेलंगाना में बदलने का वादा किया था, सभी मोर्चों पर बुरी तरह विफल रही। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय जो कर्ज 75,577 करोड़ रुपए था, वह 10 वर्षों में कई गुना बढ़कर 6,71,751 करोड़ रुपए की भारी भरकम रकम पर पहुंच गया। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से हमने 35,118 करोड़ रुपए का कर्ज उठाया है, जबकि 42,892 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाया है। उन्होंने कहा, हम जिस बेहद कठिन वित्तीय स्थिति में हैं, उसके बावजूद हमारी सरकार ने लोगों के कल्याण की कभी अनदेखी नहीं की और सरकार ने दिसंबर 2023 से अब तक विभिन्न योजनाओं में 34,579 करोड़ रुपए व्यय किए हैं। वर्तमान कीमतों पर 2023-24 में तेलंगाना का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 14,63,969 करोड़ रुपए है। उन्होंने कहा कि यह पिछले वित्तीय वर्ष की राष्ट्रीय स्तर की 9.1 प्रतिशत की वृद्धि के मुकाबले 11.9 प्रतिशत अधिक है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की

संविधान संशोधन एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की संविधान संशोधन एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर्नाटका प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य (सौजन्य से) में बेंगलूरु के हरियाणा भवन के सभागार में आयोजित हुई। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, गोवर्धन गाडोदिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सिकरिया, डॉ सुभाष अग्रवाल, महामंत्री कैलाशपति तोदी, बिहार प्रान्त अध्यक्ष युगल किशोर सराफ, बंगाल प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल सहित बिहार, बंगाल, ओड़िसा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और पूर्वोत्तर सहित सम्पूर्ण भारत वर्ष के मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी बड़ी संख्या में पहुंचे।

प्रांतीय अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, महासचिव शिवकुमार टेकड़ीवाल, कार्यक्रम संयोजिका एवं परिधि महिला शाखा की अध्यक्षा माया अग्रवाल, संयोजक संजय चौधरी ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया।

शिवकुमार लोहिया ने मारवाड़ी सम्मेलन के बारे में विस्तार से बताया। सम्मेलन के विभिन्न संगठनात्मक एवं कार्यक्रमों के विषय में विस्तृत चर्चा हुई। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया ने कहा सम्मेलन की गतिविधियां आबाध रूप से जारी है एवं सभी क्षेत्रों में हम प्रयास कर रहे हैं कि सम्मेलन का लाभ समाज के सभी अंगों को निरंतर मिलता रहे। उन्होंने बताया कि वर्तमान सत्र में 25 शाखाओं की बढ़ोतरी हुई है। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर जैसे प्रदेशों में नई-नई शाखाएं खुली हैं। लगभग 2500 सदस्यों की वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल, सिक्किम एवं बिहार के विभिन्न शहरों का भ्रमण किया एवं स्थानीय सम्मेलन के सदस्यों से वार्तालाप के जरिए समाज को मजबूती प्रदान करने की दिशा में सतत प्रयास जारी रखा। भागलपुर दौरे पर समाज के नवनिर्वाचित सांसद राजेश वर्मा का भी अभिनंदन किया गया। सिक्किम दौरे की भी स्थानीय समाज में अच्छी प्रतिक्रिया मिली एवं सिक्किम में संगठन को मजबूत करने के लिए प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में नई-नई पहल हो रही है जिसका समाज में अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। रोजगार के अलावा व्यापार प्रकोष्ठ की भी गत दिनों में शुरुआत हुई है। समाज के लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने गत 3 महीनों की गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अपना प्रतिवेदन पेश किया। सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाडोदिया, पूर्व अध्यक्ष संतोष सराफ ने विभिन्न विषयों पर अपना मार्गदर्शन दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ सुभाष अग्रवाल एवं मधुसूदन सिकरिया ने भी अपने-अपने क्षेत्र में सम्मेलन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। विभिन्न प्रांतों से आए अध्यक्षों एवं महामंत्रियों ने भी अपने-अपने प्रदेशों की गतिविधियों से सभी महानुभावों को अवगत कराया। प्रारंभ में कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल एवं प्रादेशिक महामंत्री शिव कुमार टेकरीवाल ने सभी सदस्यों का स्वागत किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया

मारवाड़ी सम्मेलन की परिधि शाखा की माया अग्रवाल एवं सदस्यों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस बैठक के पहले 20 जुलाई को संविधान संशोधन के संबंध में एक औपचारिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रांतों के पदाधिकारी ने भाग लिया एवं प्रस्तावित संसाधनों के बारे में उपयुक्त निर्णय लिए गए। दोनों बैठकों के बाद शाम को परिधि शाखा द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें राजस्थानी नृत्य एवं संगीत का परिधि की सदस्यों ने आयोजन किया। मंच संचालन शिवकुमार टेकड़ीवाल ने किया।

जहां द्वेष होता है वहां धर्म नही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र पर प्रवचन श्रृंखला में कहा कि सामायिक 14 पूर्वो का सार है। सामायिक हमारी चर्या में दिखनी चाहिए। यह कोई हमारे ऊपर थोपी हुई क्रिया नही है। सामायिक के आनंद की अनुभूति अंतःकरण में होनी चाहिए। विनय मुनि जी ने कहा कि श्रावक नित्य प्रति अनित्य भावना भाए कि चाहे राजा हो, या आम व्यक्ति, मृत्यु अवश्य होने वाली है। हम संसार में पसारा बढ़ा रहे हैं किंतु मृत्यु हर पल हमारा पीछा कर रही हैं। हमारा ज्ञान अनीति, भौतिक और शारीरिक सुख में लग रहा हैं। द्वेष बढ़ रहा हैं। हम कर्म सत्ता से अनभिज्ञ रह कर जी रहे हैं। हम अच्छी भावना भाएं और अहिंसा को आचरण में लाएं। जहां द्वेष होता है वहां धर्म नही टिकता है। हमारा व्यवहार हमारा परिचय बनना चाहिए।

राजु सकलेचा ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

संतों के समागम से ईश्वर की पहचान

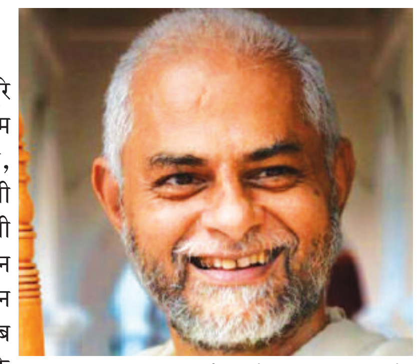

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वी वी पुरम के तत्वावधान में, आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में गुरुवार को प्रवचन देते हुए कहा कि जब भी किसी व्यक्ति के बारे में जानकारी बढ़ती है, तो उस व्यक्ति के प्रति आदर बढ़ जाता है। व्यक्ति को पहचानने के पश्चात उसके साथ किये जाने वाले व्यवहार में भी अंतर आ जाता है। जब तक समाज में किसी व्यक्ति को हम जानते नहीं है, तब तक उसका सम्मान नहीं करते है। ठीक इसी तरह चातुर्मास में साधु-संतों के प्रवचनों के माध्यम से हमें परमात्मा से जुड़ने का अवसर मिलता है। परमात्मा के गुण और उनकी विशेषताएं जानकर, उनके प्रति बहुमान भाव प्रकट होता है। आंतरिक ज्ञान के चक्षु खुल जाते है, और प्रभु दर्शन की प्राप्ति होती है।

आचार्य श्री ने कहा कि जिनके सान्निध्य मात्र से ही दुःख, दारिद्र और वैर भाव इत्यादि नष्ट हो जाते हैं, ऐसे तीर्थंकर भगवान की उपासना हमें अवश्य ही करनी चाहिए। तीर्थंकर भी पूर्णज्ञानी बनने के पश्चात ही उपदेश देते है, और पूर्ण ज्ञान होने के कारण उनके उपदेश में किसी भी प्रकार की त्रुटि नहीं रहती है। ज्ञान अधूरा होने से श्रोता को सही मार्गदर्शन भी नहीं दिया जा सकता है। इसलिए तीर्थंकर परमात्मा के बताए हुए शास्त्रों के आधार पर ही हमें प्रवचन देना होता है। शास्त्र में उपासना उन्हीं की होती है, जो सर्वगुण संपन्न हो, मोह, वासना एवं विकारों से दूर हो।

ब्रह्मचर्य सबसे बड़ा तप: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में अपने दैनिक प्रवचन में राजेशमुनि ने फरमाया कि प्रभु महावीर की कोई बराबरी नहीं कर सकता। सत्य और अहिंसा, बह्मचर्य पर ही यह हमारा जैन धर्म ठहरा हुआ है। यही यदि जन-जन में समा जाय तो जन से जिन बनने में कोई रुकावट नहीं है। सबसे बड़ा तप ब्रह्मचर्य है। ब्रम्ह यानि आत्मा। जो आत्मा में रमण कर ले वो तप है। शरीर की सहायता से होने वाला तप वो बाह्य तप और जो मन से होने वाला तप अभ्यांतर तप कहा जाता है। आंतरिक तप करने से बाह्य तप स्वतः ही खिल जाता है। ब्रम्हचर्य ब्रम्ह में रमण करना सिखाता है। मुनि ने कहा कि आज पाश्चात्य संस्कृति हमारी भारतीय संस्कृति पर पूर्णतया हावी हो गई है। इस लिये लाज व शर्म खत्म होती जा रही है। आज हालत यह है कि जरा सी सावधानी हटी तो मन पर दुर्घटना घटी। संचार माध्यम भी हमारे मन को दूषित कर रहे हैं। मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

शांति का जीवन असली वैभव : साध्वी धर्मप्रभा

बेगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में साध्वी श्री धर्मप्रभा जी ने गुरुवार को प्रवचन में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संत नहीं तो अपने जीवन में शांत जरूर बनें।

शांति जीवन का असली वैभव एवं सुखी जीवन हैं। जीवन संसार के आचार में शांति सुख की अनुभूति किये बिना भौतिक साधनों को पाकर भी मानव का मन हमेशा अशांत, बेचैन बना रहता है। शांति की सबसे बड़ी कसौटी है समभाव। सामान्य तौर पर मनुष्य को परिस्थितियां विचलित कर सकती हैं। जिनका मनोबल कमजोर होता है वो जीवन में थोड़ा दुःख, विषम परिस्थिति आने पर अपने को कमजोर, असहाय पाता है। लेकिन वहीं दृढ़ मनोबल वाला साधक अपने भीतर एवं बाहर की सम-विषम परिस्थितियों के बीच सामन्जस्य बिठाते हुए अपने को शांत बनाने में सफल सिद्ध होता हैं। व्यक्ति को अपने अन्दर संतुलन बनाने की जरूरत हैं।

मोक्ष मार्ग का पहला सोपान है सुनना: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जैन धर्म में जिन वाणी को अत्यंत पवित्र और ज्ञानवर्धक माना जाता है।

जीवन में अगर आत्मा का कल्याण करना चाहते हो तो जिनवाणी सुनो। मोक्ष मार्ग का पहला सोपान है सुनना। श्रोतेन्द्रिय का निर्माण गर्भावस्था के प्रारंभिक चरणों में हो जाता है। तब से शिशु सुनना प्रारंभ कर देता है। गुरु वाणीजिन वाणी, आगम वाणी का सुनना ही श्रेष्ठ सुनना है। यही सुनना हमारे जीवन को परिवर्तित करता है। जिस प्रकार तन की खुराक भोजन है उसी प्रकार मन की खुराक भजन है। सुनने से ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। ज्ञान से विज्ञान (यानि विशेष ज्ञान) विज्ञान से जीवन में प्रत्याख्यान, प्रत्याख्यान से संयम की प्राप्ति, संयम से तप, तप से कर्मों की निर्जरा, कर्म निर्जरा से सिद्धत्व की प्राप्ति होती है। तो सुनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि पुण्य और पाप का मार्ग सुनने से ही पता चलता है। धर्म हो या अधर्म, पुण्य हो या पाप उसका ज्ञान सुनने से होता है। जो ज्ञानी होगा वह सुनकर पाप को अधर्म को छोड़ धर्म और पुण्य को स्वीकार करेगा। इसलिए परमात्मा ने कहा है कि सुनो सुनो सुनो और जीवन आचरण में लाओ। जिन वाणी के श्रवण से व्यक्ति को आध्यात्मिक ज्ञान और दिशा मिलती है। यह आत्मा की उन्नति, आत्म कल्याण में सहायक होता है। रुपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया। राजाजीनगर संघ अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

सुभाष बंसल अध्यक्ष एवं सतीश गोयल सचिव बने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल समाज कर्नाटक के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें वर्ष 2024- 2026 के लिए सुभाष बंसल को अध्यक्ष व सतीश गोयल को सचिव पद के लिए निर्विरोध चुना गया।

तत्पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष बंसल ने अपनी नई टीम में संजय कुमार जालान, ललित गुप्ता को उपाध्यक्ष, विक्रम अग्रवाल को सहसचिव, आशीष गुप्ता को सहायक सचिव, अंकित मोदी को कोषाध्यक्ष, मनीष अग्रवाल को सह कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्ति कर जिम्मेदारी सौंपी। नवनिर्वाचित टीम को उपस्थित समाज के गणमान्य लोगों ने बधाई दी।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ राजस्थान परिषद् ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में संजीव विनय बैद के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम रखा। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष मधुसूधन रामचंद ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 300 लोगों ने अन्नदानम का लाभ लिया। परिषद् की ओर से प्रायोजक परिवार से संजीव बैद एवं विनय बैद व मासिक सेवा संयोजक दीपक गोठी उपस्थित रहे।

जिनाज्ञा मानने से जीवन में आती है उदारता

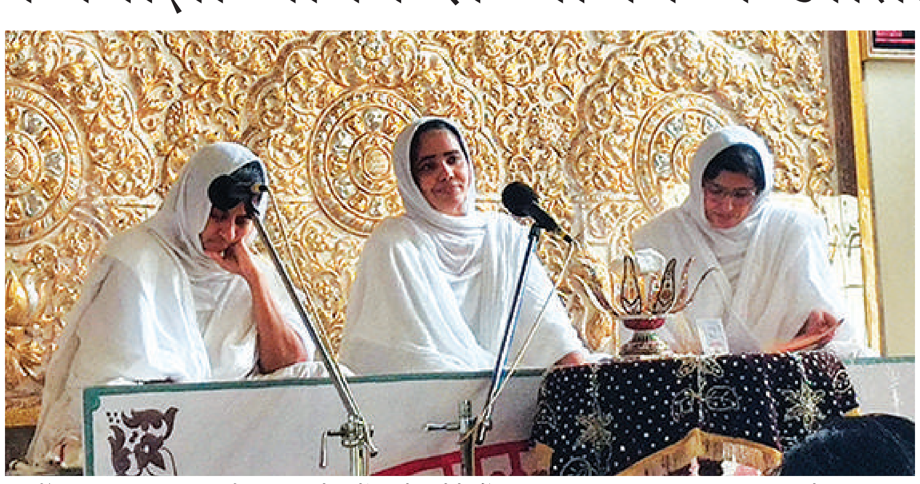

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि वीतराग परमात्मा ने केवल ज्ञान के आलोक में हमें देशना देते थे और गुरु भगवंत परमात्मा की वाणी की देशना संघ को देते हैं। परमात्मा सर्वज्ञ बनने के बाद हमारे ऊपर उपकार करते हुए इस संसार से तारने के उद्देश्य से हमें उपदेश देते हैं।

परमात्मा की वाणी को श्रवण करने वाले गौशालक जो जिनवाणी श्रवण हेतु पात्र नहीं था, जमाली जो जिनवाणी श्रवण एक तरफ से सुनकर दूसरी तरफ से निकालने वाले और तीसरे गौतम स्वामी जैसे जिन्होंने जिनवाणी को अपने अन्दर उतारा ऐसे तीन तरह के श्रोता होते हैं। हमें गौतम स्वामी जैसे श्रोता बनना है जो जिनवाणी को अपने अन्दर उतारकर प्राणीमात्र के कल्याण हेतु बन सके। उपदेश सप्ततिका ग्रन्थ की दूसरी गाथा में बताया गया है कि जिनवाणी की आज्ञा का हमें पालन करना है और इसका आलम्बन लेकर हमें मोक्षमार्गी बनना है।

परमात्मा की आज्ञा और प्रतिष्ठा को हमें अपनी आत्मा में उतारना है। परमात्मा की आज्ञा का पालन करने वाले कभी भी दीन, हीन और सुख में लीन नहीं हो सकता है। परमात्मा की प्रतिष्ठा जब हमारे अन्दर हो जाएगी तब हम उनकी आज्ञा का उल्लंघन नहीं कर सकते। साथ ही हमारे अन्दर से कृपणता दूर होकर उदारता आ जाती है। परमात्मा की कृपा से हमारे पास बहुत कुछ है और हमें बहुत कुछ पाने की आस भी रहती है। हमें इसके साथ कृपणता को दूर करके उदार भी बनना है।

जिनाज्ञा जिसके जीवन में प्रतिष्ठित हो जाती है वह कभी भी धर्म के मार्ग से डिगता नहीं है। कष्ट को सहन करने से ही इष्ट की प्राप्ति होती है। साध्वी मुद्रांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने परमात्मा को तो माना है, लेकिन परमात्मा की नहीं मानी है, अब हमें परमात्मा की माननी है। आगामी रविवार को म्हारे तो लेवानी छे दीक्षा का विशेष संगीतमय कार्यक्रम पूज्य गुरुवर मलयप्रभ सागर जी की निश्रा में आराधना भवन में आयोजित की जाएगी।

मुडा भूमि आवंटन मामला

बसवराज होराट्टी ने विपक्षी सदस्यों के अनुरोध को फिर से किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने अवैध मुडा भूमि के आवंटन के संबंध में सदन में फैसले की समीक्षा करने के विपक्षी सदस्यों के अनुरोध को फिर से खारिज कर दिया। बुधवार को ही विपक्ष के सदस्यों ने मुडा मामले पर पेश स्टैंड मोशन को खारिज कर दिया था। इस समय विपक्ष के सदस्यों ने सभापति बसवराज होराट्टी से उनके द्वारा दिये गये फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। होराट्टी, जिन्होंने हंगामे के बीच अपने फैसले की घोषणा की, ने कहा कि स्थगन नोटिस प्रस्ताव की आवश्यकता के लिए मामला इतना सार्वजनिक महत्व का होना चाहिए। साथ ही घटना हाल ही में हुई होगी। विपक्ष के सदस्यों ने वाल्मीकि विकास निगम में अवैधता को लेकर चर्चा कराने के लिए स्थायी नोटिस दिया था। मैंने नियम 59 पर चर्चा की अनुमति दी थी। इसी तरह आपने मुडा मामले पर भी चर्चा की मांग की। मैंने पहले ही फैसले को खारिज कर दिया था। विपक्ष के सदस्यों ने अनुरोध किया था कि इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। एक बार जब मैंने पिछले आचरण का अध्ययन कर लिया और निर्णय दे दिया, तो बहस के लिए कोई जगह नहीं है। अतः उन्होंने घोषणा की कि वे अनुरोध को अस्वीकार कर देंगे। इसको लेकर सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के बीच जमकर हंगामा हुआ।

__बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।__ श्री विनायक मित्र मंडली जयनगर द्वारा हनुमंत नगर स्थित विवेकानंद विद्या संस्थान में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं नोटबुक्स वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभा आई हॉस्पिटल के नेत्र विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण किया एवं जरूरतमंदों को निशुल्क औषधि वितरित की। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने श्री विनायक मित्र मंडली के सेवा कार्यों की सराहना की। विद्या संस्थान के प्रमुख शंकर एवं मंडली के सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

मुडा की कथित अवैधता में मेरी कोई भूमिका नहीं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधान परिषद में जोर-शोर से कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) में कथित अवैध निर्माण में उनकी कोई भूमिका नहीं है। सिद्धरामैया, जिन्होंने तब हस्तक्षेप किया जब विपक्षी दलों, भाजपा-जेडीएस के सदस्य, मुडा अवैधता पर चर्चा की अनुमति देने के लिए सदन के वेल में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, ने दोहराया कि विपक्ष के सदस्यों द्वारा उठाए गए मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। हमने कानूनी तौर पर जमीन आवंटन के लिए मुडा को आवेदन दिया था। 50-50 प्रतिशत के अनुपात में कानून के मुताबिक कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया। भूमि का आवंटन नियमानुसार किया गया है। उन्होंने पूछा कि इसमें गलत सवाल कहां है। मुडा नियमानुसार भूमि का आवंटन करेगा। हमारी अपनी जमीन ही 38 वर्ग मीटर से नीचे चली गई है। जब मैं 2014 में मुख्यमंत्री था तो मैंने कहा था कि यह गैरकानूनी काम नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसमें कोई अवैधता नहीं है। अगर हम ऐसे किसी पक्ष से किसी खास जगह पर प्लॉट देने के लिए कहते तो यह गैरकानूनी होता। जब मुडा ने जमीन आवंटित की थी तो क्या हमने हस्तक्षेप किया था? उन्होंने विपक्ष के सदस्यों पर जमकर निशाना साधा। हम स्पष्ट रूप से जानते हैं कि आपका क्या मतलब है। आप इस बात से परेशान हैं कि मैं मुख्यमंत्री हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 40 साल के सार्वजनिक जीवन में मुझ पर एक भी कलंक नहीं लगा। आप मेरे मुख्यमंत्री पद पर होने से परेशान हैं। उन्होंने फूट-फूट कर कहा कि मेरे चेहरे पर दाग लगाने की आपकी कोशिश सफल नहीं होगी। इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज के नेतृत्व में एक कमेटी बनायी है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट निष्पक्ष आयेगी। मुडा के अध्यक्ष रहे राजीव ने ही भूखंडों का आवंटन किया था। यह भाजपा के दौर में हुआ। अब वे मुझ पर उल्लू बिठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप इसमें सफल नहीं होंगे। विपक्ष की राय है कि सत्र की कार्यवाही नहीं चलनी चाहिए। जानबूझकर एक ही चीज को बार-बार लाया जा रहा है। स्पीकर ने पहले ही फैसला दे दिया है कि उन्होंने स्थगन नोटिस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हालांकि, उन्होंने आश्चर्य जताया कि चर्चा के लिए एक ही विषय देने पर जोर देना कितना सही है। तब विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा, आपने इस मामले को व्यक्तिगत रूप से लिया है। हमें आपसे कोई शिकायत नहीं है। मुडा में अवैधता के आरोप सुने गए है। इसलिए हम चर्चा की मांग कर रहे हैं। इसमें क्या यह गलत है। ये हजारों करोड़ का मामला है। आरोप है कि इसमें खुद मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है। उन्होंने फिर सवाल किया कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए। इस समय जब विपक्ष के सदस्य अवज्ञा के नारे लगा रहे थे तो मंत्री जमीर अहमद खान सीएम सिद्धरामैया के लिए खड़े हो गये।

इस मौके पर भाजपा के सदस्य सीटी रवि ने कहा कि सीएम कहते हैं कि समाजवादी हैं। उनका कहना है कि वे दलित समर्थक हैं। वे उनकी जमीन खा जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे दलितों का विकास कहते हैं और उनकी पीठ में छुरा घोंपते हैं। महर्षि वाल्मीकि निगम का 187 करोड़ का पैसा तेलंगाना गया। बोलना समाजवाद है, करना भ्रष्टाचार है। दलितों की जमीन खाने वाले सिद्धरामैया की अवमानना की आलोचना की गई।

हंगामे के बीच जब मंत्री कुछ कानून पेश करने वाले थे तो विपक्ष के सदस्यों ने गोविंदा-गोविंदा के नारे लगाकर सत्ता पक्ष पर चिल्लाना शुरू कर दिया। तब सत्ता पक्ष ने येदियुरप्पा, कुमारस्वामी और जगदीश शेट्टर के कार्यकाल में हुई अनियमितताओं का जिक्र कर पलटवार किया।

मुख्यमंत्री मुडा घोटाले में अपना बचाव नहीं कर सकते: विजयेंद्र

मुख्यमंत्री दबाव में दिख रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं हैं। विधानसभा के अंदर भाजपा विधायकों द्वारा रात भर किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मुडा घोटाले के संबंध में उनके बचाव में आगे न आने के लिए अपनी पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की थी। ऐसी स्थिति है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मदद करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ईमानदार हैं, तो हम आग्रह कर रहे हैं कि मुडा घोटाले की सीबीआई जांच कराई जाए। राज्य सरकार ईडी पर लगाम लगाना चाहती थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने उसे फटकार लगाई। मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से अपील करता हूं कि उनकी सरकार ने कई पाप किए हैं। उल्टी गिनती शुरू हो गई है और हमें नहीं पता कि वह कब अपना इस्तीफा सौंपेंगे। हम इस संबंध में विरोध भी जताएंगे और इस पर आगे चर्चा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो गर्व से पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के नेता होने का दावा करते हैं, ने राज्य में सत्ता में आने के बाद उनके लिए कोई चिंता नहीं दिखाई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाले के सिलसिले में 187 करोड़ रुपये की लूट में शामिल है। मैसूरु में, हजारों करोड़ रुपये की जमीन, लगभग 4,000 साइटें, सभी नियमों का उल्लंघन करके उनके समर्थकों, गुंडों, रिश्तेदारों और उनकी पत्नी को आवंटित की गईं। ऐसा करके, सीएम सिद्धरामैया ने गरीबों और मध्यम वर्ग के साथ अन्याय किया है। कांग्रेस सरकार ने मुडा घोटाले की निंदा करते हुए बेंगलूरु से मैसूरु तक भाजपा और जेडी(एस) विधायकों द्वारा विरोध मार्च को रोका। उन्होंने कहा आप हमें विधानसभा के दोनों सदनों में मुडा घोटाले पर चर्चा करने की भी अनुमति नहीं देते हैं। राज्य के कानून मंत्री एच.के. पाटिल हमें अपनी शिकायतें जांच आयोग को सौंपने के लिए कहते हैं। उस समय, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सदन में मौजूद थे। उन्हें बहस के लिए सहमत होना चाहिए था और हमें चुनौती देनी चाहिए थी।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मुडा घोटाले पर चुप रहे। घोटाले में शामिल होने के कारण मुख्यमंत्री दबाव में दिख रहे हैं। आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाला मुख्यमंत्री की मिलीभगत के बिना नहीं हो सकता था, क्योंकि राज्य के वित्त मंत्रालय का प्रभार भी उन्हीं के पास है।

नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने के मुख्यमंत्री के फैसले की निंदा

इससे पहले बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला लेकर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने राज्य के साथ अन्याय किया है। सिद्धरामैया कर्नाटक राज्य के मुख्यमंत्री हैं। वे 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री हैं। वे कांग्रेस के मुख्यमंत्री नहीं हैं। नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने के बजाय उन्हें बैठक में शामिल होना चाहिए था और राज्य के हितों की रक्षा करनी चाहिए थी। हम उन्हें याद दिलाना चाहते हैं कि वे राज्य के मुख्यमंत्री हैं। विजयेंद्र ने कहा कि नीति आयोग की बैठक के मामले में राजनीति को अलग रखा जाना चाहिए और इसमें भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 27 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का फैसला किया है। शासन और विकास को दलीय राजनीति से ऊपर रहना चाहिए था और भारत सरकार के सर्वोच्च सार्वजनिक नीति थिंक टैंक की बैठक का बहिष्कार करके, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों और कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को दिए गए जनादेश का अपमान किया है।

विधानसभा में पास हुए 6 अहम बिल

प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य: कानून मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों को गोद लेने की अनुमति देने के लिए कर्नाटक प्राचीन, ऐतिहासिक स्मारक, पुरातात्विक स्थल और खंडहर (संशोधन) विधेयक, 2024 सहित 6 विधेयक विधान सभा में पारित किए गए। भाजपा-जेडीएस विधायकों के हंगामे के बीच आयोजित विधानमंडल सत्र में कानून मंत्री एचके पाटिल ने बिल के बारे में कहा कि प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारकों और पुराता-त्विक स्थलों को संरक्षित करना हमारा कर्तव्य है। यह विधेयक पालक देखभालकर्ताओं को गोद लेने की अनुमति देगा। उन्होंने कहा कि इच्छुक व्यक्तियों को सरकार मित्र सूची में शामिल करने के लिए पात्र बनाने के लिए समितियों, सहकारी समितियों, ट्रस्टों, गैर-सरकारी संगठनों में संशोधन किया गया है। बाद में, जब अध्यक्ष ने कर्नाटक प्राचीन, ऐतिहासिक स्मारक, पुरातत्व स्थल और खंडहर (संशोधन) विधेयक, 2024 को मतदान के लिए रखा, तो इसे सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

सदन ने समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा की ओर से कानून मंत्री द्वारा प्रस्तुत कर्नाटक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (भर्ती आदि में आरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी अपनी मंजूरी दे दी। बिल के बारे में बोलते हुए कानून मंत्री ने कहा कि आउटसोर्सिंग में कोई सामाजिक न्याय नहीं है। यह संशोधन सामाजिक न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से लाया गया था और पहले सदन की मंजूरी मांगी गई थी, परिवहन और मुजराई मंत्री रामलिंगारेड्डी द्वारा प्रस्तुत रेणुका यल्लम मंदिर विकास प्राधिकरण विधेयक 2024 को भी सदन ने मंजूरी दे दी। बिल के बारे में बात करते हुए रामलिंगारेड्डी ने कहा कि यल्लम मंदिर में हर साल कर्नाटक, गोवा, आंध्र, तेलंगाना से 80 लाख से 1 करोड़ श्रद्धालु आते हैं। इसलिए यह विधेयक रेणुका यल्लम मंदिर के विकास और निर्माण कार्य को करने के लिए एक स्वतंत्र वैधानिक प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करने के लिए लाया गया है। एक समिति राज्य स्तर पर, दूसरी समिति जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि इससे मंदिर के विकास में आसानी होगी। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा द्वारा प्रस्तुत कर्नाटक भूमि राजस्व द्वितीय संशोधन विधेयक 2024 और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडूराव द्वारा प्रस्तुत कुछ अन्य कानूनी संशोधनों को भी सदन ने मंजूरी दे दी। बाद में, बागवानी मंत्री मल्लिकार्जुन की ओर से कानून मंत्री द्वारा पेश किए गए कर्नाटक सरकार पार्क (संरक्षण) (संशोधन) विधेयक, 2024 को भी सदन की सहमति मिल गई।

दक्षिण कन्नड़ लोकसभा सांसद ने केंद्र से की मांग

सुपारी के पेड़ों में पीली पत्ती की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण कन्नड़ लोकसभा सदस्य बृजेश चौटा ने केंद्र से सुपारी के बागानों में पीली पत्ती की बीमारी को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है।

उन्होंने लोकसभा में कहा भारत दुनिया में सुपारी का सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता था। अकेले दक्षिण कन्नड़ में, 50 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि का उपयोग सुपारी उगाने के लिए किया जा रहा है।

लेकिन पीली पत्ती की बीमारी ने उत्पादकों के लिए एक चुनौती खड़ी कर दी है, क्योंकि इसने बागानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कैंपको ने बताया कि इस बीमारी के कारण 16,000 हेक्टेयर से अधिक सुपारी के बागान नष्ट हो गए हैं, जिससे 6,000 से अधिक किसान सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। भाजपा सदस्य ने कहा एकमुश्त मुआवजा देकर और सुपारी की रोग प्रतिरोधी किस्मों के विकास के लिए अनुसंधान केंद्र स्थापित करके तथा रोग के प्रसार को नियंत्रित करके इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा, सामूहिक कार्रवाई और प्रतिबद्धता से दक्षिण कन्नड़ में सुपारी की खेती के भविष्य को लेकर उत्पन्न चिंताओं का समाधान किया जा सकता है।

कई जिलों में भारी बारिश जारी, जनजीवन अस्त-व्यस्त

स्कूल-कॉलेजों में छुट्टियां

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मानसून की बारिश लगातार जारी है। बारिश के कारण कई जिलों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, एहतियात के तौर पर स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियों की घोषणा कर दी गई है। भारी बारिश के कारण कृष्णा, दूधगंगा, वेदगंगा, तुंगा, भद्रा, घटप्रभा, मालाप्रभा, वरदा, अघनाशिनी, नेत्रावती, कावेरी, कपिला सहित अधिकांश नदियाँ खतरे के स्तर से ऊपर बह रही हैं।

उत्तरी कर्नाटक में बाढ़ की स्थिति के कारण एहतियात के तौर पर एनडीआरएफ टीमों को नदी के तटों पर तैनात किया गया है। बारिश की आपदा के कारण पहले ही तीन लोगों की मौत हो चुकी है। उत्तर कन्नड़ जिले के यल्लापुर तालुक के कबीनागड्डे के विनय मंजूनाथ गडिगा (25) पर एक पेड़ गिरने से मौत हो गई। मुदासाली गांव का श्रीकांत हरिजन (20) उस समय डूब गया जब वह मंडागोड़ा तालुक के मलागी धर्म जलाशय में तैरने गया था। मुद्देबिहाल तालुक के किनारे की नहर में फिसल गए चरवाहे मंजूनाथ मदारा (28) का शव यादगीर जिले के होरती गांव की नहर में मिला।

बेलगावी जिले में 22 पुल और महालिंगपुर तालुक में 3 पुल जलमग्न हो गए। नदी किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। मालाप्रभा, घटप्रभा, हिरण्यकेशी, मार्कंडेय नदियों का पानी आबादी वाले इलाकों में घुस गया है। मुदालगी तालुक के घटप्रभा नदी किनारे के गांवों के लोगों को बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है, बेल-गावी जिले में 427 देखभाल केंद्र स्थापित किए गए हैं। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए नावें तैयार रखी गई हैं। नारायणपुरा जलाशय से कृष्णा नदी में 2.02 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण गड्डेगोळी में बसवेश्वर मंदिर जलमग्न हो गया। उत्तर कन्नड़ जिले में भी बारिश जारी है और सिरसी, मट्टीगट्टी के रास्ते अंकोला जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन के कारण यातायात बाधित हो गया। पेड़ गिरने से कई घर क्षतिग्रस्त हो गये। हालांकि चिकमगलूरु, शिवमोग्गा, कोडागु और मैसूरु में बारिश कम हो गई है, लेकिन नदियों का जलस्तर कम नहीं हुआ है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि जलाशयों से भारी मात्रा में पानी नदियों में छोड़ा जा रहा है।

भारी बारिश के कारण उत्तर कन्नड़, बेलगावी, दक्षिण कन्नड़ आदि में स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। बेल-गावी के निप्पनी तालुक के कराडागा गांव में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है।

दूधगंगा नदी का पानी गांव में घुस गया और यहां के दसियों घरों में पानी भर गया। बागलकोट में भारी बारिश के कारण दावलेश्वर-बेलगावी लिंक पुल टूट गया। यादगिरि वीरंजनेय, कंगलेश्वर मंदिरों में पानी भर गया। उत्तर कन्नड़ जिले में बारिश जारी है। भारी बारिश से लोग परेशान हो गए हैं। अंकोला तालुक में शिरूर के पास भूस्खलन हुआ और कीचड़ में फंसे लोगों को निकालने का अभियान दसवें दिन में प्रवेश कर गया है।

कर्नाटक विधानसभा में नीट, परिसीमन, एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के खिलाफ प्रस्ताव पारित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को आगामी जनगणना, एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव और राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में कहा गया कि कर्नाटक विधानसभा मांग करती है कि केंद्र सरकार को 2026 की जनगणना या उसके बाद होने वाली जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं करना चाहिए।

जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या बढ़ाने के मामले में, उसे किसी राज्य में लोकसभा सीटों और वहां विधानसभा क्षेत्रों की संख्या तय करने के लिए 1971 की जनगणना को ध्यान में रखना चाहिए। दूसरे प्रस्ताव में, कांग्रेस सरकार ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव भारत की लोकतांत्रिक और संघीय व्यवस्था के लिए खतरा है। विभिन्न राज्य विधानसभाओं का अपना कार्यकाल होता है, और एक समान चुनाव कार्यक्रम राष्ट्रीय मुद्दों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करके और स्थानीय चिंताओं की उपेक्षा करके राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर कर सकता है। इसमें कहा गया है कि पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करना, चुनाव कर्मचारियों का प्रबंधन, मतदाताओं में निराशा, सरकार की कम जवाबदेही और आर्थिक एवं सामाजिक बाधाएं एक साथ चुनाव कराने से जुड़ी गंभीर चिंताएं हैं। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सदन केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और भारत की एकता की रक्षा के लिए इस कठोर कानून को लागू न करे।

सरकार ने कहा कि नीट परीक्षा प्रणाली ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब बच्चों के चिकित्सा शिक्षा अवसरों को बुरी तरह प्रभावित कर रही है। यह न केवल स्कूली शिक्षा प्रणाली को अप्रभावी बनाती है, बल्कि राज्य सरकार द्वारा प्रबंधित मेडिकल कॉलेजों के अधिकारों को भी छीनती है और इसलिए अनुरोध है कि इस प्रणाली को समाप्त किया जाना चाहिए। तीसरे प्रस्ताव में कहा गया है यह सदन केंद्र से मांग करता है कि वह कर्नाटक को इस परीक्षा से छूट दे और राज्य सरकार द्वारा आयोजित कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर स्कूली छात्रों को मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश दे और देशभर में हो रही अनियमितताओं को देखते हुए नीट प्रणाली को रद्द करे और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम, 2019 (केंद्रीय अधिनियम 30, 2019) में आवश्यक संशोधन करे। बाद में स्पीकर यू टी खादर ने घोषणा की कि प्रस्तावों को स्वीकार कर लिया गया है।

रिटेनिंग दीवार गिरने से युवक की मौत, पांच घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के बाहरी इलाके जोकाटे में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण गुरुवार सुबह एक रिटेनिंग दीवार एक घर पर गिर गई, जिसके परिणामस्वरूप एक छोटे लड़के की मौत हो गई और पाँच अन्य घायल हो गए। मृतक शैलेश (17), मुल्की कोलनाड लिंगप्पैया कडू का निवासी था, जो घर में मेहमान था और दीवार गिरने के समय उसके पास सो रहा था। घटना के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घर में रहने वाले अन्य पाँच लोग घायल हो गए और घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। आपतकालीन बचाव दल घटनास्थल पर पहुँच गया।

तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक में रेलवे विकास के लिए अब तक के सबसे अधिक बजटीय आवंटन की सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने गुरुवार को कर्नाटक में रेलवे विकास के लिए बजटीय आवंटन पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक पोस्ट करते हुए कहा कर्नाटक को राज्य में रेलवे विकास के लिए अब तक का सबसे अधिक बजटीय आवंटन मिला है। इस वर्ष 7,559 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ, यह हमारे राज्य के इतिहास में किसी भी एक बजट वर्ष में सबसे अधिक है। यह 31 परियोजनाओं में चल रहे 47,016 करोड़ रुपये के काम के अतिरिक्त है, जिन्हें आने वाले वर्षों में पूरा किया जाना है। बेंगलूरु उपनगरीय रेलवे परियोजना को अतिरिक्त बजट भी दिया गया है। उन्होंने कहा बजटीय प्रावधानों के साथ-साथ, मोदी सरकार के तहत निष्पादन दक्षता कई गुना बढ़ गई है। एसडब्ल्यूआर 2025 तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूर्या ने कहा यह पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा अपनाई गई तेज गति वाली बुनियादी ढांचा विकास मानसिकता का परिणाम है। उदाहरण के तौर पर, अब विद्युतीकरण औसतन 317 किलोमीटर प्रति वर्ष हो रहा है, जबकि यूपीए के समय यह मात्र 18 किलोमीटर प्रति वर्ष था।

बाद में उन्होंने कहा यशवंतपुर स्टेशन का 367 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास और 484 करोड़ रुपये की लागत से बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशन का आधुनिकीकरण बड़ी परियोजनाएं हैं, जबकि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 46 अन्य रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इन परियोजनाओं से यात्रियों की सुविधाओं और अनुभव में काफी वृद्धि होगी। सांसद ने आगे कहा कि वह कर्नाटक के समग्र विकास को प्राथमिकता देने के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री वी सोमन्ना के आभारी हैं।

भाजपा के रातभर चले विरोध प्रदर्शन का मामला

विधानसभा में गलत परंपरा नहीं बनने देंगे और नियमों का पालन करेंगे:स्पीकर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने गुरुवार को कहा कि वह विधानसभा में कोई गलत परंपरा नहीं बनने देंगे और नियमों का पालन करेंगे।

उन्होंने यह बात मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले पर चर्चा की मांग को लेकर भाजपा और जद (एस) के विधायकों और विधान पार्षदों द्वारा रात भर विधानसभा में किए गए विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। विधानसभा में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं सदन को नियमों के अनुसार चलाऊंगा। मैं यहां कोई गलत परंपरा नहीं बनने दूंगा। उन्होंने कहा मैंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को मुद्दों पर चर्चा करने का मौका दिया है। जब जांच चल रही थी, तब भी वाल्मीकि आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाले पर चर्चा हुई थी। उस चर्चा को 4-5 दिन के लिए अनुमति दी गई थी। अब वे मुडा घोटाले पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। लेकिन, सदन में अभी भी विधेयक पेश किए जाने हैं। अगर हम इसी तरह चलते रहे, तो यह मुश्किल होगा। इस बीच, पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा विधायक सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा जब तक सरकार चर्चा की अनुमति नहीं देती, हम धरना जारी रखेंगे। भाजपा विधायक मुनिरत्ना ने मांग की कि सरकार को मुडा घोटाले पर चर्चा की अनुमति देनी चाहिए। मुख्यमंत्री चर्चा से भाग रहे हैं। अगर चर्चा की अनुमति नहीं दी गई तो हम धरना जारी रखेंगे। घोटाले में जो भी शामिल है, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बुधवार को रातभर विरोध प्रदर्शन शुरू करने के बाद कहा कि जब तक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे और मामले को सीबीआई को सौंपने की उनकी मांगें स्वीकार नहीं की जातीं, तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।

विपक्षी भाजपा का रात भर का धरना

दिल्ली के आकाओं को प्रभावित करने के लिए राजनीतिक नाटक: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल ने विपक्षी भाजपा के रात भर के धरने को दिल्ली के आकाओं को प्रभावित करने के लिए राजनीतिक नाटक के अलावा कुछ नहीं बताया। यहां गुरुवार को राज्य विधान परिषद में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार और सभापति ने स्पष्ट किया है कि कथित मुडा और महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटालों पर उनके स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा क्यों नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा विपक्ष ने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विधानमंडल मंच का दुरुपयोग किया है। पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है और यहां तक कि एक सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक

आयोग का गठन भी कर दिया है। हालांकि विपक्ष मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा राज्य में सत्ता में थी, तो राज्य ठेकेदार संघ ने 40 प्रतिशत कमीशन घोटाले की शिकायत सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजी थी और बसवराज बोम्मई सरकार से जांच कराने का आग्रह किया था। लेकिन भाजपा सरकार ने जानबूझकर कांग्रेस की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और प्रधानमंत्री ने शिकायत को नजरअंदाज कर दिया। न्यायिक जांच के लिए कांग्रेस सरकार की सराहना करने के बजाय, विपक्षी भाजपा ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए राज्य विधानसभा में रात भर धरना दिया। विधानसभा में चर्चा के लिए कई ज्वलंत मुद्दे थे, जिनमें उत्तर कन्नड़ और अन्य जिलों में हाल ही में हुई बारिश की तबाही और मोदी सरकार के एक राष्ट्र, एक चुनाव के प्रस्तावों के खिलाफ विधेयक और राज्य में अलग सीईटी स्थापित करने के पक्ष में नीट परीक्षा के खिलाफ विधेयक शामिल हैं। लेकिन भाजपा ने जानबूझकर लोगों की समस्याओं पर कोई चर्चा नहीं की और रात भर धरना देने जैसे राजनीतिक नाटक का सहारा लिया।

ग्रेटर बेंगलूरु पर चर्चा के लिए हाउस कमेटी का गठन: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा को बताया कि वह ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल 2024 पर व्यापक चर्चा के लिए एक हाउस कमेटी बनाएंगे, जो बेंगलूरु को एक नया रूप देगी। यह ग्रेटर बेंगलूरु एडमिनिस्ट्रेशन बिल है, जो बेंगलूरु को एक नया आकार देगा। इस बिल को विधायी प्रक्रिया में विचार के लिए पेश किया है। बेंगलूरु की जनसंख्या 1 करोड़ 40 लाख है और भी बड़ी समस्याएँ हैं। प्रशासन में सुधार होना चाहिए। नागरिकों को अधिक सुविधाएं प्रदान की जाएं। प्रशासनिक नियंत्रण दिया जाए, आर्थिक मजबूती दी जाए। यह एक महत्वपूर्ण विधेयक है और उन्होंने इस पर सहमति देने का अनुरोध किया। इस मौके पर विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि इस विधेयक को लंबित रखा जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि इस पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए और विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को मिलाकर एक सदन समिति का गठन किया जाना चाहिए। इसके अलावा बोलते हुए भाजपा विधायक एसटी सोमशेखर ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक बिल है। इस बिल पर व्यापक चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि बेंगलूरु का प्रतिनिधित्व करने वाले विधान सभा और विधान परिषद के सदस्यों को शामिल करके एक हाउस कमेटी बनाई जानी चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने दोबारा बोलते हुए कहा कि बिल पर विस्तृत चर्चा होगी। बेंगलूरु के विधायक जैसे रामलिंगारेड्डी, केजे जॉर्ज, कृष्ण बायरे गौड़ा और कई अन्य ने कहा कि इस पर खूब चर्चा होनी चाहिए। इस पर व्यापक चर्चा हो। हम जल्दबाजी नहीं करेंगे। ऐसे में उन्होंने कहा कि हाउस कमेटी बनाने पर सहमति बन गई है। तब स्पीकर यू टी खादर ने कहा कि चलिए इस बिल को लंबित रखते हैं और अगली कार्यवाही शुरू करते हैं।

कर्नाटक सरकार मुडा साइटों की सूची जारी करेगी, भाजपा के घोटालों को उजागर करेगी : शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विपक्षी भाजपा और जद (एस) के सदस्यों द्वारा कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले पर चर्चा की मांग जारी रखने के बीच, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक सरकार जल्द ही पिछली भाजपा सरकार द्वारा अवैध रूप से आवंटित मुडा साइटों की सूची जारी करेगी। यहां गुरुवार को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मीडिया ने बताया था कि मुडा साइटों को दो साल पहले भाजपा द्वारा आवंटित किया गया था। भाजपा सत्र में चर्चा के दौरान

इसे स्वीकार कर सकती थी। उन्हें डर है कि उनके गलत काम सामने आ जाएंगे। हमने महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम घोटाले पर विस्तृत चर्चा की अनुमति दी, और भाजपा नेताओं ने कई मुद्दे उठाए। लेकिन उसी भाजपा ने उजागर होने के डर से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जवाब नहीं देने दिया। लेकिन सीएम ने लिखित रूप से भाजपा के घोटालों को उजागर किया। सरकार ने उन सभी घोटालों की जांच के आदेश दिए हैं। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने बुधवार को कर्नाटक विधानमंडल के दोनों सदनों में रात भर धरना दिया और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी को 14 वैकल्पिक स्थलों के आवंटन सहित मुडा में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग की। विपक्ष के नेता आर अशोक ने कथित 3,000 करोड़ के भूमि घोटाले की सीबीआई जांच की मांग की। कांग्रेस सरकार ने 2006 से 2024 तक मुडा स्थलों के आवंटन की एक सदस्यीय न्यायिक जांच का आदेश दिया है। उन्होंने कहा नियमों के अनुसार मुख्यमंत्री को स्थलों के आवंटन में कुछ भी गलत नहीं है। अगर कोई अनियमितता हुई है, तो वह भाजपा शासन के दौरान हुई है। शिवकुमार ने कहा जांच जारी है। हम पूर्व मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई के कार्यकाल के दौरान भाजपा के घोटालों को उजागर करेंगे। वे विधानसभा के कामकाज में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। हम उनके सभी घोटालों को उजागर करेंगे। मुडा घोटाले को उजागर करने के लिए बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकालने की भाजपा की योजना के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा उन्हें दिल्ली चलने दीजिए। हम सूची जारी करेंगे और उनके घोटालों को उजागर करेंगे।

उत्तर कन्नड़ भूस्खलन : शिरुर में केरल के ट्रक और ड्राइवर को बचाने का अभियान फिर से शुरू

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर कन्नड़ जिले में शिरुर के पास गंगावली नदी में भूस्खलन के कारण कीचड़ में फंसे ट्रक ड्राइवर की तलाश और बचाव का अभियान गुरुवार सुबह फिर से शुरू हुआ। ट्रक और उसका ड्राइवर अर्जुन केरल के रहने वाले हैं। वे 16 जुलाई को भूस्खलन में फंस गए थे। खराब मौसम के कारण बुधवार की शाम को अभियान रोक दिया गया था। हालांकि एक निजी एजेंसी के रडार तकनीक के विशेषज्ञ शाम तक शिरुर के पास भूस्खलन स्थल पर पहुंच गए थे, लेकिन भारी बारिश के कारण तटरक्षक

हेलीकॉप्टरों और भारतीय नौसेना के कर्मियों की मदद से समन्वित प्रयास नहीं हो सका। उस समय तक टीम ने पुष्टि कर ली थी कि नदी के किनारे से लगभग 30 मीटर की दूरी पर एक भारी धातु की वस्तु पानी के नीचे थी। डिप्टी कमिश्नर लक्ष्मी प्रिया, पुलिस अधीक्षक नारायण और अंकोला विधायक सतीश सैल, जो पहले दिन से ही अभियान की निगरानी कर रहे हैं, ने मीडियाकर्मियों को बताया कि मोबाइल हैंडसेट का उपयोग करने वाले लोगों को साइट के पास जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, क्योंकि किसी भी तरह के विकिरण से स्थान के आकलन पर असर पड़ेगा। इसके बजाय, वे बचाव कार्य की प्रगति के बारे में मीडियाकर्मियों को

बजट में मोदी सरकार ने दूर की बिहार की सबसे बड़ी समस्या

11,500 करोड़ के पैकेज से जेडीयू खुश

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सरकार ने अपने बजट में दो राज्यों बिहार और आंध्र प्रदेश का खासा ख्याल रखा है। बजट में बिहार राज्य को बाढ़ शमन के लिए 11,500 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जिससे राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी जेडीयू को सबसे ज्यादा संतुष्टि है। यह एक ऐसी योजना है कि जिसको लेकर पार्टी ने सरकार के साथ लंबी बातचीत की थी।

जेडी (यू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के बिहार के महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान देना लंबे समय से अपेक्षित था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस मुद्दे का समाधान तलाशने के लिए लगातार अपनी चिंताओं को उठाते रहे हैं और हमें खुशी है कि अब यह समाधान हो गया है। झा ने कहा कि यह आवंटन, जो त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम और अन्य परियोजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। पार्टी की दशकों पुरानी चुनौती का समाधान करके बाढ़ नियंत्रण उपायों को मजबूत करने के प्रयासों को बढ़ावा देगा।

जेडी (यू) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सीएम के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, नीतीश ने सड़कों, कानून और व्यवस्था और कुछ हद तक बिजली के मामले में काफी सुधार किया है, लेकिन वे सालाना आने वाली बाढ़ से जूझ रहे हैं, इसमें नेपाल भी शामिल हैं। बिहार भारत का सबसे अधिक बाढ़-ग्रस्त राज्य है, जहां उत्तरी बिहार की 76 प्रतिशत आबादी विनाशकारी बाढ़ के खतरे में रहती है। यह राज्य भारत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का 16.5 प्रतिशत हिस्सा बनाता है और भारत की बाढ़ प्रभावित आबादी का 22.1 प्रतिशत हिस्सा यहां रहता है। बिहार का लगभग 73.06 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित है।

लगभग हर साल, नेपाल से निकलने वाली नदियों द्वारा लाए गए अतिरिक्त पानी के कारण मानसून के दौरान उत्तर बिहार के कई जिले बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। पिछले कुछ सालों में इन बाढ़ों में हज़ारों लोगों की मौत हो चुकी है, साथ ही फसलों और पशुओं को भी नुकसान हुआ है। यह समस्या राज्य में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा है। सबसे ज़्यादा प्रभावित कोसी बेल्ट के कुछ बाढ़ प्रभावित गांवों ने इसके विरोध में चुनाव का बहिष्कार किया है।

बिहार सरकार में जल संसाधन मंत्री रहे संजय झा ने कहा, हम पिछले 40 साल से नेपाल द्वारा इस बारे में कुछ किए जाने का इंतजार कर रहे हैं। मैंने इस मुद्दे पर (वित्त मंत्री) निर्मला सीतारमण जी से मुलाकात की थी और उन्होंने विदेश मंत्री से बात की थी। इसमें चीन का मुद्दा भी शामिल है। लेकिन सरकार इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार (बांधों के) डिजाइन में समायोजन करने के लिए तैयार है। आखिरकार, यह भारत और नेपाल दोनों के लिए फायदेमंद है।

यह दावा करते हुए कि यह पहली बार है कि बजट में बिहार में बाढ़ पर इस स्तर का ध्यान दिया गया है। एक अन्य जेडी (यू) नेता ने कहा, वित्त मंत्री ने नेपाल में बांध निर्माण की धीमी गति के बारे में स्पष्ट रूप से बात की है। बाढ़ शमन के लिए बिहार को 11,500 करोड़ रुपए मिलेंगे, जिसमें अध्ययन और सर्वेक्षण शामिल हैं।

इससे विभिन्न नदियों पर बैराज बनाने में मदद मिलेगी। लोकसभा में 12 सीटों के साथ जेडी (यू) भाजपा नीत एनडीए में दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी है, जबकि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के पास 16 सीटें हैं।

4 जून को चुनाव नतीजों के ठीक बाद जेडी (यू) ने बिहार के लिए विशेष दर्जे की मांग तेज कर दी थी, क्योंकि अल्पमत वाली भाजपा सरकार में उसकी सौदेबाजी की ताकत है। मोदी सरकार ने संकेत दिया कि वह विशेष दर्जे के लिए अपने विरोध को नहीं बदलेगी, इसलिए जून में अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जेडी (यू) ने बिहार के लिए विशेष पैकेज की मांग करते हुए इस मांग को फिर से दोहराया।

बाढ़ शमन निधि के अलावा, बिहार को सड़क संपर्क परियोजनाओं के लिए 26,000 करोड़ रुपए और बिजली परियोजना के लिए 21,400 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह सरकार द्वारा सदन में की गई इस प्रतिबद्धता के अतिरिक्त है कि वह बिहार को बहुपक्षीय बैंकिंग एजेंसियों से ऋण प्राप्त करने तथा स्वास्थ्य सेवा, विमानन और खेल सुविधाओं में निवेश करने में मदद करेगी। बिहार सरकार गया में अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के बारे में घोषणा से भी खुश है।

एक नेता ने कहा कि इससे औद्योगिकीकरण की कोशिश कर रहे राज्य को बहुत फ़ायदा होगा। जेडी (यू) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, सरकार ने इस उद्देश्य के लिए गया में 1,100 एकड़ भूमि पहले ही अधिग्रहित कर ली है। पीरपैंती में 21,000 करोड़ रुपए की लागत से बिजली संयंत्र, दो एक्सप्रेस-वे और बक्सर पुल की घोषणा से बिहार के विकास में मदद मिलेगी। सूत्रों ने विष्णुपद और बोधगया मंदिरों के विकास पर भी जोर देने की बात कही। इससे बिहार में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन में सुधार होगा और विष्णुपद की तीर्थयात्रा में सुविधा होगी, जो देश भर से पर्यटकों को आकर्षित करती है।

नीट पेपर लीक कांड

60 लाख में बिका था प्रश्नपत्र 150 छात्र थे खरीदार

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रही है सीबीआई ने कई खुलासे किए हैं। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि आरोपित छात्रों ने 35 से 60 रुपए देकर क्वेश्चन पेपर खरीदे थे। अलग-अलग राज्यों में पेपर खरीदे-बेचे गए थे। बिहार में पेपर की खरीद 35 से 45 लाख रुपए में हुई थी। जबकि दूसरे राज्यों में भी 60 लाख रुपए तक पेपर खरीदे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई पूरी करते हुए कहा कि पेपर लीक नहीं होगा क्योंकि इससे छात्रों के जीवन पर प्रभाव पड़ेगा।

सीबीआई ने खुलासा किया है कि 150 छात्रों ने पेपर की खरीद की थी। नीट-यूजी पेपर लीक के आरोपियों ने बहुत सावधानी बरती। शुरू में केवल 120 उम्मीदवारों को निशाना बनाया गया था।

जिन्होंने पास हो जाने की स्थिति में उन्हें शुरुआती पैसे और 20 लाख रुपए के पोस्ट-डेटेड चेक देने की बात कही थी। सूत्रों ने कहा, आरोपियों ने यह काम बहुत सावधानी से किया। वे जानते थे कि अगर पेपर किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लीक हुआ तो इससे यह वायरल हो जाएगा और उनकी योजना खराब हो जाएगी।

लीक से चार स्थानों को छोड़कर ज़्यादा नुकसान नहीं हुआ और बड़ी तादाद में छात्र इसका फायदा हासिल नहीं कर पाए। सूत्रों ने कहा, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की भूमिका एक समिति द्वारा तय की जाएगी। हमने राउंड-अप जांच का एक हिस्सा पूरा कर लिया है और हम बड़ी साजिश की जांच करने के लिए आगे बढ़ेंगे।

सीबीआई ने अब तक इस मामले में 6 एफआईआर दर्ज की हैं। बिहार में दर्ज की गई एफआईआर पेपर लीक से संबंधित है, जबकि गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र में दर्ज की गई एफआईआर उम्मीदवारों के स्थान पर दूसरे के स्थान पर बैठने और धोखाधड़ी से संबंधित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि पेपर दोबारा ना करवाते हुए हमें सीबीआई की जांच से उम्मीद रखनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना है कि पेपर लीक बड़े पैमाने पर नहीं हुआ और इसे सोशल साइट्स पर लीक नहीं किया गया।

जम्मू-कश्मीर में जुलाई के महीने में 25 लोगों की मौत

जम्मू, 25 जुलाई (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर में जुलाई के महीने में 8 गोलीबारी और 5 आतंकवादी हमलों में 25 लोगों की मौत हुई है। इसी महीने आतंकवाद संबंधी घटनाओं में 11 सैनिक और एक नागरिक घायल हो गए। इस महीने जम्मू-कश्मीर में 6 घुसपैठियों और 13 सैनिकों सहित 12 आतंकवादी मारे गए। जम्मू क्षेत्र में 10 जवान शहीद हो गए जबकि कश्मीर घाटी में तीन मुठभेड़ों में 3 जवान शहीद हो गए गए।

संयुक्त बलों ने इस महीने 6 घुसपैठियों को मार गिराया, जबकि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के चिन्नीबल और मोदेरगाम गांवों में हुई दोहरी मुठभेड़ों में 6 स्थानीय आतंकवादी मारे गए। 8 मुठभेड़ों में से 5 कश्मीर घाटी में हुईं। दो मुठभेड़ कुलगाम में और तीन मुठभेड़ सीमांत जिले कुपवाड़ा में हुईं। डोडा में दो और जम्मू क्षेत्र के पुंछ जिले में एक मुठभेड़ हुई। आतंकियों ने डोडा, उधमपुर, राजौरी और कठुआ समेत जम्मू क्षेत्र में 5 हमले किए। इस महीने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी सबसे ज्यादा घटनाएं हुईं।

बेंगलुरु में पीजी में घुस कर बिहारी महिला की हत्या

बेंगलुरु, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में कानून व्यवस्था और आर्थिक हालत, दोनों ही बिगड़ती जा रहीं हैं। कर्नाटक की राजधानी में सरेआम एक महिला की पीजी में घुस कर हत्या कर दी गई। कर्नाटक के एक और जिले में भी एक महिला की हत्या हुई। वहीं यह जानकारी भी सामने आई है कि कांग्रेस सरकार में लगभग 1200 किसान आत्महत्या कर चुके हैं।

बेंगलुरु के कोरमंगला इलाके में रहने वाली एक महिला की पीजी के भीतर घुस कर एक व्यक्ति ने हत्या कर दी। मृतका कृति कुमारी बिहार की रहने वाली थी। उसकी हत्या करने वाले की पहचान नहीं हो पाई है। यह घटना मंगलवार (23 जुलाई 2024) को देर रात में हुई। पुलिस को शक है कि महिला की हत्या उसकी किसी जान पहचान वाले व्यक्ति ने ही की है। मृतका कृति कुमार बेंगलुरु में रह कर एक निजी कम्पनी में काम करती थी। पुलिस अब आसपास के इलाकों के सीसीटीवी की जांच करके हत्यारे की तलाश करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच चालू कर दी है।

बेंगलुरु के अलावा कर्नाटक के बड़े शहर शिवमोगा में भी एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और शव को दफना दिया। बताया गया कि महिला ने उससे प्रेम विवाह किया था। दोनों के परिवार इस विवाह के लिए राजी नहीं थे। दोनों के बीच कुछ समय से विवाद चल रहा था। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। कर्नाटक में कानून व्यवस्था के अलावा भ्रष्टाचार के मामले भी सामने आ रहे हैं। हाल ही में कर्नाटक के सीएम सिद्दारमैया की पत्नी को मैसुरु में एक महंगे इलाके में जमीन आवंटन का मामला सामने आया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एमयूडीए ने सिद्दारमैया की पत्नी की कम दाम वाली जमीन अधिग्रहित कर बदले में महंगे इलाके में जमीन दी।

आरोप लगाया गया था कि दोनों जमीनों की कीमत में काफी अंतर था और इससे सिद्दारमैया की पत्नी को इससे भारी फायदा हुआ।

इसके अलावा हाल ही कर्नाटक में वाल्मीकि निगम में भी घोटाले का मामला सामने आया था। यह निगम कर्नाटक में जनजातियों के विकास के लिए काम करता है। आरोप है कि जनजातियों के विकास के लिए दिए गए 88 करोड़ रुपए का हेरफेर किया गया। इस मामले में कर्नाटक सरकार में मंत्री बी नागेन्द्र को मंत्रिपद छोड़ना पड़ा था। वह वर्तमान में जेल में हैं और जांच एजेंसियां इस मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं।

कर्नाटक में किसानों की हालत भी बिगड़ती जा रही है। हाल ही में कर्नाटक सरकार के राजस्व विभाग ने स्वयं माना है कि पिछले 15 माह में ही 1182 किसान राज्य में आत्महत्या कर चुके हैं। सबसे अधिक आत्महत्या के मामले बेलगावी, धारवाड़ और हावेरी में सामने आए हैं। इन जिलों में 100 से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है। बताया गया है कि इनमें से अधिकांश किसानों ने सूखा, बढ़ते कर्ज और फसल खराब होने के कारण आत्महत्या की है। कर्नाटक के इन किसानो की आत्महत्या का मुद्दा सितम्बर 2023 में भी उठा था। तब राज्य के एपीएमसी मंत्री शिवानंद पाटिल ने कहा था कि जबसे सरकार ने मुआवजा बढ़ाया है तबसे किसानों की आत्महत्या के मामले अधिक सामने आ रहे हैं।

महिला उत्पीड़क युवा कांग्रेस अध्यक्ष चढ़ा पटना पुलिस के हत्थे

पटना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। असम में युवा कांग्रेस की अध्यक्ष अंगकिता दत्ता ने युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। उन्होंने राहुल गांधी से भी न्याय मांगा था।

इसी जनवरी 2024 में न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी असम भी पहुंचे थे, तब भी दत्ता ने न्याय मांगा था, लेकिन हुआ कुछ नहीं। इस बीच, बीवी श्रीनिवास पहुंच गए बिहार की राजधानी पटना। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ धरना-प्रदर्शन करने लगे और पुलिस से भिड़ गए। जिसके बाद पटना पुलिस ने श्रीनिवास ही नहीं, उनके साथियों को भी बल भर कूटा।

महंगाई और पेपर लीक कांड सहित कई मुद्दों को लेकर बुधवार (24 जुलाई 2024) को युवा कांग्रेस के द्वारा विधानसभा मार्च निकाला गया था।

पटना के बोरिंग रोड पंचमुखी हनुमान मंदिर से कांग्रेस के युवा कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में निकले, बोरिंग रोड चौराहे पर वो पुलिस से भिड़ गए। जिसके बाद पुलिस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भी कूट दिया। इसी में अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास भी पुलिस वालों से भिड़ गए, तो उनकी भी कुटाई हो गई।

इस लाठीचार्ज के दौरान युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस पर हमले किए। इस भिड़ंत में कई पुलिस वाले भी घायल हुए हैं। बीवी श्रीनिवास कुटे, तो जाहिर सी बात है कि एक रुदाली गैंग भी कांग्रेसी इकोसिस्टम का हिस्सा है। वो तुरंत रोने लग गई। कांग्रेसी दलाल के रूप में मशहूर यू-ट्यूबर अजित अंजुम ने तो इसे लोकतंत्र पर ही हमला करार दे दिया। अजित अंजुम को यह अच्छी तरह पता है कि ये वही श्रीनिवास हैं, जो महिलाओं का उत्पीड़न करते हैं, फिर भी कांग्रेस हाई कमान उनके खिलाफ कोई एक्शन नहीं लेता, बल्कि पीड़ित पर ही कार्रवाई करता है। करीब 5 साल से युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास लगातार विवादों में भी रहे हैं। इनका एक वीडियो दिल्ली से सामने आया है, जिसमें विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद अपना हाथ छुड़ाकर इतनी रफ्तार से भागे थे, मानो ओलंपिक पदक जीतने की रेस हो। खैर, भगोड़ों, उत्पीड़कों के साथ सहानुभूति रखने वालों की कोई कमी नहीं है।

लोकसभा में पहली बार बोलीं इकरा हसन

इकरा की तीन मांगों में एक हिंदुओं के तीर्थ से जुड़ी

दिल्ली/लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। कैराना लोकसभा सीट से इस बार समाजवादी पार्टी की इकरा हसन चुनाव जीत कर संसद पहुंची हैं। गुरुवार को इकरा हसन को पहली बार लोकसभा में बोलने का मौका मिला। इस दौरान उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के माध्यम से रेल मंत्री के समक्ष अपनी क्षेत्र की कई समस्याओं को उठाया।

लोकसभा में बोलते हुए इकरा हसन ने रेल मंत्री से शामली को सीधी ट्रेनों के जरिए हिंदू तीर्थ स्थलों प्रयागराज और वैष्णो देवी से जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के लोग ऐसी मांग कर रहे हैं। सीधी ट्रेनें चलने से पूरे इलाके का फायदा होगा। गुरुवार को लोकसभा में बोलते हुए इकरा हसन ने कहा, मेरे संसदीय क्षेत्र कैराना में रेलवे मंत्रालय से संबंधित विभिन्न समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इनका पूरा करवाया जाना आम जनता की सुविधा के लिए बहुत आवश्यक है।

उन्होंने कहा, सबसे पहले पानीपत-कैराना-मेरठ रेल मार्ग का सर्वे कई बार करवाया जा चुका है लेकिन अभी तक इस रेल मार्ग पर कार्य शुरू नहीं हुआ है। हरियाणा और यूपी को जोड़ने वाला ये बेहद आवश्यक रेल मार्ग है।

इस रेलवे लाइन के बनने से हरियाणा और उत्तर प्रदेश के सीधे जुड़ जाने से क्षेत्र को बहुत लाभ होगा। इकरा हसन ने कहा कि इसके अलावा शामली से प्रयागराज तक और शामली से वैष्णो देवी तक नई ट्रेनों के चलाने की मांग क्षेत्र के लोग लंबे समय से करते आ रहे हैं। प्रयागराज में हाईकोर्ट का होना है और वैष्णो देवी एक धार्मिक तीर्थ स्थल होने के कारण दोनों स्थानों की कनेक्टिविटी अति आवश्यक है।

इस दौरान उन्होंने अपने एरिया में दो रेलवे फाटकों पर पुल जल्द पुल निर्माण की डिमांड भी की। उन्होंने कहा कि दिल्ली-शामली-सहारनपुर रेल मार्ग पर स्थित जंधेड़ी फाटक और रामपुर फाटक पर रेलवे पुलों का निर्माण काफी लंबे समय से अधर में लटका हुआ है, इससे क्षेत्र की जनता काफी परेशान है। इन दोनों रेलवे पुलों का निर्माण भी जल्दी से पूरा करवाया जाना बेहद जरूरी है।

डीएम से एडीएम नहीं पूछ सकता सवाल

यह कहकर फंसे राबड़ी के भाई, अब होगी कार्रवाई

पटना, 25 जुलाई (एजेंसियां)। 28 जनवरी 2024 को जब सत्ता एनडीए के पास आई और राष्ट्रीय जनता दल विपक्ष की भूमिका में आ गया तो बिहार विधान परिषद में एक बड़ी घटना हुई। इस घटना में बिहार विधान परिषद के दो सदस्य बेहद आपत्तिजनक अंदाज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नकल करते दिखे और नियमावली को तोड़ते हुए आपत्तिजनक शब्द भी कहे। उनमें से एक सदस्य ने विधानमंडल की आचार समिति के बुलाए जाने पर माफी मांग ली और उनके दो दिनों की सदस्यता भी निलंबित रखी गई, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंह बोले भाई और विधान पार्षद सुनील सिंह ने आचार समिति के बार-बार बुलाने पर भी अपना पक्ष रखना जरूरी नहीं समझा। हर बार अलग-अलग कारण बताते रहे और अंततः जब आचार समिति के सामने पेश हुए तो कहा कि कोई एडीएम किसी डीएम से सवाल नहीं पूछ सकता है। उनकी यह प्रतिक्रिया उनके लिए अब मुश्किल करने वाली है। उनकी विधान परिषद से सदस्यता खत्म करने की अनुशंसा कर दी गई है।

13 फरवरी को बिहार विधान सभा परिषद् के 206 वां सत्र के दौरान राज्यपाल का अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अनुमोदन भाषण चल रहा था। इसी क्रम में तत्कालीन मुख्य सचेतक सुनील कुमार सिंह और मोहम्मद सोएब ने सदन में अभद्र टिप्पणी किया था। उन्होंने नीतीश कुमार का मिमिक्री किया था। आरजेडी के दोनों एमएलसी के खिलाफ विधान परिषद की अचार समिति के पास भेजा गया था।

रिकॉर्ड तोड़ गर्मी के पूर्वानुमान से कश्मीर झुलसा

जम्मू, 25 जुलाई (ब्यूरो)। स्वतंत्र मौसम पूर्वानुमानकर्ता कश्मीर वेदर के अनुसार, अगले तीन से चार दिनों में कश्मीर में भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। अधिकारियों के अनुसार, मौसम मॉडल ने क्षेत्र में बारिश की संभावना को काफी कम कर दिया है, जो लंबे समय तक गर्म, शुष्क स्थितियों का संकेत देता है। अनुमान है कि तापमान संभावित रूप से रिकॉर्ड-तोड़ स्तर तक पहुंच जाएगा, साथ ही कुछ सर्वकालिक उच्चतम तापमान के टूटने की भी संभावना है। जबकि पूर्वानुमान मुख्यतः शुष्क मौसम की भविष्यवाणी करता है, अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश की संभावना से पूरी तरह इंकार नहीं किया जा सकता है।

बिना चुनाव जीते ही भाव बढ़ा है केशव मौर्य का

सीएम योगी और महत्वाकांक्षी मौर्य में सुलह की कोशिश

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सामने आने के बाद से यूपी भाजपा में चल रहा शीत युद्ध फिलहाल थमा हुआ भले ही लग रहा हो, लेकिन यह खत्म नहीं हुआ है। अंदर ही अंदर बहुत कुछ चल रहा है। इसके आधार पर अटकलें ऐसी भी लगने लगी हैं कि शांति-बहाली में आरएसएस भी शामिल हो गया है। गुरु पूर्णिमा पर आरएसएस के गुरु-दक्षिणा कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ के शामिल होने के बाद इन अटकलों को बल मिला है। उधर, आज या कल में दिल्ली में यूपी भाजपा की स्थिति पर पार्टी की हाई लेवल मीटिंग होने वाली है। दिल्ली में योगी आदित्यनाथ के पीएम से मिलने की भी संभावना है। यह मुलाकात नीति आयोग की बैठक से इतर हो सकती है।

सारी कवायद का जोर अभी इस बात पर है कि राज्य में विधानसभा की दस सीटों पर होने वाले उपचुनाव में जीत हासिल की जाए। इन सीटों पर चुनाव का ऐलान अभी नहीं हुआ है, लेकिन इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसके नतीजों पर यूपी भाजपा में चल रही खींचतान की परिणति बहुत हद तक निर्भर करेगी।

कहा जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ ने उपचुनाव की कमान अपने हाथ में ले ली है। अगर इसमें भाजपा का प्रदर्शन अच्छा रहता है तो योगी आदित्यनाथ को अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिलेगी। अगर लोकसभा चुनाव जैसे ही परिणाम रहे तो भाजपा और योगी आदित्यनाथ, दोनों के लिए मुश्किल बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में योगी विरोधी खेमा और हावी होने की कोशिश करेगा।

बताया जा रहा है कि 2800 जमीनी कार्यकर्ताओं को शहीर निकायों में पार्षद और सभासद बना कर कार्यकर्ताओं की नाराजगी खत्म करने का प्लान भी बनाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं की अनेदखी और नाराजगी को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बड़ा मुद्दा बनाया है। उन्होंने खुले आम कहा कि संगठन सरकार से बड़ा है और यह भी कि आपका (कार्यकर्ताओं का) दर्द मेरा दर्द है। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश भाजपा की स्थिति को लेकर आरएसएस की चिंता यह है कि कार्यकर्ताओं के दर्द के नाम पर कोई नेता निजी फायदा न उठा ले और उत्तर प्रदेश में भाजपा कमजोर न पड़ जाए। हिंदुत्व का एजेंडा लागू करने के लिहाज से योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश आरएसएस के लिए अहम है।

ऐसी खबरें आई हैं कि पूर्वी यूपी क्षेत्र के एक वरिष्ठ आरएसएस पदाधिकारी ने कुछ दिन पहले केशव मौर्य से मुलाकात की थी और हाल ही में राज्य भाजपा कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर चर्चा की थी। आरएसएस पदाधिकारी ने मौर्य को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को ऊंचे स्तर पर उठाया जाएगा। साथ ही उनसे अपनी शिकायतों को सार्वजनिक मंचों पर न कहने का आग्रह किया। विश्व हिंदू परिषद के एक नेता ने यूपी भाजपा के इस संकट के समाधान के लिए राज्य के वरिष्ठ भाजपा नेताओं से भी मुलाकात की।

इधर, मंगलवार को आरएसएस के सालाना गुरु दक्षिणा कार्यक्रम में सीएम योगी की मुलाकात भी आरएसएस नेताओं से हुई। बताया जा रहा है कि आदित्यनाथ ने अपनी ओर से कार्यकर्ताओं की नाराजगी समझने और दूर करने की कवायद शुरू की है। उन्होंने विभिन्न जिलों के प्रभारी मंत्रियों से स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए कहा है। अब सीएम आदित्यनाथ शुक्रवार को जब नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली में होंगे तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से उनके मिलने का भी कार्यक्रम बताया जा रहा है। केशव प्रसाद मौर्य, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और यूपी भाजपा के कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी उसी समय भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से मिलने की संभावना जताई जा रही है।

दरअसल, केशव प्रसाद ने योगी आदित्यनाथ पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि सरकार में आम पार्टी कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि पार्टी संगठन की उपेक्षा लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के निराशाजनक प्रदर्शन के पीछे प्रमुख कारणों में से एक है। इसके कुछ दिनों बाद केशव मौर्य ने राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में संविदा नियुक्तियों में आरक्षण को लेकर आदित्यनाथ पर एक और हमला बोलते हुए सवाल उठाया था कि क्या विभिन्न सरकारों में संविदा नियुक्तियां करने में सरकारी आदेश के अनुसार एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण के प्रावधानों का पालन किया गया था। इसके बाद यूपी सरकार ने इससे संबंधित आंकड़ा जारी करना शुरू कर दिया।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद के साथ केशव मौर्य की मुलाकात ने भी राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। दोनों भाजपा के गठबंधन सहयोगी थे और इस मुलाकात को मौर्य के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा था। केशव मौर्य और सीएम योगी ही नहीं यूपी भाजपा में कई पार्टी नेताओं की आपस में बन नहीं रही है।

पार्टी की हार के बाद यह लड़ाई खुलकर सामने आई। प्रयागराज में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में यमुनापार के अध्यक्ष विनोद प्रजापति ने कहा था कि लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं ने पूरे मनोयोग से बूथों पर अपना काम नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा था कि हम लोग समाजवादी पार्टी से नहीं अपनों से ही चुनाव लड़ रहे थे।

मुजफ्फरनगर सीट पर हार के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और पूर्व विधायक संगीत सोम के बीच जुबानी जंग खुलकर सामने आई थी। सलेमपुर सीट से चुनाव हारे रविंद्र कुशवाहा ने भी राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम और सहयोगी दल सुभाषपा के अध्यक्ष और योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर पर निशाना साधा था। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में भाजपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। पार्टी यहां 80 में से महज 33 सीटें जीत पायी है जबकि 2019 में भाजपा ने यहां 62 सीटें जीतीं थीं। इतना ही नहीं उसका वोट शेयर भी 49.98 प्रतिशत से घटकर 41.37 प्रतिशत हो गया। यहां तक कि वाराणसी लोकसभा सीट पर पीएम मोदी की जीत के बावजूद पिछली बार की अपेक्षा उनकी जीत का अंतर कम हो गया है।

योगी आदित्यनाथ से मिले मंत्री संजय निषाद

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी सरकार में मंत्री डॉ. संजय निषाद ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है। लेकिन इस मुलाकात को लेकर चर्चा है कि निषाद द्वारा केशव मौर्य का समर्थन किए जाने के मसले पर उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है।

प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भाजपा की जीत के लिए जिन मंत्रियों को प्रभार दिया गया है। उनमें डॉ. संजय निषाद भी हैं। लोकसभा चुनाव में हार के बाद जिन लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सवाल उठाए थे, उनमें से एक डॉ. संजय निषाद भी थे। उन्होंने कहा था कि बुलडोजर चलवाने की वजह से जनता ने वोट नहीं दिया। उपचुनाव में जीत के लिए सरकार ने हर सीट पर तीन-चार मंत्रियों एक-एक की टीम बनाकर उतारी है। इस प्रकार कुल 30 मंत्रियों के कंधों पर उपचुनाव जीतने की जिम्मेदारी है।

अगस्त में होगी यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस के 60244 पदों पर सीधी भर्ती-2023 की लिखित परीक्षा दिनांक 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त 2024 को आयोजित कराने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में होगा और प्रति पाली में लगभग पांच लाख अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे।

पेपर लीक के कारण पहले हो चुकी परीक्षा निरस्त कर दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि यह परीक्षा छह माह के अन्दर शुचिता एवं पारदर्शिता के उच्चतम मानकों को दृष्टिगत रखते हुए पुनः आयोजित कराई जाएगी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस परीक्षा को एक निश्चित समय सीमा के अंतर्गत पारदर्शी तरीके से उच्चतम मानकों के अनुसार आयोजित करने की प्रतिबद्धता के क्रम में यह कार्यक्रम घोषित किया गया है।

चयन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से कराये जाने के सम्बन्ध में परीक्षा सम्बन्धित विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे-परीक्षा की तैयारियों, परीक्षा केन्द्रों के चयन, परीक्षार्थियों का सत्यापन, छद्मनिरूपण रोके जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा दिनांक-19.06.2024 को जारी किए गए हैं। यह परीक्षा इन सभी मानकों के अनुसार की जा रही है।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों, जैसे प्रश्नपत्र लीक होना, उत्तर पुस्तिकाओं से छेड़छाड़ आदि को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अध्यादेश-2024 (उत्तर प्रदेश अध्यादेश संख्या-6, सन 2024) दिनांक 01 जुलाई, 2024 को अधिसूचित किया गया है, इस अधिनियम में प्रावधान किया गया है कि इस अधिनियम के अन्तर्गत परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या नकल कराना, प्रश्न पत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करना या प्रकट करने का षड्यंत्र करना आदि कृत्य अपराध की श्रेणी में आते हैं। जो इस अधिनियम के अन्तर्गत दण्डनीय है। ऐसे प्रकरणों में एक करोड़ तक का जुर्माना और आजीवन कारावास तक की सजा दोनों ही हो सकती है।

परीक्षा का आयोजन प्रतिदिन दो पालियों में होगा और प्रति पाली में लगभग पांच लाख अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की निःशुल्क बस सेवा की सुविधा रहेगी। अभ्यर्थी अपनी सुविधानुसार इसका लाभ ले सकते हैं जिसके लिए बस से यात्रा करने वाले अभ्यर्थियों को अपने प्रवेश पत्र की अतिरिक्त दो प्रतियां डाउनलोड करनी होंगी तथा उसकी एक प्रति परीक्षा केन्द्र के जनपद तक की यात्रा एवं दूसरी प्रति परीक्षा उपरान्त अपने जनपद तक की यात्रा के लिए बस कंडक्टर को प्रस्तुत करना होगा।

जेल के बाहर आए पूर्व विधायक उदयभान करवरिया

राज्यपाल के आदेश पर समय पूर्व किया गया रिहा

प्रयागराज, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विधायक उदयभान करवरिया को बृहस्पतिवार की सुबह बजे जेल से रिहा कर दिया गया। जवाहर पंडित हत्याकांड में जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे करवरिया को राज्यपाल ने समय पूर्व रिहा करने का आदेश जारी किया था। राज्यपाल ने यह आदेश जिला प्रशासन की उस संस्तुति पर जारी किया था जिसमें जेल में करवरिया का आचरण अच्छा बताया गया था। इसके आधार पर उन्हें राहत देते हुए समय पूर्व रिहाई का आदेश दिया गया।

जवाहर पंडित हत्याकांड में उदयभान करवरिया समेत उनके भाई कपिल मुनि करवरिया और सूरजभान करवरिया भी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। बृहस्पतिवार को सुबह जेल के गेट पर उनके परिजन रिहाई के लिए पहुंच गए थे कागजी कार्रवाई पूरा होने के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

जवाहर यादव उर्फ पंडित की हत्या 13 अगस्त 1996 को शहर के सिविल लाइंस इलाके में कर दी गई थी। उस वक्त शाम के करीब साढ़े छह बजे थे। जवाहर यादव अपनी मारुति 800 कार से लाउदर रोड स्थित कार्यालय से अशोक नगर अपने घर जा रहे थे। हमलावर एक मारुति वैन में सवार थे। सभी एके-47 और अन्य घातक असलहों से लैस थे। जवाहर के भाई सुलाकी यादव ने करवरिया बंधुओं पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए सिविल लाइंस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना की जांच शुरू में सिविल लाइंस पुलिस ने और उसके बाद सीबीसीआईडी की इलाहाबाद, लखनऊ और वाराणसी शाखा से कराई गई थी।

सीबीसीआईडी के आरोपपत्र दाखिल करने के बाद हाईकोर्ट के स्थगनादेश के चलते मुकदमे की कार्रवाई पर काफी समय तक रोक लगी रही।

2015 में हाईकोर्ट का स्थगन आदेश समाप्त होने के बाद इस मुकदमे में सुनवाई प्रारंभ हुई। उसी समय करवरिया बंधुओं को सरेंडर कर जेल जाना पड़ा था।

सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण में त्वरित सुनवाई करने और अनावश्यक तारीख न लगाने का आदेश दिया था। लगभग 4 वर्ष चली नियमित सुनवाई के बाद अदालत ने गत दिनों अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, जिसमें 31 अक्टूबर को दोष तय किया गया और 4 नवंबर को दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

अयोध्या का मान नहीं रखने वाले वोटरों पर श्रद्धालु नाराज

पर रामलला पर सोने-चांदी की बरसात कर रहे भक्त

अयोध्या, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या का मान नहीं रखने वाले वोटरों पर देशभर से आने वाले श्रद्धालु भीषण नाराज हैं। लेकिन रामलला पर सोना और चांदी न्यौछावर कर रहे हैं। स्थिति यह हो गई चढ़ावे का हिसाब रखने के लिए ट्रस्ट द्वारा दो व्यक्तियों की नियुक्ति करनी पड़ी है।

रामलला को रोजाना लाखों का दान प्राप्त होता है। इसमें नगदी के अलावा अन्य माध्यमों से भी दान प्राप्त होता है। इसके अलावा रामलला को बड़ी मात्रा में भक्त आभूषण यानी सोना, चांदी, हीरा, मोती भी अर्पित करते हैं। इसका हिसाब रखने के लिए ट्रस्ट की ओर से संघ के दो कार्यकर्ताओं को लगाया गया है। संघ के ये कार्यकर्ता आभूषण दान करने वाले भक्त का नाम, पता, मोबाइल नंबर नोट करते हैं। अलग-अलग शिफ्ट में इन कार्यकर्ताओं को लगाया जाता है। पूरे दिन का हिसाब यानी संख्या, मात्रा बनाकर आभूषणों को लॉकर में जमा कराया जाता है। इसके लिए सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में लॉकर बनवाया गया है।

कुछ भक्त रामलला के दान काउंटर में भी नगदी भी दे रहे हैं। इसका भी हिसाब कार्यकर्ता रखते हैं। रामलला के निजी आभूषणों की रखवाली के लिए सेना के रिटायर्ड धर्मगुरु को लगाया गया है। रोजाना सुबह-शाम जब रामलला का श्रृंगार किया जाता है तो पुजारी धर्मगुरु की निगरानी में ही आभूषण लॉकर से निकालते हैं और रामलला को पहनाते हैं। रात में रामलला को शयन कराने के लिए जब ये आभूषण उतारे जाते हैं तब भी इनकी गणना की जाती है। रामलला की सुरक्षा में इस समय छह अंगरक्षकों को लगाया गया है। आठ-आठ घंटे की तीन शिफ्ट में दो-दो गनर रामलला की रखवाली करते हैं।

राममंदिर में विराजमान रामलला की सेवा में सेना के रिटायर्ड 20 जवानों को भी लगाया है। इनमें तीन जवान धर्म गुरु पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। इनकी ड्यूटी राम मंदिर में ही गर्भगृह के बाहर लगाई गई है। धर्मगुरुओं को रामलला की पूजा-अर्चना के अलावा दर्शनार्थियों पर निगाह रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

धर्म गुरु गर्भगृह के बाहर की आरती-पूजा के समय व्यवस्था में सहयोग के साथ घंटा-घड़ियाल बजाने व आरती दिखाने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त शेष 17 सेवानिवृत्त सैनिकों को परिसर में सादी वर्दी में श्रद्धालुओं के साथ-साथ व्यवस्थाओं की निगरानी की जिम्मेदारी दी गयी है।

श्री राम जन्मभूमि परिसर में शेषावतार मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। यह मंदिर राम मंदिर और कुबेर टीला के मध्य में निर्मित किया जा रहा है। इस मंदिर की डिजाइन तैयार हो चुकी है। शेषावतार मंदिर की ऊंचाई भी राम मंदिर के आसन के बराबर रहेगी। इसकी सलाह दक्षिण भारत के संतों ने दी थी। यहां भगवान शेषनाग की छत्रछाया में भगवान श्री सीताराम के विग्रह की प्रतिष्ठा की जाएगी। उधर सप्त मंडपम के फाउंडेशन का काम लगभग पूरा हो चुका है। यहां फर्श का निर्माण भी चल रहा है। साथ ही दीवार के पत्थरों की सेटिंग की जा रही है।

सपा नेता के खानदान को लगा ग्रहण: पूरा खानदान ही जेल में फरमा रहा आराम

करोड़ों की संपत्ति भी कुर्क हुई

एटा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा में पुलिस ने 25 हजार के इनामिया सपा नेता एवं जिला पंचायत सदस्य पुष्पेंद्र यादव को गिरफ्तार किया है। इस पर गैंगस्टर सहित कई मामलों में मुकदमा दर्ज है। लंबे से समय से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस की कई टीमें लगातार इसे ढूंढने में लगी थीं।

बुधवार की देर शाम पुलिस ने इसे नोएडा से गिरफ्तार किया है। पुष्पेंद्र यादव फिलहाल अलीगंज थाने में रखा गया है। बताते चलें कि आरोपी पुष्पेंद्र यादव राजनीतिक रसूख का फायदा उठाकर अपराध करता था। यह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जुगेंद्र सिंह यादव एवं वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा यादव का पुत्र है। जुगेंद्र सिंह और ताऊ पूर्व विधायक रामेश्वर सिंह यादव दोनों जेल में बंद हैं।

उधर, फर्रुखाबाद में गैंगस्टर के मुकदमे में आरोपी सपा नेता भाइयों की 16.36 करोड़ की संपत्ति पुलिस व प्रशासन ने कुर्क कर ली। इसमें 28 अचल संपत्तियां 16.19 करोड़ रुपए से ज्यादा की हैं। वहीं सपा नेता और उनके परिजनों के 44 बैंक खातों में मौजूद 16.60 लाख रुपए भी सीज किए गए हैं। फतेहगढ़ कोतवाल हरिश्याम सिंह ने लोको कालोनी निवासी सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव उर्फ जग्गू, भाई योगेंद्र सिंह यादव उर्फ चन्नू के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज कराया था।

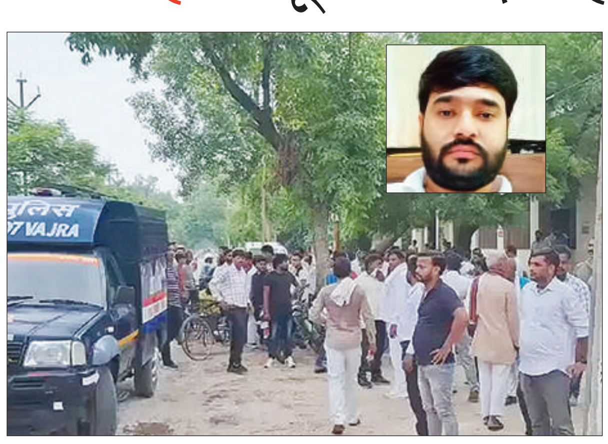

इसमें आरोप लगाया कि यह लोग लोगों को बंधक बनाकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी मांगते हैं। ऐसे में इनके खिलाफ कोई गवाही देने को तैयार नहीं है। मुकदमे की विवेचना मऊदरवाजा एसओ अमित गंगवार कर रहे हैं। मुकदमा दर्ज होने के दूसरे दिन ही पुलिस ने देवेंद्र को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया था। पुलिस की कई टीमों ने भाई योगेंद्र की तलाश में दबिश मारी, लेकिन वह पकड़ में नहीं आए।

पुलिस की ओर से सपा नेताओं की 45 संपत्तियों को चिन्हित किया गया। चिन्हित की गईं संपत्तियां करोड़ों रुपए की बताई जा रही हैं। जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह ने संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए। बुधवार को तहसीलदार सदर श्रद्धा पांडेय, विवेचक अमित गंगवार, कादरीगेट एसओ अवध नारायण पांडेय फोर्स के साथ बरेली-इटावा हाईवे के पास स्थित मसेनी पहुंचे। वहां प्लाटों को कुर्क कर लिया।

पुलिस ने इसके बाद लोको दरगाह के पास सपा नेता भाइयों के दोनों निर्माणाधीन मकानों को कुर्क कर लिया। पुलिस इसके बाद गांव पपियापुर पहुंची। वहां सपा नेता भाइयों की कृषि भूमि कुर्क की। प्रशासन ने सपा नेताओं की 16.36 करोड़ की संपत्तियां कुर्क कीं। कुर्क की गई 28 अचल संपत्तियां जिनकी कीमत 16.19 करोड़ से ज्यादा है, वह सभी जग्गू की पत्नी के नाम हैं। वहीं, सपा नेताओं और उनके परिजनों के 44 बैंक खाते सीज कर दिए गए, जिसमें 16.60 लाख रुपए हैं।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर चलना सबसे महंगा

लखनऊ, 25 जुलाई (एजेंसियां)। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर टोल एकत्र करने के लिए यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) ने आवेदन मांगे हैं। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का औसत टोल शुल्क आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक की तुलना में सबसे ज्यादा है। महंगे शुल्क के मामले में इन तीनों में गोरखपुर दूसरे नंबर पर है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पर एक तरफ का प्रति किलोमीटर औसत शुल्क 9.24 रुपए और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर प्रति किलोमीटर औसत टोल 8.63 रुपए पड़ेगा।

यूपीडा की शर्तों के मुताबिक टोल एकत्र करने वाली कंपनी ही गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर चार एम्बुलेंस और चार पेट्रोल वाहनों का संचालन भी करेगी। इस एक्सप्रेस-वे से सालाना 60 करोड़ रुपए टोल का अनुमान लगाया गया है। वहीं बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में टोल एकत्र करने वाली कंपनी को 12 एम्बुलेंस और 12 पेट्रोल वाहन का संचालन करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। यहां से सालाना 150 करोड़ रुपए का टोल मिलने का अनुमान यूपीडा ने लगाया है।

संपादकीय

तल्खी दूर करने को उठाया सरकार ने कदम

केंद्र की राजग सरकार ने एक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा लिया है। जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। यह भी कि वर्तमान सरकार का निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है। वहीं राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद संघ व सरकार के बीच मनमुटाव की जो खबरें आ रही थीं, हालिया फैसले को सरकार की संघ से उसी तल्खी को दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। जिससे जनमानस में यह संदेश दिया जा सके कि भाजपा व संघ में किसी प्रकार का मनभेद व मतभेद नहीं है। वहीं संघ दावा करता है कि इस कदम से देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। दरअसल, हाल के दिनों में संघ की तरफ से जो बयान सामने आ रहे थे, उससे लग रहा था कि भाजपा व संघ के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे हैं। संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार ने तो कहा था कि भगवान राम ने एक अहंकारी पार्टी को रोका है, जो रामभक्त होने का दावा करती है। यहां तक कि संघ के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में लिखा गया था कि भाजपा कार्यकर्ताओं के अति उत्साह के चलते पार्टी के जनाधार में गिरावट आई है। साथ ही संघ प्रमुख ने बिना नाम लिये पार्टी नेतृत्व के सुपरमैन व भगवान समझने की महत्वाकांक्षा का जिक्र किया था। इन बयानों को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि संघ का भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से मोहभंग हो गया है। ऐसे में जब राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अगले साल शताब्दी वर्ष मनाने जा रहा है, भाजपा का यह कदम दोनों के बीच रिश्ते सामान्य करने की दिशा में उठाया गया कदम कहा जा रहा है। बहरहाल, केंद्र के इस फैसले के बाद कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। कांग्रेस ने सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में आरएसएस पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। आरएसएस व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। जिसके बाद इंदिरा गांधी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश समेत कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था लेकिन केंद्र सरकार के स्तर पर यह प्रतिबंध वैध बना हुआ था। इसी मामले को लेकर इंदौर की एक अदालत में वाद चल रहा था, जिसमें अदालत ने इस बाबत केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। फिर केंद्र ने एक आदेश जारी कर प्रतिबंध को खत्म करने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि प्रतिबंध हटाने का केंद्र का फैसला राष्ट्रहित से परे राजनीति से प्रेरित संघ के तुष्टीकरण का फैसला है। वहीं अन्य राजनीतिक दलों का भी मानना है कि सरकारी कर्मचारियों का संविधान और कानून के दायरे में रहकर निष्पक्षता के साथ जनहित और जनकल्याण के लिए काम करना जरूरी होता है। कहा जा रहा है कि सरकार का फैसला धर्मनिरपेक्षता की दृष्टि से उचित नहीं है क्योंकि इससे कर्मचारियों की तटस्थता प्रभावित होती है।

सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा लिया है। जिसको लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। यह भी कि वर्तमान सरकार का निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है। वहीं राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि लोकसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद संघ व सरकार के बीच मनमुटाव की जो खबरें आ रही थीं, हालिया फैसले को सरकार की संघ से उसी तल्खी को दूर करने की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। जिससे जनमानस में यह संदेश दिया जा सके कि भाजपा व संघ में किसी प्रकार का मनभेद व मतभेद नहीं है। वहीं संघ दावा करता है कि इस कदम से देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। दरअसल, हाल के दिनों में संघ की तरफ से जो बयान सामने आ रहे थे, उससे लग रहा था कि भाजपा व संघ के रिश्ते खराब दौर से गुजर रहे हैं।

कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिहाज से वैश्विक संस्थाएं भी आईबीसी को सराहती रही हैं

आईबीसी कानून में सुधार की जरूरत

अश्वनी महाजन

इंसोल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड यानी आईबीसी के कानूनी रूप लेने से पहले दिवालियापन से निपटने के लिए लगभग एक दर्जन कानून थे। उनमें से कुछ कानून तो 100 साल से भी अधिक पुराने थे। मोदी सरकार ने इन कानूनों के स्थान पर आईबीसी के रूप में जो पहल की, उसे एक बड़ा आर्थिक सुधार माना गया। आईबीसी के अनुसार जब कोई देनदार दिवालिया हो जाता है तो उसकी संपत्ति को लेनदार आसानी से अपने कब्जे में ले सकते हैं। यदि लेनदारों की समिति के 75 प्रतिशत या उससे अधिक सदस्य सहमत होते हैं तो ऐसी कार्रवाई के लिए आवेदन स्वीकार किए जाने की तिथि से (एनसीएलटी की मंजूरी के अधीन 90 दिनों की छूट अवधि के साथ) 180 दिनों में कार्रवाई की जा सकती है। यदि तब भी ऋृण का भुगतान नहीं होता तो व्यक्ति/फर्म को दिवालिया घोषित कर दिया जाएगा। आईबीसी के पीछे यह मंशा थी कि इससे ऋृण की वसूली में होने वाली देरी और उससे जुड़े नुकसान स्वतः खत्म हो जाएंगे। कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिहाज से वैश्विक संस्थाएं भी आईबीसी को सराहती रही हैं। विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में भारत के 2014 में 142वें स्थान से 2019 तक 63वें स्थान तक पहुंचने में आईबीसी जैसे सुधार की अहम भूमिका मानी गई। कारोबारी सुगमता में व्यवसाय शुरू करने और उसे बंद करने में सहूलियत जैसे दोनों पहलू शामिल होते हैं। आईबीसी ने व्यवसाय को बंद करना आसान बना दिया। हालांकि आईबीसी की घोषित अपेक्षाओं और जमीनी स्तर पर अनुभव के बीच कुछ अंतर जरूर है।

आईबीसी के अनुसार जब कोई देनदार दिवालिया हो जाता है तो उसकी संपत्ति को लेनदार आसानी से अपने कब्जे में ले सकते हैं। यदि लेनदारों की समिति के 75 प्रतिशत या उससे अधिक सदस्य सहमत होते हैं तो ऐसी कार्रवाई के लिए आवेदन स्वीकार किए जाने की तिथि से (एनसीएलटी की मंजूरी के अधीन 90 दिनों की छूट अवधि के साथ) 180 दिनों में कार्रवाई की जा सकती है। यदि तब भी ऋण का भुगतान नहीं होता तो व्यक्ति/फर्म को दिवालिया घोषित कर दिया जाएगा। आईबीसी के पीछे यह मंशा थी कि इससे ऋण की वसूली में होने वाली देरी और उससे जुड़े नुकसान स्वत: खत्म हो जाएंगे।

आईबीसी के तहत तनावग्रस्त संपत्तियों के समाधान का प्रारंभिक बिंदु कारपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) है, जो वित्तीय लेनदारों, परिचालन लेनदारों या यहां तक कि कारपोरेट द्वारा स्वयं सीआईआरपी शुरू करने के लिए एक वसूली तंत्र है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार आईबीसी के बाद से जनवरी 2024 तक 7058 कारपोरेट देनदारों को सीआईआरपी में लाया गया है, जिनमें से 5057 मामले बंद कर दिए गए और 2001 समाधान के विभिन्न चरणों में हैं। जो मामले बंद हो गए हैं, उनमें से करीब 16

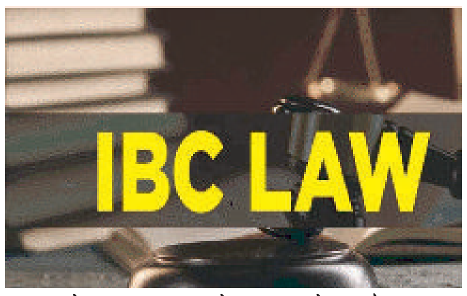

प्रतिशत में सफल समाधान योजनाएं सामने आई हैं। वहीं, 19 प्रतिशत को आईबीसी की धारा 12-ए के तहत वापस ले लिया गया है, जहां बड़े पैमाने पर देनदार लेनदारों के साथ पूर्ण या आंशिक निपटान के लिए सहमत हुए। जबकि 21 प्रतिशत अपील या समीक्षा पर बंद कर दिए गए और 44 प्रतिशत मामलों में परिसमापन आदेश पारित किए गए हैं। हालांकि, समाधान के विभिन्न चरणों में अटके मामलों में देरी चिंता के रूप में उभरी है। वर्ष 2020-21 और 2021-22 के दौरान मामले को स्वीकार करने में लगने वाला औसत समय क्रमशः 468 दिन और 650 दिन रहा। यह अपेक्षित समय से कहीं अधिक है। वित्तीय लेनदारों द्वारा दायर अपीलों के निपटारे में देरी का एक कारण यह है कि अक्सर अदालतें लेन-देन के वाणिज्यिक पहलुओं में उलझ जाती हैं। ये पहलू कानून से संबंधित बिंदुओं से नहीं, बल्कि प्राप्त मूल्य आदि के संदर्भ में लेनदारों से संबंधित होते हैं, जो समाधान योजना को मंजूरी देने का फैसला करने वाले लेनदारों की व्यावसायिक बुद्धि पर सवाल उठाने जैसा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लेनदारों की समिति (सीओसी) की व्यावसायिक समझ पर सवाल नहीं उठाया जा सकता।

एक बार जब सीओसी अंतिम निर्णय ले लेती है कि समाधान योजना को मंजूरी दी जाए या नहीं तो इसे अदालतों द्वारा समीक्षा का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए। विशेषकर उस स्थिति में जब किसी कानूनी प्रविधान का उल्लंघन न हो। एस्सार स्टील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि यह बहुसंख्यक लेनदारों की व्यावसायिक समझ है, जो संभावित समाधान आवेदक के साथ बातचीत के जरिये यह निर्धारित करती है कि कारपोरेट समाधान प्रक्रिया कैसे और किस तरीके से संपादित होनी है। एसआरईआई मल्टीपल्स मामले में भी शीर्ष अदालत ने कहा कि समाधान योजना सीओसी द्वारा स्वीकृत हो जाने के बाद कोई संशोधन स्वीकार्य नहीं है, जब तक कि यह आईबीसी की मूल भावना के विपरीत न हो। हालांकि वास्तविकता अलग है। वीडियोकान मामले में समाधान योजना को जून 2021 में एनसीएलटी ने अनुमोदित किया, मगर यह सुप्रीम कोर्ट में अभी भी लंबित है। एसकेएस पावर जेनरेशन मामले में सीओसी ने जून 2023 में पूर्ण सहमति के साथ सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स की योजना को मंजूरी दी, फिर भी यह मामला अभी तक अनसुलझा है। ऐसी देरी से परिसंपत्तियों के मूल्य में कमी आने की आशंका होती है। इससे लेनदारों को नुकसान हो सकता है। इसके चलते भविष्य में संभावित खरीददारों को लुभाना भी मुश्किल हो जाता है और अंततः आईबीसी का उद्देश्य विफल हो जाएगा। वित्तीय मामलों की स्थायी समिति की एक रिपोर्ट में कारपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में देरी के कुछ चरणों की पहचान की गई है।

इसमें पहला चरण है सीआईआरपी शुरू करने के लिए आवेदन की स्वीकृति और दूसरा एनसीएलटी द्वारा समाधान योजना को मंजूरी। सीआईआरपी आरंभ करने के लिए आवेदन स्वीकार करने से जुड़ी समस्याओं की चर्चा करें तो कभी-कभी हितधारकों के बीच असहमति के कारण भी देरी होती है। कानून कहता है कि यदि सीओसी के 75 प्रतिशत या उससे अधिक सदस्य सहमत हैं तो सीओसी द्वारा समाधान की प्रक्रिया के दौरान कुछ कार्रवाई संभव है। कई बार लेनदार और अन्य हितधारक समाधान योजना पर सहमत नहीं हो पाते हैं और इससे भी प्रक्रिया में देरी हो सकती है। दिवालियापन प्रक्रिया में शामिल विभिन्न हितधारकों जैसे लेनदार, देनदार और संभावित खरीददार के बीच विवाद एवं अदालती लड़ाई से और भी देरी हो सकती है।

दृष्टि कोण

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करेगी प्राकृतिक खेती

इस सप्ताह में दो घटनाक्रम सामने आये जिनके बारे में मुझे लगता है कि हमें मूल्यांकन करने की जरूरत है। यदि हम कड़ी जोड़ सकें, तो एक वाकया उस आपदा का संकेत देता है जिसका इंतजार है, और दूसरा दुनिया जिस बड़े संकट का सामना कर रही है, उससे निपटने के लिए एक स्थायी समाधान प्रदान करता है, जिसके आने वाले वर्षों में और भी बदतर होने की संभावना है। जबकि मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, प्रमुख गेहूं उत्पादक यूरोपीय देश फ्रांस में भारी और लगातार बारिश के कारण फसल को बड़ा नुकसान हुआ है, नीदरलैंड के एक पत्रकार ने मुझे लिखा है कि क्या मौसम में स्पष्ट परिवर्तन किसानों के लिए आर्थिक आपदा बनने जा रहा है। उसकी चिंता हॉलैंड में, जो कुछ वह देखती है, उससे पैदा होती है, जहां बारिश रुकी नहीं है, खेत पानी से लबालब हैं, परिणामस्वरूप खेतों में लगाई आलू की फसल सड़ रही है और सब्जियों के बीज उग नहीं रहे हैं। इस बीच भारत अभूतपूर्व गर्मी की चपेट में है। जैसे-जैसे सामान्य तापमान बढ़ता जा रहा है, आशंकाएं हैं कि क्या देश आने वाले वर्षों में अपनी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा? कुछ वर्ष पहले गेहूं की कटाई के दौरान गर्मी ने कहर ढहाया था। उसके एक साल बाद, मानसून के मौसम में भी लगभग एक महीने तक बारिश नहीं हुई, धान की खड़ी फसल पर असर पड़ा। यह जानते हुए कि जलवायु परिवर्तन भविष्य में खेल बिगाड़ सकता है, सरकार अति-जागरूक हो रही है, उसने कदम उठाए हैं। इनमें गेहूं और गैर-बासमती निर्यात पर प्रतिबंध लगाना और खाद्य मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखना यकीनी बनाने के लिए विभिन्न कृषि वस्तुओं पर स्टॉक सीमा भी लागू करना शामिल है। जैसा कि डच पत्रकार कहती हैं कि जलवायु परिवर्तन विश्वव्यापी घटना बनने जा रही है जिसके कृषि पर बेहद बड़े प्रभाव होंगे। जबकि उद्योग इसे अपनी क्लाइमेट स्मार्ट प्रौद्योगिकी बेचने के लिए उपयुक्त अवसर के रूप में देखते हैं, जिसकी वे बीते कई साल से मार्केटिंग कर रहे हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया ने जलवायु के असर झेलने में समर्थ कृषि के लिए दृष्टिकोण, नीतियों और रणनीतियों पर विचार किया है। मानवता के लिए गुलबेंकियन प्रतिष्ठित पुरस्कार इस बार दो अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्राप्तकर्ताओं के साथ ही आंध्र प्रदेश समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती यानी एपीसीएमएनएफ को प्रदान किया गया है। दरअसल, यह पुरस्कार उन जलवायु कार्यों और जलवायु समाधानों में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देता है जो उम्मीद और संभावनाओं को प्रेरित करते हैं। पुरस्कार के तहत 1 मिलियन यूरो नकद प्रदान किये जाते हैं। बीते दिनों, रायथु साधिकार संस्था (आरवाईएसएस) के कार्यकारी उपाध्यक्ष विजय कुमार ने यह पुरस्कार पुर्तगाल के लिस्बन में एक शानदार समारोह में पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मार्केल के हाथों प्राप्त किया। एपीसीएनएफ को दुनिया भर से प्राप्त 181 नामांकनों में से चुना गया था। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि उत्तरी अमेरिका में मैक्सिको से लेकर एशिया में फिलीपींस तक, और अमेरिका के टेक्सास से लेकर भारत में महाराष्ट्र तक- दुनिया के विभिन्न भागों में कृषि कड़े जलवायु प्रभावों से दो-चार है। विगत में भी, कुछ भागों में अतिवृष्टि, बाढ़, भयंकर तूफानों व चक्रवातों की बढ़ती तादाद से कृषि को नुकसान पहुंचता रहा है तो विभिन्न अन्य क्षेत्रों में लंबे समय तक सूखा और भीषण अकाल जैसी स्थितियां रही हैं। कहने की जरूरत नहीं कि जलवायु प्रेरित मौसम के मिजाज का खेती पर संचयी हानिकारक प्रभाव पड़ा है। जबकि किसान जलवायु का प्रकोप सहन करता है, वहीं नीति नियंता इसको नहीं मानते या इन विनाशकारी प्रभावों को कभी-कभार की घटनाओं के रूप में लेते हैं। यह ऐसा लगता है, जैसे दीर्घकाल तक चिंता करने की कोई बात ही नहीं हो। जबकि सतत कृषि के बारे में बातें की जाती रही, कृषि-पारिस्थितिकीय खेती प्रणालियों पर पिछले कुछ सालों में ध्यान गया है। यहां लगता है कि आंध्र प्रदेश में प्रोत्साहित की गयी समुदाय प्रबंधित प्राकृतिक खेती प्रणालियां विश्व में कृषि-पारिस्थितिकी की सबसे बड़ी प्रयोगशाला के रूप में सामने आयी है और परिणामस्वरूप सामने मौजूद बेहद हानिकारक जलवायु संकट का स्थाई समाधान प्रदान करती है। ऐसा भी महसूस होता है कि जलवायु संकट का यह जो कृषि-पारिस्थितिकीय समाधान प्रदान करती है वह उम्मीद और संकल्पों से भरपूर है। यह सही वक्त है कि क्षेत्र-विशेष की अनुकूलताओं को ध्यान में रखकर, आंध्र प्रदेश का यह मॉडल पूरे देश में लागू किया जाये। जैसा कि यह लेखक प्रायः कहते हैं कि जो 8 लाख किसान पूरी तरह से रासायनिक कृषि से प्राकृतिक कृषि पद्धतियों की ओर रुख कर चुके हैं या करने की प्रक्रिया में हैं, वे कड़ी चुनौतियों से दो-चार होते हैं, जिन्हें प्रति वर्ष आने वाली खरीफ और रबी सीज़न की रिपोर्टों में उजागर किया जा चुका है। जब हरित क्रांति आयी, तो सघन कृषि पद्धतियों को अंजाम देने के लिए एक सुनियोजित और तय इको सिस्टम था। इसमें विश्वविद्यालयों, विशेष रिसर्च संस्थानों, कृषि विस्तार नेटवर्क, और कृषि ऋृण तंत्र की स्थापना करने के साथ ही यथोचित विपणन अवसर पैदा करना शामिल था। जब भी जरूरी हुआ तो सब्सिडी व निवेश का प्रवाह भी रहा। इससे भी ज्यादा मदद के रूप में, बीज विकास संरचना का सृजन और उर्वरक संयंत्र और कीटनाशक कारखानों की स्थापना करना शामिल रहा।

कुछ अलग

संविधान नहीं विपक्ष का मुस्लिम वोट बैंक खतरे में

इंडिया गठबंधन के विपक्षी दल केंद्र की भाजपा सरकार पर संविधान को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं। मोदी सरकार ने इसके जवाब में विपक्ष पर सीधे हमला बोलते हुए 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपात्तकाल के दिन 25 जून को हर साल संविधान हत्या दिवस के रूप में सरकारी स्तर पर मनाने का फैसला कर दिया। दरअसल विपक्ष जिसे संविधान खत्म करने की साजिश बता रहा है, वह दरअसल मुस्लिम वोट बैंक को एकजुट रखने की कवायद है। तीसरी बार सत्ता में आई मोदी सरकार ने अभी तक एक भी ऐसा काम नहीं किया है, जिससे लगता हो कि सरकार के इरादे संविधान को खत्म करने के हैं। इस संबंध में विपक्ष जो आरोप लगा रहा है, वह दरअसल संविधान खतरे में नहीं बल्कि उनका मुस्लिम वोट बैंक खतरे में पड़ गया है। विपक्ष इसे सीधे स्वीकार नहीं करके संविधान खात्मे की संज्ञा दे रहा है। केंद्र सरकार ने जब-जब देश के मुस्लिमों की भलाई के लिए निर्णय लिया और कानून बनाया तब-तब विपक्षी दलों ने कठमुल्लओं की भाषा बोलते हुए इसका विरोध किया है। मुस्लिम सुधारों के इस प्रयास को ही गैर भाजपा विपक्ष संविधान को खत्म करने की साजिश करार दे रहा है, हिन्दू वोट बैंक के भय से इस पर खुल कर बोलने से बच रहा है। यही वजह है कि भाजपा गठबंधन लगातार तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भी विपक्ष एक भी उदाहरण ऐसा नहीं दे सका जिससे लगे कि देश का संविधान या आम लोगों को अधिकार खतरे में हैं। इसके विपरीत केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को अधिक और कानूनी बराबरी के अधिकार सम्पन्न बनाने का ही काम किया है। यह विपक्षी दलों को रास नहीं आ रहा है। 17 वीं लोकसभा के दौरान मणिपुर हिंसा के मामले में प्रधानमंत्री मोदी के बयान को लेकर विपक्ष ने संसद नहीं चलने दी। संसद की कार्रवाई लगातार बाधित करने के कारण तत्कालीन 140 विपक्षी सांसदों की सदस्यस्ता निलंबित की गई। विपक्ष ने इस घटना पर भी संविधान के खात्मे की दलील दी। इसके विपरीत हाल ही में तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले में विपक्षी सदस्यों को निलंबित कर दिया, इस पर इंडिया गठबंधन के दल मौन साधे रहे। केंद्र सरकार ने मुस्लिमों और देश की एकता-अखंडता को लेकर किए गए सकारात्मक प्रयासों को विपक्षी दलों ने अल्पसंख्यक वोट बैंक के नजरिए से देखा है। तीन तलाक को गैरकानूनी बनाने के लिए मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक, 2019 के पक्ष में सबसे ज़्यादा वोटिंग के साथ पारित होने पर कांग्रेस ने विरोध स्वरूप वॉकआउट किया। इससे पहले जनता दल (यूनाइटेड) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने भी तत्काल तलाक को अपराध बनाने वाले बिल के विरोध में वॉकआउट किया था। इस कानून को बनाने के निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने दिए थे। कांग्रेस गठबंधन के कई दलों ने एक कदम आगे बढ़ कर केंद्र में सत्ता में आने पर तीन तलाक को प्रतिबंध करने के कानून को खत्म करने का वादा किया था। इससे साफ जाहिर है कि विपक्षी दलों की मंशा मुस्लिम महिलाओं को पाषाण युग जैसा जीवन जीने के लिए अभिशप्त करने की रही। गौरतलब है कि शाहबानों वाले मामले में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने मुस्लिम वोट बैंक बनाए रखने के लिए कानून में संशोधन करके इस आदेश को रद्द कर दिया था। इसी तरह केंद्र सरकार ने जब जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाला अनुच्छेद की धारा 70 हटाने का निर्णय लिया।

देश दुनिया से

हरियाणा के खिलाड़ियों की भागीदारी के अनुरूप ही उम्मीदें

पिछले दो दशक से हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेलों के साथ-साथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। इस बार भी पेरिस ओलंपिक में पूरे देश की निगाहें हरियाणा-पंजाब के खिलाड़ियों पर लगी हुई हैं। इस ओलंपिक में 117 भारतीय खिलाड़ियों और एथलीटों में 24 खिलाड़ी हरियाणा से हैं और 20 खिलाड़ी पंजाब से हैं। निश्चय ही दोनों प्रदेशों के खिलाड़ी 143 करोड़ भारतीयों की आशा और अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। भारत ने साल 1900 में पेरिस ओलंपिक में पदार्पण किया था। ओलंपिक 1900 से लेकर टोक्यो ओलंपिक 2020 तक भारत ने अब तक 25 ओलंपिक आयोजनों में हिस्सा लिया है। अब तक कुल 1,218 भारतीय एथलीट हिस्सा ले चुके हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 तक भारत ने 35 पदक प्राप्त किये। इनमें 10 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक और 16 कांस्य पदक शामिल हैं। छब्बीस जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत मजबूत दावेदारी के साथ तैयार है। ओलंपिक खेलों में अब तक भारत द्वारा जीते गए कुल पदकों में सबसे ज्यादा 12 मेडल हॉकी टीम के हैं।

इनमें आठ गोल्ड, एक सिल्वर और तीन कांस्य पदक हैं। हॉकी के अतिरिक्त 23 पदक भारतीय खिलाड़ियों ने एकल प्रतिस्पर्धाओं में जीते हैं। हरियाणा के ओलंपिक पदक विजेताओं की सूची पर नजर डालें तो इनमें से सात पदक अकेले हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम हैं। आजादी के 75 साल में यह हरियाणा के लिए बड़ी उपलब्धि है। हरियाणा देश की जनसंख्या का केवल दो प्रतिशत है जबकि खेलों में 20 प्रतिशत से भी अधिक भागीदारी है। खेलों के प्रति हरियाणा के युवाओं का उत्साह निरंतर बढ़ा है। इसका श्रेय हरियाणा में समय-समय पर विभिन्न सरकारों के कार्यकाल में लागू की गई खेल नीति को जाता है। खेल नीति के तहत वर्तमान में भी पदक लाने वाले युवाओं को करोड़ों के नगद इनाम दिये जाते हैं। साथ ही 'पदक लाओ और पद पाओ' की नीति के तहत पदक विजेताओं को द्वितीय श्रेणी तक के पदों पर नियुक्त किया जाता है। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले व पदक पाने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है। इस नीति के तहत काफी संख्या में खिलाड़ियों को नौकरी दी गई है। प्रदेश के जिन खिलाड़ियों ने ओलंपिक में पदक जीते हैं उनमें 2008 बीजिंग ओलंपिक में विजेंद्र सिंह ने बॉक्सिंग में कांस्य पदक व सुशील कुमार ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता। साल 2012 के लंदन ओलंपिक में हरियाणा के खिलाड़ियों सुशील कुमार ने कुश्ती में रजत पदक, कुश्ती में ही योगेश्वर दत्त ने कांस्य पदक, साइना नेहवाल ने बैडमिंटन में कांस्य पदक जीते वहीं शूटिंग में गगन नारंग ने भी कांस्य पदक जीता। इसी प्रकार टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो में स्वर्ण पदक जीता, बजरंग पूनिया और रवि कुमार दोनों ने कुश्ती में कांस्य पदक जीते। पिछले ओलंपिक की तरह इस बार भी पदकों की सबसे ज्यादा दावेदारी हरियाणा की रहने वाली है। पेरिस जाने वाले दल में सबसे अधिक हरियाणा के दो दर्जन खिलाड़ी शामिल हैं। कुश्ती और निशानेबाजी में हरियाणा के छह-छह खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इन दोनों खेलों में सबसे ज्यादा पदकों की आशा है। वहीं, रोइंग, आर्चरी, गोल्फ में एक-एक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। पुरुष हॉकी टीम में भी राज्य के तीन खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। एथलीटों की सूची में सबसे ऊपर नाम ओलंपिक गोल्ड विजेता नीरज चोपड़ा (गोल्डन ब्वॉय) का हैं। नीरज चोपड़ा की अगुवाई में गए भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन और बेहतर रहेगा, क्योंकि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले स्टार खिलाड़ी उनके साथ हैं। इससे सभी एथलीटों-खिलाड़ियों का मनोबल ऊंचा होगा और वह सभी अपना बेहतर दे पाएंगे। कुश्ती में हरियाणा के छह खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें विनेश फोगाट, अंतिम पंघाल, अंशु मलिक, रितिका हुड्डा, निशा दहिया व अमन सहरावत शामिल हैं। निशानेबाजी में मनु भाकर व रिदम सांगवान तीन अलग-अलग वर्गों में हिस्सा ले रही हैं। इनके अलावा अनीश भानवाला, सरबजोत सिंह, रमिता जिंदल, रेजा ढिल्लों निशानेबाजी में अपना दमखम दिखाएंगे। बॉक्सिंग में हरियाणा के चार खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें प्रीति पंवार, जैसमीन, अमित पंघाल और निशांत देव शामिल हैं।

भारत ने साल 1900 में पेरिस ओलंपिक में पदार्पण किया था। ओलंपिक 1900 से लेकर टोक्यो ओलंपिक 2020 तक भारत ने अब तक 25 ओलंपिक आयोजनों में हिस्सा लिया है। अब तक कुल 1,218 भारतीय एथलीट हिस्सा ले चुके हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 तक भारत ने 35 पदक प्राप्त किये। इनमें 10 स्वर्ण पदक, 9 रजत पदक और 16 कांस्य पदक शामिल हैं। छब्बीस जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत मजबूत दावेदारी के साथ तैयार है। ओलंपिक खेलों में अब तक भारत द्वारा जीते गए कुल पदकों में सबसे ज्यादा 12 मेडल हॉकी टीम के हैं।

आप का नजरिया

पहले अतिमानव, फिर भगवान बनना चाहते हैं

भगवान बनना चाहते हैं झारखंड के गुमला में ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता संवाद कार्यक्राम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघ चालक मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि लोग मनुष्य से अतिमानव, फिर भगवान बनना चाहते हैं। जिसमें मानवता नहीं है, वह इंसान नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रागति का कोई अंत ही नहीं है। लोग अतिमानव बनना चाहते हैं, लेकिन वे यहीं नहीं रूकते। वे देवता बनना चाहते हैं, फिर भगवान, भगवान से विश्वस्वरूप बनना चाहते हैं, कोई नहीं जानता कि इससे बड़ा वुछ भी था नहीं। विकास का कोई अंत नहीं है। हमें यह सोचना चाहिए कि हमेशा और अधिक की गुजाइंश होती है। बाहर के विकास और अंदर के विकास का कोई अंत नहीं है। उन्होंने कहा कि आत्मविकास करते समय एक मनुष्य सुपरमैन बनना चाहता है, इसके बाद वह देवता और फिर भगवान बनना चाहता है और विश्वरूप की भी आकांक्षा रखता है। लेकिन वहां से आगे भी वुछ है क्या, यह कोई नहीं जानता है। संघ प्रामुख ने कहा कि वुछ लोगों में मनुष्य होने के बावजूद मानवीय गुणों का आभाव होता है। उन्हें सबसे पहले अपने अंदर इन गुणों को विकसित करना चाहिए। वे गुरुवार को गुमला के बिशनपुर में विकास भारती संस्था में आयोजित ग्राम स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि विकास का अंत नहीं है। देश में नएनए आयाम स्थापित करने की जरूरत है, मगर मूल स्वभाव बरकरार रखना चाहिए। देश के जनजातीय समाज का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है। वे आज भी अभावों से घिरे हैं। वहां काम की जरूरत है। अन्यथा जिनके पास प्राभाव है। वे इस समाज के आभाव को दूर कर उनका पूरा स्वभाव ही बदल देंगे। इनका इशारा धर्मांतरण की ओर था। भागवत ने यह भी कहा कि जहां तपस्या है। वहां परिणाम है, सोच-समझ कर दिया गया कार्य रंग लाता है। भागवत ने कहा कि आदिवासी समाज के स्वभाव और उसकी विचारधारा को बदला जा रहा है, जिनके पास प्राभाव है। वह जनजातीय समाज का सम्मान दूर करने के नाम पर यह कर रहे हैं। संघ प्रामुख का इशारा फिर धर्मांतरण की ओर था। भागवत ने कहा कि आजकल तथाकथित प्रागतिशील लोग समाज को वुछ देने में विश्वास करते हैं, जो भारतीय संस्वृति में निहित है। उन्होंने कहा सनातन संस्वृति और धर्म राजमहलों से नहीं बल्कि साक्ष्यों और जंगलों से आई है। बदलते समय के साथ हमारे कपड़े तो बदल सकते हैं लेकिन हमारा स्वभाव कभी नहीं बदलेगा। बदलते समय में अपने काम और सेवाओं को जारी रखने के लिए हमें नए तौर और तरीके अपनाने होंगे। जो लोग अपने स्वभाव को बरकरार रखते हैं, उन्हें विकसित कहा जाता है। भागवत ने कहा कि सभी को समाज के कल्याण के लिए अथक प्रायास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी पिछड़े हुए हैं और उनके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी काम किए जाने की जरूरत है। सर संघ चालक मोहन भागवत बार-बार नसीहतें दे रहे हैं। आखिर ये नसीहतें किसके लिए हैं? किसको चेताने का काम कर रहे हैं? क्या वह कहना चाह रहे हैं कि अपने तौर तरीकों को बदलो नहीं तो पूरी लुटिया डूब जाएगी।

पूर्व सेना प्रमुख ने किया फिर चुनाव लड़ने का एलान विक्रमसिंघे को राष्ट्रपति पद के लिए देंगे टक्कर

कोलंबो, 25 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका में जल्द राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। इसी को लेकर अब बड़ी खबर सामने आई है। पूर्व सेना प्रमुख फील्ड मार्शल सरथ फोनसेका ने एलान किया कि वह भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने औपचारिक रूप से आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। कौन हैं फोनसेका फोनसेका श्रीलंका की सेना के 18वें कमांडर थे और उनकी अगुवाई में 2009 में लिट्टे की हार के बाद तीन दशक से चल रहा गृह युद्ध समाप्त हुआ था। वह कुछ समय के लिए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी रहे। सेना से जनरल के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने 2010 के राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के खिलाफ चुनाव लड़कर आम विपक्षी उम्मीदवार के रूप में राजनीति में प्रवेश किया। हालांकि, तब उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। बता दें, श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव 17 सितंबर से 16 अक्तूबर के बीच होंगे। चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। हमें दिवालियापन की ओर धकेल दिया: फोनसेका इस बीच, फोनसेका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मैं देश के लोगों के समक्ष राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि 76 सालों तक हम एक अयोग्य राजनीतिक समूह के नेतृत्व में रहे हैं, जिसने हमें दिवालियापन की ओर धकेल दिया। श्रीलंका के विकास के लिए हमें भ्रष्टाचार को कुचलने की जरूरत है। हमें आय सृजन को बढ़ावा देने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। यह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए श्रीलंका के राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में मेरी औपचारिक और आधिकारिक घोषणा है। 73 साल के पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि वह भी श्रीलंकाई लोगों को द्वीप को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। यह लोग भी चुनावी मैदान में फील्ड मार्शल सरथ फोनसेका के अलावा, न्याय मंत्री विजयदास राजपक्षे ने भी चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह मंत्री पद पर बने रहेंगे। मगर यह चुनाव देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। वहीं, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी फिर से चुनाव लड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

वियनतियाने पहुंचे जयशंकर, आसियान की बैठक में भाग लेंगे; अन्य देशों के समकक्षों से भी कर सकते हैं मुलाकात

वियनतियाने (लाओस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आसियान बैठक के लिए लाओस की राजधानी वियनतियाने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह दक्षिण पूर्वी राष्ट्रों के संगठन के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति के 10 साल पूरे कर रहा है। जयशंकर को लाओस के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री सेलुमक्से कोमासिथ ने आसियान-भारत, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) और आसियान क्षेत्रीय मंच (एआरएफ) के प्रारूप में आसियान ढांचे के तहत विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, आसियान की बैठकों के लिए लाओस के वियनतियाने पहुंच गया हूं। हम आसियान के साथ भारत के संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं, क्योंक हम एक्ट ईस्ट नीति का एक दशक पूरा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने उनकी यात्रा से पहले एक बयान में कहा, यह दौरा आसियान केंद्रित क्षेत्रीय वास्तुकला, आसियान एकता, हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर आसियान आउटलुक (एओआईपी) और आसियान-भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एमईए ने कहा, इस दौरे का खास महत्व है, क्योंकि भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति के दस साल पूरे कर रहा है। इसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में नौवें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी। अपने दौरे के दौरान जयशंकर आसियान से जुड़ी बैठकों के दौरान वियनतियाने में अन्य देशों के अपने समकक्षों के साथ भी द्विपक्षीय बैठकें कर सकते हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्री और अमेरिका व चीन जैसे प्रमुख साझेदार देशों के शीर्ष राजनयिक तीन दिवसीय बैठक के लिए यहां एकत्र हुए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और चीन के विदेश मंत्री वांग यी भी इसमें भाग लेने वालों में शामिल हैं।

बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव से चिंतित है अमेरिका, चुनाव के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की

वॉशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में चीन की उपस्थिति पर चिंता जताई है। एक सांसद का मानना है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए एक व्यापारिक साझेदार के तौर पर शीर्ष पर है। ये सभी देश अमेरिका के रणनीतिक भागीदार भारत के आसपास है। दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने चेतावनी देते हुए कहा कि बांग्लादेश को इस बात से सावधान रहना चाहिए कि उन्हें जल्दबाजी में जरूरत से ज्यादा विस्तार नहीं करना चाहिए। उन्होंने चुनाव के बाद से बांग्लादेश में जारी हिंसा की भी निंदा की। अमेरिकी सांसद में दक्षिण और मध्य एशिया के सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लु ने कहा, हम बांग्लादेश में बढ़ते चीनी प्रभाव से चिंतित हैं। मैं कहना चाहूंगा कि बांग्लादेश को इस बात से सतर्क रहना चाहिए कि उन्हें जल्दबाजी में जरूरत से ज्यादा विस्तार नहीं करना चाहिए। अमेरिकी सांसद बिल कीटिंग ने जब पूछा, रूस के संदर्भ में, उस क्षेत्र में बांग्लादेश में चीन का प्रभाव है, क्या आपने इसमें भी कोई चिंताजनक चीज देखी इस सवाल का जवाब देते हुए लु ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि बांग्लादेश में जिन देशों का प्रभाव सबसे अधिक है, उनमें रूस या चीन नहीं, बल्कि भारत है। हम बांग्लादेश में अपनी नीतियों को लेकर भारत के साथ सक्रिय बातचीत करते हैं। अमेरिकी सांसद यंग किम ने कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए एक व्यापारिक साझेदार के तौर पर शीर्ष पर है। ये सभी देश भारत के आसपास है। उन्होंने आगे कहा, भारतीय सीमा और हिंद महासागर में पीएलए की मौजूदगी भी बढ़ रही है। सहायता और सहयोग न केवल दक्षिण एशिया में अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाने में, बल्कि उनकी समृद्धि को बढ़ाने और क्षेत्र को स्वतंत्र और खुला रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। चुनाव के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की गई एक अन्य अमेरिकी सांसद ने सवाल किया, हाल ही में बांग्लादेश में चुनाव हुए, जिसमें हिंसा की घटनाएं पहली की अपेक्षा बहुत ही कम घटी। इसपर लु ने कहा कि अमेरिका पिछले हफ्ते बांग्लादेश में हुई हिंसा पर बहुत बारीकी से नजर बनाए हुए है। उन्होंने आगे कहा, हमने उस हिंसा की निंदा की और सरकार से बोलने की स्वतंत्रता का सम्मान करने का आह्वान भी किया। आपको मालूम होगा कि यहां कर्फ्यू भी लगाए गए हैं।

सीपीईसी और पाकिस्तान के अत्याचारों के खिलाफ विशाल प्रदर्शन करेंगे बलूच, कार्यकर्ता महरंग का एलान

ग्वादर (बलूचिस्तान), 25 जुलाई (एजेंसियां)।

बलूच अधिकार कार्यकर्ताओं ने बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर में एक विशाल सभा और विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। बलूच अधिकारों की लड़ाई लड़ने वाली कार्यकर्ता महरंग बलूच ने 28 जुलाई को आगामी कार्यक्रम की घोषणा की है। उन्होंने इसे बलूच राष्ट्रीय सभा का नाम दिया है। बलूचों का यह प्रदर्शन जिले में चल रहे बलूच नरसंहार और शोषण के खिलाफ हो रहा है।

महरंग बलूच ने एक्स पर लिखा, बलूच राष्ट्रीय सभा बलूचों के नरसंहार, मेगा परियोजनाओं की आड़ में बलूचों के संसाधनों की लूट और सुरक्षा के नाम पर बलूचिस्तान को जेल में बदलने के लिए खिलाफ एक ऐतिहासिक सार्वजनिक जनमत संग्रह होगा। एक शक्तिशाली सार्वजनिक प्रतिरोध की शुरूआत होगी।

सीपीईसी जैसे परियोजनाओं का लोगों को नहीं मिल रहा लाभ

यह एलान ऐसे समय में किया गया है, जब कार्यकर्ता आरोप लगा रहे हैं कि बलूचिस्तान के लोगों का दशकों पुराने औपनिवेशिक शासन की तरह उत्पीड़न किया जा रहा है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) जैसी विकास पहल का केंद्र बिंदु रहा है। हालांकि, स्थानीय लोग इन परियोजना का विरोध करते रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें इन परियोजनाओं में कम लाभ मिलता है।

दशकों से अत्याचार और दमन झेल रहा बलूचिस्तानः बलूच एकजुटता समिति

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, बलूचिस्तान ने सात दशकों तक अत्याचार और दमन झेला है। यह औपनिवेशिक शासन की याद दिलाता है। इस भूमि के मूलनिवासी होने के बावजूद बलूच लोग लगातार खतरे में रह रहे हैं। गायब होने और न्यायेतर हत्याओं का सामना कर रहे हैं और आर्थिक रूप से हाशिए पर रह रहे हैं।

बलूच लोगों को नहीं मिल रहीं मूलभूत सुविधाएं

पाकिस्तान सीपीईसी से बलूचिस्तान के विकास का दावा करता है। लेकिन, ग्वादर के निवासियों को बुनियादी सुविधाओं की कमियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें चिलचिलाती गर्मी के बीच पीने के साफ पानी और अनियमित बिजली आपूर्ति शामिल है।

समिति ने लोगों से प्रदर्शन में जुटने का किया आह्वान

बलूच एकजुटता समिति ने एक्स पर लिखा, पाकिस्तान की ओर से प्रचारित विकास ने हमारी दुर्दशा को और बढ़ा दिया है। हमारे घरों को जेलों में बदल दिया है। जबकि हमारी पैतृक भूमि का आर्थिक लाभ के लिए शोषण किया जा रहा है। बलूच राष्ट्रीय सभा का मकसद कार्यकर्ताओं को राज्य प्रायोजित दमन और आर्थिक शोषण के खिलाफ व्यापक समर्थन जुटाना है। यह आयोजन न्याय, स्वायत्तता और बलूच अधिकारों की मांग के लिए एक सामूहिक प्रदर्शन है। समिति ने कहा, हम अपने लोगों की पीड़ा और हमारी सांस्कृतिक व आर्थिक विरासत के नुकसान के बीच चुप रहने रहने से इनकार करता हैं। समिति सभी बलूच नागरिकों को उत्पीड़न के खिलाफ एक होकर आंदोलन शुरू करने के लिए ग्वादर में हमारे साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित करती है।

कमला हैरिस के चुनावी मैदान में आने पर डेमोक्रेट्स में उत्साह भारतवंशी सांसद ने जताई समर्थन की इच्छा

वॉशिंगटन। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक की तरफ से कमला हैरिस आमने-सामने हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारतवंशी हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के जो बाइडन के फैसले से पार्टी के भीतर ऊर्जा और उत्साह की लहर पैदा हो गई है। अब पार्टी के पास व्हाइट हाउस को फिर से जीतने का अवसर है। चार दिन पहले लिया था बाइडन ने फैसला गौरतलब है, राष्ट्रपति जो बाइडन ने दोबारा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला लेकर सबको चौंका दिया था। साथ ही उन्होंने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का समर्थन किया। इस पूरे मामले पर बाइडन ने सफाई दी। उन्होंने बताया कि पार्टी को एकजुट करने के लिए ऐसा किया। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई प्राथमिकी बहस में बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी में निराशा थी। लगातार विपक्ष की ओर से दबाव बनाया जा रहा था कि राष्ट्रपति बाइडन अपना नाम वापस ले ले। यह काफी रोमांचक सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, यह काफी रोमांचक है। मेरा मतलब है, मैं सोचता हूं कि इसके लिए कोई और शब्द नहीं है। यह काफी रोमांचक है। इस कदम से डेमोक्रेटिक पार्टी ऊर्जा और उत्साह से भर गई है। हैरिस के लिए प्रचार करना चाहते हैं सांसद इलिनोइस से डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद 51 वर्षीय कृष्णमूर्ति ने कहा कि वह हैरिस के लिए विस्कॉन्सिन में प्रचार करना चाहते हैं।

आखिर क्यों जो बाइडन ने लिया अचानक राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने का फैसला, चार दिन बाद बताई वजह

वॉशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप, जबकि डेमोक्रेट्स की तरफ से अब कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। चार दिन पहले यानी जो बाइडन ने चुनावी दौड़ से बाहर होने का एलान कर सबको चौंका दिया था। इसके बाद सवाल उठने लगे थे कि क्या राष्ट्रपति ने रिपब्लिकन के दबाव में आकर यह फैसला लिया है। हालांकि, अब बाइडन ने इस मामले में चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि वह इस कार्यालय का सम्मान करते हैं, लेकिन वह अपने देश से अधिक प्यार करते हैं। मैं इस पद का सम्मान... जो बाइडन ने ओवल ऑफिस के ऐतिहासिक संबोधन में दोबारा राष्ट्रपति बनने की अपनी दावेदारी खत्म करने के अपने फैसले के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मैं इस पद का सम्मान करता हूं, लेकिन मैं अपने देश से ज्यादा प्यार करता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पांच नवंबर को दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा करने और व्हाइट हाउस की दौड़ के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन करने के बाद देश के नाम अपने पहले संबोधन में कहा, लोकतंत्र की रक्षा करना किसी भी पद से ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह हमारे लोगों के बारे में उन्होंने आगे कहा, मुझे अमेरिकी लोगों के लिए काम करने से ताकत और खुशी मिलती है। मगर हमारे संघ को परिपूर्ण बनाने का यह कार्य मेरे बारे में नहीं है। यह आपके, आपके परिवार और आपके भविष्य के बारे में है। यह हमारे लोगों के बारे में है। अपने राजनीतिक करियर के अंत को चिह्नित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि देश का लोकतंत्र मतदाताओं के हाथों में है। 80 वर्षीय नेता ने कहा, दुनिया में कहीं और ऐसा नहीं हो सकता कि स्क्रैंटन, पेनसिल्वेनिया और क्लेमोंट, डेलावेयर में सामान्य रूप से जन्म लेने वाला हकलाने वाला बच्चा एक दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में ओवल ऑफिस में बैठे। लेकिन मैं यहां हूं। उन्होंने अमेरिकी लोगों के प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपना दिल और आत्मा देश को दी है और बदले में उन्हें कई बार आशीर्वाद मिला है। बाइडन नहीं छोड़ेंगे पद ओवल कार्यालय में अपने भाषण में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि कार्यकाल के छह महीने बचे हैं।

ट्रंप की हत्या के प्रयास के मामले की होगी जांच, प्रतिनिधि सभा ने दी टास्क फोर्स गठित करने की मंजूरी

वॉशिंगटन, 25 जुलाई (एजेंसियां)। पेंसिल्वेनिया की रैली में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश की गई। इस कोशिश को लेकर अमेरिकी सदन में प्रस्ताव लाया गया। प्रतिनिधि सभा ने घटना की जांच के लिए समर्पित दो दलीय टास्क फोर्स बनाने के लिए मतदान करने की मांग की। इस टास्क फोर्स के गठन के प्रस्ताव को व्यापक द्विदलीय समर्थन मिला। यह प्रस्ताव 416 मत से पारित हुआ। टास्क फोर्स के गठन की घोषणा सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन और सदन के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने संयुक्त रूप से की। इस टास्क फोर्स में से सात रिपब्लिकन नेता और छह डेमोक्रेटिक नेता शामिल होंगे। स्पीकर जॉनसन ने यह भी बताया कि टास्क फोर्स में कौन-कौन शामिल होगा, इसकी जानकारी दी जाएगी। जिसमें जेफ्रीज उनके साथ परामर्श के बाद नामांकन करेंगे। टास्क फोर्स का काम जल्दी कुशलतापूर्वक, प्रभावी ढंग से किया जाए, इसकी मांग अमेरिका की जनता कर रही है। सदन की निगरानी समिति ने घटना से पहले सुरक्षा उल्लंघनों की जांच शुरू कर दी है। बढ़ते दबाव के जवाब में सुरक्षा विफलताओं के बारे में समिति द्वारा व्यापक पूछताछ के बाद सीक्रेट

सर्विसक डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने भी इस सप्ताह में इस्तीफा दे दिया है। इस मामले की सुनवाई के दौरान पेंसिल्वेनिया राज्य पुलिस आयुक्त की गवाही ने रैली के आसपास की विशिष्ट सुरक्षा में हुई चूक के बारे में जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने भी गवाही दी, जिसके अनुसार हमलावर ने पिछली राजनीतिक हत्याओं के विवरण की जांच की थी, ट्रंप की हत्या के प्रयास से कुछ समय पहले रैली के पास एक ड्रोन का संचालन किया था। बयान में स्पीकर जॉनसन और नेता जेफ्रीज ने तथ्यों को तेजी से उजागर करने, जवाबदेही सुनिश्चित करने और भविष्य में सुरक्षा विफलताओं को रोकने के लिए टास्क फोर्स की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने टास्क फोर्स के व्यापक जांच दायरे के बारे में बताया।

फिलीपींस में बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 21 हुई

मनीला, 25 जुलाई (एजेंसियां)। फिलीपींस में गेमी तूफान के कारण दक्षिण पश्चिम मानसून के जोर पकड़ने की वजह से हुई भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी।

प्रारंभिक रिपोर्ट में पुलिस ने कहा कि फिलीपींस की राजधानी मनीला में सात, कैविते प्रांत में तीन, बटांगस प्रांत में पांच और रिजाल प्रांत में तीन लोगों की मौत हुई। पुलिस ने बताया कि बुलाकान प्रांत में एक और पंपंगा प्रांत के एंजिलिस सिटी में दो अन्य लोगों की मौत हुई। मौत का कारण मुख्य रूप से डूबना, भूस्खलन, पेड़ का गिरना और करंट लगना था। फिलीपींस की राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने अभी तक दक्षिण-पश्चिम मानसून और गेमी तूफान के दोहरे प्रभावों के कारण मौतों की रिपोर्ट नहीं की है, जो गुरुवार सुबह फिलीपींस से बाहर निकल गया है। फिलीपींस में इस वर्ष आए तीसरे तूफान गेमी के कारण मनीला मेट्रो और कई क्षेत्रों में बारिश हुई, जिससे बाढ़ और भूस्खलन हुआ।

गेमी तूफान ने लोगों की जान लेने के अलावा कई घरों को जलमग्न और नष्ट कर दिया, मुख्य रूप से तटीय और नदी के किनारे के समुदायों में झोंपड़ियों और कारों को बहा दिया।

विस्थापित लोगों ने बुधवार रात कवर कोर्ट, स्कूलों, चर्चों और अन्य अस्थायी निकासी केंद्रों में गुजारी और अपने क्षेत्रों में बाढ़ के पानी के कम होने का इंतजार किया। फिलीपींस वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक आपदाग्रस्त देशों में से एक है, जिसका मुख्य कारण उसका पैसिफिक रिंग ऑफ फायर और पैसिफिक टाइफून बेल्ट में स्थित होना है। औसतन, इस द्वीपसमूह में सालाना 20 तूफान आते हैं, जिसमें से कुछ तीव्र और विनाशकारी होते हैं।

अमेरिका में पनामा के डेरियन गैप को पार करते हुए 10 अवैध प्रवासी डूबे

पनामा सिटी, 25 जुलाई (एजेंसियां)। लैटिन अमेरिका के पनामा में डेरियन गैप पैदल पार करते समय 10 अवैध प्रवासी नदी में अचानक आई बाढ़ में डूब गये। राष्ट्रीय सीमा सेवा ने बुधवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सीमा सेवा के अनुसार, पीड़ितों के शवों को प्रवासी तस्करों से संबंध को छिपाने के लिए दफना दिये जाने के बाद सार्वजनिक मंत्रालय को इस घटना के बारे में जानकारी मिली।

उल्लेखनीय है कि पूर्वी पनामा के डेरियन प्रांत का क्षेत्र दलदल जैसे जंगल और कीचड़ वाले रास्तों के कारण बेहद जोखिम भरा है। राष्ट्रीय सीमा सेवा ने एक बयान में कहा कि पनामा के अधिकारी प्रवासियों को अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्थापित एक वैकल्पिक मानवीय गलियारे के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ प्रवासी अधिक खतरनाक मार्ग चुनते हैं। राष्ट्रीय प्रवासन सेवा के आंकड़ों के अनुसार, मध्य अमेरिका और मैक्सिको को पार करके अमेरिका पहुंचने के लिए इस साल जनवरी से 22 जुलाई के बीच 216,000 से अधिक अवैध प्रवासियों ने खतरनाक यात्रा की।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट बैंक हिंसा को लेकर इजरायलियों पर लगाए प्रतिबंध

कैनबरा, 25 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने गुरुवार को वेस्ट बैंक में रहने वालों के खिलाफ हिंसा में शामिल कुछ इजरायलियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की। देश ने पहली बार वेस्ट बैंक में हिंसा को लेकर इजरायलियों के खिलाफ ऐसा प्रतिबन्ध लगाया है।

विदेश मामलों के मंत्री पेनी वोंग ने फिलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसक हमलों में शामिल सात इजरायलियों और एक युवा समूह के लिए वित्तीय और यात्रा प्रतिबंधों की घोषणा की। श्री वोंग ने एक बयान में कहा, इसमें फिलिस्तीनियों की पिटाई, यौन उत्पीड़न और यातना शामिल है जिसके परिणामस्वरूप गंभीर चोटें आईं और कुछ मामलों में मौत भी हुई। जिस इकाई पर प्रतिबंध लगाये गये हैं, वह एक युवा समूह है, जो फ़िलिस्तीनी समुदायों के खिलाफ हिंसा भड़काने और हिंसा करने के लिए जिम्मेदार है। श्री वोंग ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस बात पर दृढ़ रहा है कि कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजरायली बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध हैं। उन्होंने कहा, हम इजरायल से आह्वान करते हैं कि वह रहने वालों के खिलाफ हिंसा के अपराधियों को जिम्मेदार ठहराए और उनकी मौजूदा गतिविधियों को बंद करे, ऐसी गतिविधि केवल तनाव को बढ़ाती है और दो देशों में स्थिरता और संभावनाओं को कमजोर करता है।

श्री वोंग ने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) रेडियो पर कहा कि ऑस्ट्रेलियाई लोगों को प्रतिबंधों को एक बहुत बड़े दंड के रूप में देखना चाहिए।

दांबुला, 24 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय तीरंदाज तरुणदीप राय को पेरिस ओलंपिक में पदक की आस, बोले- अभी नहीं तो कभी नहीं..

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत में सिर्फ एक दिन का समय बचा है। भारत ने 117 खिलाड़ियों का दल भेजा है जिनसे देश को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। तीरंदाजी में खिलाड़ियों ने क्वालिफाई किया है, जिनमें तीन पुरुष और इतनी महिलाएं शामिल हैं। वैश्विक टूर्नामेंट के आगाज से पहले अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय ने पदक की उम्मीद जताई है। 40 वर्षीय राय पेरिस ओलंपिक में टीम के अनौपचारिक मेंटर के तौर पर काम कर रहे हैं। अपने चौथे ओलंपिक में हिस्सा लेते हुए उनके लिए यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। उन्हें अपने पहले पदक की उम्मीद है। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप (2005, 2019) में दो रजत, तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित नौ विश्व कप पदक, एशियाई चैम्पियनशिप में दो रजत और एक कांस्य पदक जीते हैं। अभी नहीं तो कभी नहीं राय ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, हर दिन भावनात्मक होता है। यह चौथी दफा है। मेरे लिए यह अभी नहीं तो कभी नहीं वाली स्थिति है। मैं अपने साथी तीरंदाजों से भी कहता हूं। शायद कोई अपना पहला या दूसरा ओलंपिक खेल रहा हो, लेकिन उसे इस तरह सोचना चाहिए कि अभी नहीं तो कभी नहीं। आपको इस तरह प्रयास करना चाहिए जैसे कि यह आपका आखिरी ओलंपिक हो।

टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी सिक्किम के अनुभवी तीरंदाज ने 2004 एथेंस, 2012 लंदन और 2021 टोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था। टोक्यो में तीरंदाजी की पुरुष टीम क्वार्टरफाइनल तक पहुंची थी जिसमें राय भी शामिल थे। उन्होंने कहा, ओलंपिक हर खिलाड़ी का सपना होता है और मैं भी इससे अलग नहीं हूं। इसके लिए आपको सर्वश्रेष्ठ तैयारी करनी होती है। आपको क्वालिफाई करने और पदक जीतने के लिए कड़ी मेहनत करनी होती है। राय ने आगे कहा, इस ओलंपिक में तीन साल के अंतराल के बाद खेल रहा हूं। कई बदलाव आये हैं जो सकारात्मक हैं। तोक्यो में जो भी कमी रह गई थी उसे दूर करना मेरा लक्ष्य है। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। अब तक नहीं जीता पदक भारतीय तीरंदाज 1988 में पदार्पण के बाद से नियमित रूप से ओलंपिक में हिस्सा लेते रहे हैं लेकिन अभी तक पदक नहीं जीत पाए हैं।

न्यूज ब्रीफ

नीता अंबानी दूसरी बार चुनी गईं आईओसी की सदस्या, 2016 में पहली बार बनीं थीं हिस्सा

नई दिल्ली । नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। रिलायंस फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष नीता अंबानी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने एक बार फिर नीता अंबानी में अपना विश्वास जताया है। उन्हें सर्वसम्मति से एक बार फिर आईओसी की सदस्या चुना गया है। उनके पक्ष में कुल 93 वोट पड़े। 2016 में रियो डी जेनेरियो ओलंपिक खेलों में नीता अंबानी पहली बार आईओसी सदस्या चुनी गई थीं। मेरा दोबारा चुना जाना भारतीयों के लिए गर्व की बात नीता अंबानी के पक्ष में 100 प्रतिशत वोट पड़े, जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का सदस्य चुना गया। इस मौके पर उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य के रूप में फिर से चुने जाने पर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं प्रेसिडेंट बाख और आईओसी में अपने सभी सहयोगियों को मुझ पर विश्वास और भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। यह पुनर्निर्वाचन न केवल मेरे लिए एक व्यक्तिगत मील का पत्थर है, बल्कि वैश्विक खेल क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। मैं हर भारतीय के साथ खुशी और गर्व के इस पल को साझा करना चाहती हूं और भारत और दुनिया भर में ओलंपिक आंदोलन को मजबूत करने के लिए मैं तत्पर हूं। नीता के नेतृत्व में बना इंडिया हाउस नीता अंबानी के नेतृत्व में 40 साल के इंतजार के बाद भारत को आईओसी की वार्षिक बैठक की मेजबानी मिली थी। वर्ष 2023 में मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में इसका सफल आयोजन किया गया था। नीता अंबानी के नेतृत्व में ही पहली बार ओलंपिक में इंडिया हाउस बनाया गया है। जो पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों, समर्थकों व दर्शकों के लिए भारत से दूर एक घर की तरह है।

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर पेरिस ओलंपिक से हटे वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली । दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर गले में संक्रमण (टॉन्सिल) के कारण पेरिस ओलंपिक से हट गए। इटली के इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि डॉक्टर ने उन्हें सलाह दी है कि वह ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं लें।

जनवरी में ऑस्ट्रेलिया ओपन के साथ अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सिनर पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर एटीपी रैंकिंग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बने थे। ओलंपिक टेनिस का ड्रॉ होगा, जबकि मुकाबले शुरू होंगे। सिनर ने इटैलियन में लिखा, ओलंपिक से चूकना बड़ी निराशा है क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था। उन्होंने लिखा, मैं इस बेहद महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था। इससे पहले विंबलडन में सिनर को दानिल मेदवेदेव ने पांच सेट तक चले क्वार्टर फाइनल में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। मेदवेदेव ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए सिनर को 6-7 (7), 6-4, 7-6 (4), 2-6, 6-3 से हराया था। सिनर को इस मैच के दौरान अपने ट्रेनर से उपचार लेना पड़ा था और वह तीसरे सेट में कोर्ट से चले गए थे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया था कि सिनर को क्या हुआ था। लॉकर रूम में जाने से पहले उनकी हृदय गति की जांच भी की गई थी।

पीकेएल 11 के लिए मुंबई में होगी खिलाड़ियों की नीलामी

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के खिलाड़ियों की नीलामी 15 और 16 अगस्त को मुंबई में होगी। लीग का सफर एक दशक पहले मुंबई में यू मुंबा और जयपुर पिंक पैंथर्स के बीच रोमांचक मुकाबले से शुरू हुआ था। 1 मार्च, 2024 को प्रो कबड्डी लीग के सफल 10वें सीजन को पूरा करने के बाद यह लीग 10 सीजन पूरे करने वाली भारत की दूसरी खेल लीग बन गई है। इसके अलावा, लीग के लिए नए लोगो का भी अनावरण किया गया है। लोगो में भारतीय तिरंगे के समान केसरिया और हरा रंग दिखाया गया है, जो कबड्डी के खेल को देश के गौरवशाली खेल के रूप में दर्शाता है। प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि प्रो कबड्डी सीजन 11 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी इस साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हो रही है। कबड्डी कई वर्षों से भारत का लोकप्रिय खेल रहा है और प्रो कबड्डी में विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी अनुशासन के रूप में मजबूती से प्रदर्शित होता है। यह प्रो कबड्डी के सभी हितधारकों के साथ-साथ एकेएफआई की देखरेख में देश के कबड्डी से जुड़े लोगों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

बेटी ने पहनाया मेडल तो भावुक हुए लिएंडर पेस, मार्टिना की स्पीच ने जीता दिल

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

पूर्व भारतीय टेनिस स्टार लिएंडर पेस को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। उनके अलावा टेनिस प्रसारक अभिनेता और खिलाड़ी विजय अमृतराज को भी इस सम्मान से नवाजा गया। इसी के साथ दोनों इस खिताब को जीतने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी बन गए।

पेस को यह सम्मान दिग्गज टेनिस खिलाड़ी मार्टिना नवरातिलोवा ने दिया। दोनों ने 2003 में विंबलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्स्ड डबल्स के खिताब अपने नाम किए थे। पेस ने टेनिस को बतौर करियर चुनने से पहले फुटबॉल और हॉकी में भी हाथ आजमाया था और अंतत: ओलंपिक पदक विजेता के रूप में अपने हॉकी-कप्तान पिता का अनुसरण किया।

बेटी ने पहनाया मेडल

खास बात यह है कि पेस को यह मेडल उनकी बेटी ने पहनाया जिसके बाद वह भावुक हो गए। नवरातिलोवा ने पेस को सम्मानित करने के लिए उनकी बेटी अयाना को स्टेज पर आमंत्रित किया। बेटी के हाथों मेडल पहनकर भारतीय दिग्गज की आंखें नम हो गईं। इससे पहले नवरातिलोवा ने कहा, यह सच में एक सम्मान की बात है और मैं बहुत खुश हूं कि न केवल एक बल्कि भारत के दो पुरुषों ने यह पुरस्कार जीता। पहले दो एशियाई पुरुष...जिन्होंने ऐसा किया।

नवरातिलोवा ने की तारीफ

नवरातिलोवा ने पेस की तारीफ करते हुए कहा, अद्भुत...कोलकाता से लींडर पेस...18 प्रमुख खिताब, 8 मेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स, डबल्स में करियर ग्रैंड स्लैम...कुल 55 डबल्स खिताब. हमने साथ में दो जीते...सिंगल्स में ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता, टेनिस में एकमात्र भारतीय मेडल। 7ओलंपिक में खेले...खिलाड़ी और कप्तान के रूप में डेविस कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अब तक के सबसे ज्यादा 45 डेविस कप मैच में जीत. 37 हफ्तों तक दुनिया के नंबर-1 रहे। भारत का सर्वोच्च खेल पुरस्कार और 2014 में तीसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्राप्त किया, लेकिन ये सब सिर्फ नंबर हैं।

पेस बोले- मेरे लिए सम्मान की बात

पेस ने कहा, इस मंच पर सिर्फ खेल के दिग्गजों के साथ ही नहीं, जिंदगी के हर दिन मुझे प्रेरित करने वाले लोगों के साथ होना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। इसलिए नहीं कि आपने सिर्फ ग्रैंडस्लैम जीते हैं, इसलिए नहीं कि आपने हमारे खेल को आकार दिया बल्कि इनमें से हरेक व्यक्ति ने उस दुनिया को आकार दिया जिसमें हम रहते हैं।

पेस ने पिता की कही बातों को किया याद

पेस ने कहा, जैसा कि मेरे पिता ने हमेशा मुझसे कहा कि अगर आप खुद पर भरोसा करते हैं, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप सिर्फ पुरस्कार राशि और ट्रॉफी जीतने के लिए ही नहीं बल्कि आप दुनिया को प्रेरित करने के लिए ऐसा करते हैं। सात ओलंपिक में देशवासियों के लिए खेलना, उन सभी डेविस कप में राष्ट्रगान के लिए खड़े होना और यह साबित करना कि हम एशियाई ग्रैंडस्लैम जीत सकते हैं और अपने क्षेत्र में नंबर एक भी बन सकते हैं मेरे लिए सम्मान की बात थी।

पेस ने करियर में 18 ग्रैंडस्लैम जीते

पेस युगल और मिश्रित युगल में 18 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रहे हैं। उन्हें अमृतराज युवा अकादमी में खेलने के बाद खिलाड़ी वर्ग में चुना गया था। पेस और अमृतराज ने भारत को हॉल ऑफ फेम में प्रतिनिधित्व करने वाला 28वां राष्ट्र बनाया। पेस ने कहा, मैं अपने हर एक देशवासियों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, जो उतार-चढ़ाव में मेरे साथ खड़े रहे। आप सभी मेरे लिए प्रेरणा थे, समर्थन थे, मेरा मार्गदर्शन करने की ताकत थे जब मुझे खुद पर विश्वास नहीं था।

पेस करियर ग्रैंडस्लैम भी जीत चुके

पेस ने पुरुष और मिश्रित युगल दोनों में करियर ग्रैंड स्लैम जीते। उन्होंने 2012 ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर पुरुषों में और 2016 फ्रेंच ओपन पर कब्जा करके मिश्रित में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने ब्राजील के फर्नांडो मेलिगेनी को 3-6, 6-2, 6-4 से हराकर 1996 अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। उनका एकमात्र एटीपी एकल खिताब 1998 में न्यूपोर्ट घास पर उसी स्थान पर आया था जहां उन्हें शामिल किया गया था।

विवादित मैच से शुरू हुआ फुटबॉल मोरक्को से मुकाबला खत्म होने के दो घंटे बाद हारा अर्जेंटीना

पेरिस, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

पेरिस ओलंपिक में मुकाबलों की हंगामेदार शुरुआत हुई है। अर्जेंटीना और मोरक्को के बीच जिस फुटबाल मैच को 2-2 से ड्रॉ घोषित कर दिया, उसका परिणाम मोरक्को समर्थकों के हंगामे के दो घंटे बाद बदल गया। अर्जेंटीना की ओर से स्टॉपेज समय के 16वें मिनट में किए गए गोल के बाद सेंट एटिने स्टेडियम में मोरक्को के समर्थक मैदान में घुस आए। उनके जबरदस्त हंगामे के बाद आयोजकों ने कहा मैच अभी समाप्त नहीं हुआ है। वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की ओर से दर्शकों के हंगामे के बाद गोल की समीक्षा की गई, जिसे खारिज कर स्कोर वापस 2-1 से मोरक्को के पक्ष में कर दिया गया। बाद में मैच खाली स्टेडियम में तीन मिनट 15 सेकंड के लिए कराया गया। मोरक्को ने यह मैच 2-1 से जीता। ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट ने भी मैच 2-2 से ड्रॉ घोषित किया 2008 के बीजिंग ओलंपिक विजेता और वर्तमान विश्व चैंपियन अर्जेंटीना पहले ही मैच में मोरक्को के हाथों उलटफेर का शिकार हो गया। मोरक्को के लिए रहीमी सुफियान ने 45वें और 49वें मिनट में गोल कर टीम को 2-0 से आगे किया। साइमन ज्यूलिआनो ने 68वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-2 कर दिया। मोरक्को जीत की ओर बढ़ रहा था, लेकिन अंतिम क्षणों में मेदिना क्रिस्टियन ने गोल कर अर्जेंटीना को 2-2 की बराबरी दिला दी। यहीं से हंगामा शुरू हुआ। मोरक्कों के समर्थकों का मानना था कि मेदिना ऑफ-साइड थे। गोल होते ही मैच समाप्त घोषित कर दिया गया। ओलंपिक की आधिकारिक वेबसाइट पर भी परिणाम 2-2 ड्रॉ घोषित कर दिया गया। मैदान पर उतरे दर्शकों का हंगामा थमते नहीं देख, घोषणा की गई कि मैच खत्म नहीं हुआ है और वार गोल की समीक्षा करेगा। वार ने काफी देर के बाद मेदिना का गोल खारिज किया। दो घंटे बाद जब सारे दर्शक मैदान से बाहर चले गए तो खाली स्टेडियम में मैच कराया गया। स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर विजयी आगाज किया वहीं, इसी माह यूरोपियन चैंपियन बनने वाले स्पेन ने उज्बेकिस्तान को 2-1 से हराकर विजयी आगाज किया। यह मुकाबला फ्रेंच फुटबाल स्टार काइलिन म्बापे के पुराने घर पार्क डेस प्रिंसेज में खेला गया।

विराट ओर गंभीर बेहद उर्जावान, ड्रेसिंग रूम साझा करते ही बनेगा समन्वयः नेहरा

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा है कि बल्लेबाज विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर काफी उर्जावान हैं और इन दोनो में किसी प्रकार के मतभेद नजर नहीं आते। जैसी की धारणा बनायी जा रही है। नेहरा ने कहा कि ये दोनो ही बेहद अनुभवी हैं और जैसे ही ये ड्रेसिंग रूम साझा करना शुरू कर देंगे, इनमें समन्वय बनने लगेगा। गंभीर श्रीलंका के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम का कोच पद संभालने जा रहे हैं। वहीं कोहली एकदिवसीय टीम के प्रमुख बल्लेबाज रहेंगे। पिछली बार आईपीएल के दौरान दोनों के बीच मैदान पर बहस हुई पर इस बार के सत्र में दोनो उत्साह के साथ मिले थे। इससे साफ है कि दोनो में अब कोई मतभेद नहीं हैं।

नेहरा ने कहा, विराट और गंभीर दो बहुत ही उत्साह से भरे लोग हैं। जब भी वे किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो वे विपक्षी टीम के खिलाफ पूरी ताकत लगा देते पर जब वे ड्रेसिंग रूम में साथ होते हैं, तो वे टीम के लिए एकजुट होते हैं। विराट के पास करीब डेढ़ दशक का अनुभव है। वहीं गंभीर भी बेहद अनुभवी हैं। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बीच पहले भी मैदान पर झगड़े हुए हैं पर जब वे किसी टीम के लिए साथ खेलते हैं, तो वे एक खिलाड़ी, कोच-कप्तान, कोच और सीनियर खिलाड़ी के तौर पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। नेहरा ने यह भी कहा कि गंभीर हमेशा स्पष्ट और पारदर्शी रहते हैं और हमेशा अपनी बात सामने रखते हैं , ये काफी अच्छी बात है। जहां तक कोचिंग का सवाल है हर किसी की अपनी शैली होती है, कोच, कप्तान और खिलाड़ी के साथ काम करने की। मुझे इन दोनों के साथ कोई समस्या नहीं दिखती।

पहले मैच में ब्रिटेन की हर्से से भिड़ेंगी मनिका, शरत कमल का स्लोवेनिया के कोजुल से होगा सामना

पेरिस, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल के शुरूआती दौर में ब्रिटेन की अन्ना हर्से से भिड़ेंगी, जबकि अनुभवी पुरुष खिलाड़ी अचंता शरत कमल स्लोवेनिया के डेनी कोजुल के सामने होंगे। ड्रॉ की घोषणा हुई। मनिका को 18वीं वरीयता मिली है और यह उनका लगातार तीसरा ओलंपिक है। वह 2021 तोक्यो ओलंपिक में एकल में राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

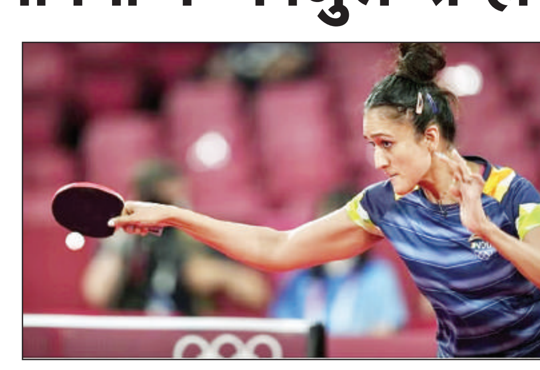

पुरुष एकल में हरमीत देसाई का सामना पहले दौर में जोर्डन के अबो यमन से होगा जबकि 25 साल की श्रीजा अकुला (16वीं वरीय) महिला वर्ग में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टिना कालबर्ग के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन शरत कमल भारत के टेबल टेनिस दल की अगुआई कर रहे हैं जिसमें 41 साल का यह खिलाड़ी ओलंपिक में पांचवीं दफा खेलने उतरेगा। जी साथियान मुख्य टीम में जगह नहीं बना सके जिससे उन्हें 'रिजर्व' खिलाड़ी के तौर पर चुना गया है। वह 2018 और 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की स्वर्ण पदक विजेता पुरुष टीम के सदस्य रह चुके हैं। महिलाओं की टीम स्पर्धा के शुरूआती मुकाबले में 11वीं वरीयता प्राप्त भारत का सामना चौथी वरीय रोमानिया से होगा। जीतने वाली टीम सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचेगी। हाल में मनिका अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 24वीं रैंकिंग पर पहुंची थीं। मनिका और श्रीजा के अलावा महिला टीम की तीसरी सदस्य अर्चना कामत हैं। अयहिका मुखर्जी रिजर्व खिलाड़ी हैं। भारतीय पुरुष टीम में शरत कमल, मानव ठक्कर और राष्ट्रीय चैम्पियन हरमीत शामिल हैं जिसका सामना शुरूआती दौर में शीर्ष रैंकिंग पर काबिज चीन से होगा। पेरिस ओलंपिक में पहली बार भारत टीम स्पर्धा में हिस्सा लेगा। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला टीम स्पर्धायें 2008 बीजिंग ओलंपिक में शुरू की गई थीं।

36 साल के गेंदबाज ने बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड, जसप्रीत बुमराह और शाहीन अफरीदी जैसे खूंखार बॉलर्स बहुत पीछे छूटे

नई दिल्ली, 25 जुलाई (एजेंसियां)।

ओमान टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज बिलाल खान ने नामीबिया के खिलाफ वनडे प्रारूप में इतिहास रच दिया। 36 साल के बिलाल खान वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में एक मेडन सहित 50 रन देकर तीन विकेट झटके। बिलाल खान ने अपने वनडे करियर के 49वें मैच में सबसे तेज 100 विकेट लेने का कमाल किया। उन्होंने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ा। पता हो कि किसी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अब बिलाल खान के नाम दर्ज हो गया है।

याद दिला दें कि शाहीन अफरीदी ने अपने करियर के 51वें वनडे मैच में 100 विकेट पूरे किए थे। वहीं, कंगारू पेसर मिचेल स्टार्क ने 52वें मैच में 100 विकेट का आंकड़ा पूरा किया था। भारत की तरफ से मोहम्मद शमी (56) और जसप्रीत बुमराह (57) ने 100 विकेट का आंकड़ा पार किया था।

सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज

- 49 - बिलाल खान (ओमान)
- 51 - शाहीन अफरीदी (पाकिस्तान)
- 52 - मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
- 54 - शेन बांड (न्यूजीलैंड)
- 54 - मुस्ताफिजुर रहमान (बांग्लादेश)
- 55 - ब्रेट ली (ऑस्ट्रेलिया)
- 56 - ट्रेंट बोल्ट (न्यूजीलैंड)
- 56 - मोहम्मद शमी (भारत)
- 57 - जसप्रीत बुमराह (भारत)
- 57 - मैट हेनरी (न्यूजीलैंड)

संदीप लामिछाने के नाम दर्ज है रिकॉर्ड - पता हो कि नेपाल के लेग स्पिनर संदीप लामिछाने के नाम वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। लामिछाने ने केवल 42 मैचों में 100 विकेट का आंकड़ा पार किया। वनडे प्रारूप में सबसे तेज 100 विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के अनुभवी लेग स्पिनर राशिद खान मौजूद हैं। राशिद ने 44 मैचों में विकेटों का शतक पूरा किया था।

ओमान ने जीता मैच - बता दें कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में ओमान और नामीबिया के बीच 17वां मुकाबला खेला गया। डुंडी में खेले गए मुकाबले में नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करके 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 196 रन बनाए। जवाब में ओमान ने 5 गेंदें शेष रहते 4 विकेट से मैच जीत लिया।

तुषारा श्रीलंका की टी20 सीरीज से बाहर, मदुशंका को प्रतिस्थापन नामित किया गया

कोलंबो। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ श्रीलंका की आगामी टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने उनके प्रतिस्थापन के रूप में दिलशान मदुशंका को नामित किया है। एसएलसी ने अपने बयान में कहा कि तुषारा को पल्लेकेले में अभ्यास के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं अंगूठे में चोट लग गई। इसमें कहा गया है कि प्राप्त मेडिकल रिपोर्ट से पता चलता है कि खिलाड़ी के बाएं अंगूठे में फ्रैक्चर है। तुषारा इतने दिनों में बाहर होने वाले दूसरे श्रीलंकाई तेज गेंदबाज हैं, दुष्मंथा चमीरा को ब्रोंकाइटिस और श्वसन संक्रमण से अभी भी उबरने के कारण श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था, उनके प्रतिस्थापन के रूप में असिथा फर्नांडो को नामित किया गया था। तुषारा, जिन्होंने अपने स्लिंगिंग बॉलिंग एक्शन से तहलका मचा दिया था, जून में पुरुष टी20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए कुछ आशाजनक स्थानों में से एक थे, जिन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए थे। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ 5-20 के आंकड़े हासिल करते हुए टी20 हैट्रिक भी ली थी। भारत अपने श्रीलंका दौरे की शुरुआत 27 और 28 जुलाई को लगातार टी20 मैचों के साथ करेगा, जिसके बाद 30 जुलाई को तीसरा मैच खेला जाएगा। इसके बाद परिदृश्य कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में स्थानांतरित हो जाएगा, जहां 2, 4 और 7अगस्त को क्रमश: तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

डीजीसीए एयर इंडिया एक्सप्रेस चालक दल की हड़ताल मामले की जांच कर रहा, मंत्री बोले– होगी कार्रवाई

नई दिल्ली,25 जुलाई (एजेंसियां) ।

विमानन नियामक डीजीसीए मई में एयर इंडिया एक्सप्रेस के चालक दल की हड़ताल की घटना की जांच कर रहा है। इसके कारण कई उड़ानें रद्द हुई थीं और नियमों का अनुपालन नहीं करने पर एयरलाइन पर जुर्माना लगाया जाएगा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने इसकी जानकारी दी। लोकसभा में उड़ानों के रद्द होने से संबंधित प्रश्नों के जवाब में, नायडू ने कहा कि मंत्रालय यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई रद्दीकरण या देरी न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिक उड्डयन आवश्यकताएं (सीएआर) यह सुनिश्चित करने के लिए थीं कि प्रभावित यात्रियों को मुआवजा मिले। नागरिक उड्डयन मंत्री ने प्रश्नकाल के दौरान कहा, हम स्वीकार करते हैं कि एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ एक मुद्दा रहा है... चालक दल के साथ कुछ आंतरिक मुद्दे थे क्योंकि एयर इंडिया एक्सप्रेस का एयर एशिया इंडिया में विलय हो रहा था और इस कारण बड़े पैमाने पर हड़ताल (7 मई को) हुई। हड़ताल के कारण कई उड़ानें रद्द हुईं। उन्होंने कहा, एक बार जब यह मुद्दा शुरू हुआ तो मंत्रालय इसमें शामिल हो गया, डीजीसीए (नागर विमानन महानिदेशालय) ने एयरलाइन, चालक दल के सदस्यों और अन्य चीजों के साथ काफी चर्चा की और इसे सुलझा लिया गया... एक सॉफ्टवेयर गड़बड़ी भी हुई थी। सॉफ्टवेयर गड़बड़ी के कारण, चालक दल के सदस्यों के डेटा जो एयरलाइन के पास होनी चाहिए थी, उसमें कुछ समस्या थी और वे मैन्युअल रूप से (डेटा) दर्ज करने की कोशिश कर रहे थे... सब कुछ सामान्य स्थिति में वापस आने के लिए, (इसमें) कुछ समय लगा। नायडू ने कहा कि अगर विमानन कंपनियां नियमों का पालन नहीं करती हैं तो मंत्रालय दखल देता है और सुनिश्चित करता है कि यात्रियों को किसी अन्य उड़ान में समायोजन मिले या उन्हें पैसे रिफंड किए जाएं। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने कहा, डीजीसीए एयर इंडिया एक्सप्रेस की हड़ताल की घटना की गहराई में जा रहा है और मामले की जांच कर रहा है। अगर एयरलाइंस की ओर से कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो निश्चित रूप से हम उन्हें दंडित करने जा रहे हैं और सुनिश्चित करेंगे कि यात्री ही सर्वोच्च प्राथमिकता हो।

न्यूज ब्रीफ

एंजल कर हटने से बढ़ेगा नवाचार, विदेशी निवेश भी आएगा, विवाद और मुकदमेबाजी में भी कमी आएगी

नई दिल्ली । स्टार्टअप के लिए एंजल कर हटाने के सरकार के फैसले से विदेशी निवेश आकर्षित करने एवं नवाचार को बढ़ावा देने के साथ स्टार्टअप तंत्र को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा, यह एक लंबित मुद्दा था, क्योंकि यह कर देश में आने वाले निवेश पर लगाया जाता था। इस तरह के विदेशी निवेश पर कर नहीं लगाया जाना चाहिए। एंजल कर हटाने से विवाद और मुकदमेबाजी में भी कमी आएगी। जरूरी था कर हटाना सचिव ने कहा, निवेशक संभावित नए नवाचार पर निवेश करता है और एंजल कर उन्हें नुकसान पहुंचा रहा है। इस कारण भारत में एक 'वास्तविक रूप से अच्छे' विचार को समर्थन नहीं मिल रहा था। साथ ही, यह लोगों को विदेश से पैसा लाने के लिए मजबूर कर रहा था। एंजल कर के कारण भारत में एफडीआई कम हो जाता है। इससे ऐसी व्यवस्था बनती है, जहां लोग देश के बाहर रहते हैं और फिर लंबे समय बाद वापस आ जाते हैं, क्योंकि बाजार यहीं है। क्या है एंजल कर सरकार एंजल कर गैर–सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप की ओर से जुटाई गई धनराशि पर तब लगाती है, जब उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है। इस पर 30 फीसदी से अधिक कर लगता है।

80 करोड़ की बैंक जमा और डीमैट होल्डिंग्स फ्रीज, फॉरेक्स ट्रेडिंग एप मामले में प्रवर्तन निदेशालय का एक्शन

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अवैध ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के संचालन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 80 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बैंक जमा और डीमैट होल्डिंग्स को फ्रीज कर दिया है। इस प्लेटफॉर्म पर निवेशकों से 500 करोड़ रुपये की ठगी करने का आरोप है। ईडी ने दी जानकारी ईडी ने कहा कि उसने ऑक्टाएफएक्स ट्रेडिंग एप और वेबसाइट के मामले में 22 जुलाई को मुंबई, कोलकाता, दिल्ली और गुरुग्राम में छापे मारे गए थे। ऑक्टाएफएक्स पर विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में निवेशकों से धोखे से प्राप्त धन को सेबी में पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) में निवेश के रूप में डाला गया है, ताकि उन्हें वैध निधि के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा, ऑक्टाएफएक्स ने निवेशकों को लुभाने के लिए अपनी प्रचार गतिविधियों के लिए धन हस्तांतरित करने के लिए ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड्स (बीवीआई) और एस्टोनिया में स्थित संस्थाओं का उपयोग किया। ईडी के अनुसार, ऑक्टाएफएक्स ने कई शेल या नकली कंपनियां स्थापित कीं और विदेशी मुद्रा व्यापार की सुविधा के बहाने उनके बैंक खातों का उपयोग किया। 1000 करोड़ से ज्यादा का मुनाफा कमाया एजेंसी के अनुसार, ऑक्टाएफएक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ऑक्टाएफएक्स और उनकी संस्थाओं ने विदेशी मुद्रा व्यापार की आड़ में निवेशकों को धोखा दिया है, जिससे भारतीय क्षेत्र से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ कमाया है। इन निधियों का एक हिस्सा शेल संस्थाओं की मदद से जटिल लेनदेन के जाल के माध्यम से स्थांतरित किया गया था और फर्जी माल ढुलाई सेवाओं, सेवाओं के आयात आदि की आड़ में अपनी संबंधित संस्थाओं को विदेश में भेजा गया था।

निवेश प्रस्तावों की मंजूरी के लिए सख्त की जाएगी समयसीमा, इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में आएगी तेजी

नई दिल्ली । सरकार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों को तेजी से मंजूरी

देने के लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए सख्त समयसीमा तय करेगी। इससे प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में तेजी आएगी। डीपीआईआईटी सचिव ने कहा, इन मंजूरियों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है। फिर भी इसमें देरी हो रही है क्योंकि एसओपी का पालन नहीं किया जा रहा है। सचिव ने कहा, मंजूरी व अनुमोदन की प्रक्रिया को छोटा करने का विचार है। विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड को खत्म करने के बाद एफडीआई नीति और फेमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) विनियमों के तहत विदेशी निवेश के लिए मंजूरी देने का कार्य संबंधित मंत्रालयों/विभागों को सौंप दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारतीय गणतंत्र...

जांच के लिए टीम रायबरेली पहुंची तो धीरे–धीरे पूरा मामला खुलने लगा। पता चला कि रायबरेली के सलोन से ही अल्पसंख्यकों और घुसपैठियों के अत्यधिक फर्जी प्रमाणपत्र बनाए गए हैं। इनमें 2023 में मुंबई में पकड़े गए चार बांग्लादेशियों के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले जम्मू में भी पकड़े गए कुछ रोहिंग्या के पास रायबरेली के बने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मिले थे।

जांच में पता चला कि ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) विजय सिंह यादव की यूजर आईडी और पासवर्ड का प्रयोग कर सलोन निवासी सीएससी संचालक मोहम्मद जीशान, रियाज और सुहेल खान ने फर्जी प्रमाणपत्र बनाए। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया। फर्जी प्रमाणपत्र मामले में राजधानी लखनऊ से सटा बाराबंकी जिला भी जांच के दायरे में है। यहां पीएफआई सक्रिय है। 2022 में कुर्सी थानाक्षेत्र के गौराहार से पीएफआई के कोषाध्यक्ष नदीम और सदस्य कमरुद्दीन की गिरफ्तारी हुई थी। 2023 में गौराहार से ही एनआईए ने पीएफआई के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा था। इस मामले का जाल नेपाल के सीमावर्ती जिलों में भी बताया जा रहा है। ऐसे में जांच का दायरा अवध के गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच तक भी बढ़ सकता है।

बांग्लादेशी लड़कियों...

पकड़ी गई बांग्लादेशी युवती अखी मुंशी उर्फ मधु सिंह के पास फर्जी आधार कार्ड और फर्जी पैन कार्ड तक बरामद हुए हैं। कानपुर में कल्याणपुर से पकड़ी गई बांग्लादेशी युवती नजमा से पूछताछ में बांग्लादेश से दिल्ली और देश के अन्य शहरों के बीच चल रहे मानव तस्करी के काले कारोबार और कानपुर को बतौर ट्रेनिंग सेंटर इस्तेमाल करने की बात सामने आई है। पता चला कि हर साल सैकड़ों लड़कियां बांग्लादेश से घरेलू काम के नाम पर भारत पहुंचाई जा रही हैं। बांग्लादेशी और रोहिंग्या लड़कियों को कानपुर लाकर कुछ समय के लिए रखा जाता है। यहां उन्हें देह के धंधे से लेकर मानव तस्करी के लिए अन्य लड़कियों को फंसाने और घरेलू कामकाज तक की ट्रेनिंग दी जाती है। इस बीच उन्हें अपनी नई पहचान बनाने के लिए जरूरी दस्तावेज दिलाने, वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने और रोजगार दिलाने का काम दिलाया जाता है। इसके बाद ज्योति निषाद जैसी युवतियों को उन्हें विभिन्न एजेंसियों तक पहुंचाने का जिम्मा सौंपा जाता है। विभिन्न धंधे से जुड़े इन घुसपैठियों को चुनाव में इकट्ठा कर उनसे अपने पसंदीदा राजनीतिक दल को वोट दिलाया जाता है।

नजमा ने पूछताछ के दौरान अधिकारियों को बताया कि पकड़ी गई दिल्ली निवासी ज्योति निषाद एक ऐसी ही एजेंसी के साथ जुड़ी हुई है। पकड़े जाने वाले दिन वह दिल्ली ले जाने के लिए ही कानपुर आई थी, जहां उसे नए नाम व नई पहचान से जुड़े दस्तावेज के साथ काम दिलाया जाना था। हालांकि उससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में ऐसी कई युवतियों का पता चला है कि जो इसी तरीके से भारत में दाखिल हुई और अब नई पहचान के साथ देश के अलग–अलग शहरों में रह रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि दूसरे देश से आने वाली महिलाओं का इस्तेमाल हनी ट्रैप से लेकर किसी भी तरह की गतिविधि के लिए हो सकता है। साथ ही ऐसे रास्ते का दुरुपयोग देश विरोधी गतिविधि के लिए होने का खतरा है, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा व खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। वहीं, देह व्यापार के एंगल से भी जांच की जा रही है।

जांच में पता चला है कि दिल्ली की एजेंसियां ही इन युवतियों की फेक आईडी बनवा रही है। साथ ही मोटा कमीशन लेकर घरों में कामकाज के लिए इन्हें भेजा जाता है। पकड़ी गई बांग्लादेशी युवती अखी मुंशी उर्फ मधु सिंह के पास भी आधार कार्ड और पैन कार्ड बरामद हुआ है। पुलिस ने पैन और आधार बनने की जांच कर रही है।

कानपुर के डीसीपी (पश्चिमी) विजय ढुल ने कहा कि अखी मुंशी और नजमा से पूछताछ की गई है। कुछ जानकारियां मिली हैं जिन्हें तस्दीक करने के लिए पुलिस की टीमें कोलकाता, दिल्ली और अन्य राज्यों में जाएंगी। खुफिया एजेंसियों से भी मदद ली जा रही है।

साल दर साल बढ़ती...

तब पता चला था कि प्रदेश में 10 लाख से ज्यादा बांग्लादेशी और करीब 3 हजार रोहिंग्या नागरिक अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। तब पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि केवल लखनऊ में ही करीब एक लाख बांग्लादेशी नागरिकों ने अपना ठिकाना बना लिया है। फैजाबाद रोड स्थित अकबरनगर भी जांच में दायरे में आया था। सर्वे के बाद भी शासन–प्रशासन ठोस कार्रवाई नहीं कर सकी। अब तो अवैध घुसपैठियों की तादाद दोगुनी से अधिक बढ़ चुकी है। अब तो बांग्लादेशी घुसपैठिए बाकायदा भारत के वोटर तक बन चुके हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव में लोगों को इसका अंदाजा हो चुका है।

अधिकतर मामलों में पाया गया कि स्थानीय नेताओं ने ही उनके भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड बनवाने में मदद कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर घुसपैठियों ने असम के निवासी होने का दावा किया था, जिसकी पड़ताल के लिए पुलिस की टीमें भेजी गई थीं। तमाम स्वयंसेवी संगठन बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के समर्थन में पूरी बेशर्मी के साथ खड़ी हो गईं। आखिरकार शासन ने भी इस मसले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को...

तीनों बच्चे बांग्लादेश में ही पैदा हुए। 2016 में वह पत्नी और बच्चों के साथ कानपुर आ गया। इस दौरान वह अक्सर बांग्लादेश व पाकिस्तान भी जाता रहता था। पुलिस का दावा है कि पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी और पार्षद मन्नू रहमान के जरिए रिजवान ने आधार कार्ड बनवाए। पुलिस ने डॉ रिजवान, हिना, तीनों बच्चो, ससुर के अलावा पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी व मन्नू रहमान के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ दर्ज केस में पूर्व विधायक इरफान सोलंकी और पार्षद को आर–ोपी बनाने के लिए पुलिस ने निजी एक्सपर्ट की रिपोर्ट को आधार बनाया था। रिपोर्ट और रिजवान के कस्टडी रिमांड के दौरान के कबूलनामे के बाद पुलिस ने पूर्व विधायक का नाम केस में जोड़ दिया था। हालांकि कोर्ट में सरकारी फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट ही मायने रखती है। इसलिए 50 पन्नों में इरफान से 1350 बार हस्ताक्षर लिए गए और जांच के लिए झांसी लैब भेज दिए गए, ताकि इनका मिलान लेटरहेड पर हुए हस्ताक्षरों से कराया जा सके।डॉ. रिजवान के तीनों बच्चों और ससुर खालिद की पहले ही जमानत हो चुकी थी। अभी हाल ही में 19 माह से जेल में बंद डॉ. रिजवान की पत्नी हिना को भी हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। हालांकि सत्यापन के चलते हिना अभी जेल में भी बंद है। वहीं सपा विधायक इरफान सोलंकी, पार्षद मन्नू रहमान और डॉ रिवजान मोहम्मद की याचिका अभी लंबित है। बांग्लादेशी नागरिक के पकड़े जाने के मामले में हाईकोर्ट ने भी सख्त रुख अपनाते हुए एक साल के भीतर केस का निस्तारण करने के आदेश दिए हैं। वर्तमान में मामले की सुनवाई एमपीएमएलए कोर्ट में चल रही हैं। पुलिस अभी भी हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट कोर्ट में पेश नहीं कर सकी है। कानपुर के डीसीपी (पूर्वी) श्रवण कुमार ने कहा कि अलग–अलग लैब से जांच कराया जाना सामान्य प्रक्रिया है। झांसी फॉरेंसिक लैब से आई हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट से जांच अधिकारी संतुष्ट नहीं थे। इसी वजह से अब हस्ताक्षर मिलान के लिए सैंपल लखनऊ की फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। वहां से जो भी रिपोर्ट आएगी, उसके आधार पर अनुपूरक चार्जशीट कोर्ट में पेश की जाएगी।

हमास को पूरी ...

इज़राइली पीएम ने हिजबुल्ला को भी कुचलने की धमकी। उन्होंने कहा कि हम अपने लोगों को सुरक्षित रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे। उन्होंने ईरान को अमेरिका और इज़राइल दोनों के लिए संकट बताया। ऐसे में अमेरिका और इज़राइल को एक साथ खड़ा होना चाहिए। जब हम एक साथ खड़े होते हैं तो वास्तव में सब अच्छा होता है। हम जीतते हैं, वे हारते हैं। इस दौरान नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध और इससे उत्पन्न मानवीय संकट की निंदा करने वालों की भी आलोचना की। उन्होंने कई प्रदर्शनकारियों पर सात अक्टूबर को हमला करने वाले उग्रवादियों के साथ खड़े होने का भी आरोप लगाया। बेंजामिन ने कहा कि ऐसे लोगों को खुद पर शर्म आनी चाहिए।

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इज़राइल ने 40,000 से अधिक सहायता ट्रकों को गाजा में प्रवेश करने दिया है। अगर गाजा में फलस्तीनियों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल रहा है, तो इसका कारण यह नहीं है कि इज़राइल इसे रोक रहा है, बल्कि ऐसा इसलिए है क्योंकि हमास इसे चुरा रहा है। आईडीएफ (इज़राइल रक्षा बल) ने फिलिस्तीनी नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए लाखों फ्लायर्स भेजे हैं, लाखों टेक्स्ट संदेश भेजे हैं और सैकड़ों–हजारों फोन कॉल किए हैं। हमास पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि हमास फलस्तीनी नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के लिए हरसंभव प्रयास करता है। वे स्कूलों, अस्पतालों और मस्जिदों से रॉकेट दागते हैं। जब नागरिक युद्ध क्षेत्र छोड़ने की कोशिश करते हैं तो वे उन्हें गोली भी मार देते हैं। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी फातिह हमद का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उसने यह दावा किया है फलस्तीनी महिलाएं और बच्चों को मानव ढाल बनना फायदेमंद है।

नेतन्याहू ने कहा कि इज़राइल के लिए हर नागरिक की मौत एक त्रासदी की तरह है। जबकि हमास की यह एक रणनीति है, वे चाहते हैं कि फलस्तीनी नागरिक मरें ताकि अंतरराष्ट्रीय मीडिया में इज़राइल की बदनामी हो। वे चाहते हैं कि इज़राइल के युद्ध जीतने से पहले उस पर युद्ध को खत्म करने का दबाव डाला जा सके। आगे उन्होंने कहा कि जैसा कि हमास ने 7 अक्टूबर जैसा हमला फिर से करने की कसम खाई है तो मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं, चाहे कितना भी दबाव सहना पड़े, मैं ऐसा कभी नहीं होने दूंगा। नेतन्याहू ने गाजा में जंग की आलोचना करने वालो की तीखी निंदा की। संबोधन के दौरान संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों को नेतन्याहू ने दुश्मन देशों का मददगार करार दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में ज्यादातर लोग इज़राइल का समर्थन करते हैं, ये वो लोग हैं जो बाहर प्रदर्शन कर रहे लोगों की तरह हमास के झूठ में नहीं फंसे हैं।

इससे पहले, अमेरिकी संसद में पहुंचने पर हाउस स्पीकर माइक जॉनसन और अन्य रिपब्लिकन सांसदों ने नेतन्याहू का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान जॉनसन ने वहां मौजूद सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि न सिर्फ आज बल्कि हर रोज अमेरिका को इज़राइल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए। इतना ही नहीं नेतन्याहू को उनके संबोधन से पहले अमेरिकी कांग्रेस में दो मिनट से भी ज्यादा समय तक स्टैंडिंग ओवेशन भी दिया गया। इस दौरान वाइस प्रेसिडेंट और सीनेट अध्यक्ष कमला हैरिस सदन में उपस्थित नहीं रही। उन्होंने पूर्व निर्धारित चुनावी यात्रा का हवाला देते हुए पहले ही संयुक्त सत्र में रहने से मना कर दिया था। वहीं, वाशिंगटन के सीनेटर पैटी मरे ने भाग लेने से इन्कार कर दिया। ऐसे में सीनेट विदेश संबंध समिति के अध्यक्ष सीनेटर बेन कार्डिन ने उनके स्थान पर सीनेटर प्रो टेम्पोरोर के रूप में कार्य किया। वहीं, पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सहयोगी जेडी वेंस भी नेतन्याहू के भाषण में शामिल नहीं हुए। कमला हैरिस की अनुपस्थिति को लेकर रिप–ब्लिकन सांसदों ने विश्वासघात बताया।

नेतन्याहू के खिलाफ...

प्रदर्शन में शामिल एक बंधक के रिश्तेदार ने आरोप लगाया कि नेतन्याहू सत्ता में बने रहने के लिए युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के समझौते को टाल रहे हैं। इन परिवारों ने नेतन्याहू से मांग की कि वे युद्ध विराम समझौते पर सहमत हों, जिससे बंधकों को वापस घर लाया जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं ने भी नेतन्याहू की यात्रा का विरोध किया है। कुछ सांसदों ने संबोधन का बहिष्कार करने की भी योजना बनाई है। इन नेताओं ने कहा कि वे यह समय हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों से बातचीत में बिताएंगे। कैपिटल और पोटोमैक नदी के किनारे स्थित होटल के प्रवेश द्वारों के आसपास बाड़ लगाई गई है, जहां नेतन्याहू ठहरे हुए हैं। इज़राइली नेता के दौरे के लिए कैपिटल पुलिस और सीक्रेट सर्विस के जवान बड़ी संख्या में तैनात किए गए हैं।

केंद्र पर भारी...

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के लिए पुरानी पेंशन की मांग उठाई थी। उन्होंने कहा था, यह बल देश की सुरक्षा करते हैं, यहां तक कि संसद भवन की रक्षा का दायित्व भी यही बल निभाते हैं। इन्हें 100 दिन का अवकाश मिले। हर राज्य में सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर राज्य अर्धसैनिक बोर्ड का गठन हो।सपा के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, जब भाजपा विपक्ष में रही तो ओपीएस की बात करती रही। यह सरकार अब 11 वां बजट पेश कर रही है। देश के सरकारी कर्मचारी, पुरानी पेंशन के लिए परेशान हैं। सरकार, ओपीएस की चर्चा ही नहीं कर रही। लोकसभा में धर्मेंद्र यादव ने कहा, आप बहुत बड़े राष्ट्र भक्त बनते हैं। सीमा पर जवान शहादत झेल रहे हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों को पुरानी पेंशन दी जाए।सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के कंधों पर न सिर्फ कश्मीर से लेकर उत्तर पूर्व तक, नक्सल प्रभावित क्षेत्र, सीमा, बंदरगाह व एयरपोर्ट के अलावा संसद भवन की सुरक्षा का दायित्व भी है। इन बलों में सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, एसएसबी, एनएसजी व असम राइफल शामिल हैं। इन बलों में लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग की जा रही है। जब देश में नई पेंशन स्कीम लागू की गई तो उस वक्त कहा गया है कि नई पेंशन स्कीम, भारत संघ के सशस्त्र बलों को छोड़कर, अन्य सभी कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। तब सेना के तीनों अंगों को भारत संघ के सशस्त्र बल मान लिया गया। उन्हें पुरानी पेंशन के दायरे में रखा गया।

हुड्डा ने कहा, यह अच्छी बात है कि सेना में आज भी पुरानी पेंशन लागू है। इसके बाद गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अर्धसैनिक बल भी भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। ये भी सशस्त्र बलों की परिभाषा में आने चाहिए। इनके भविष्य की सुरक्षा करना सरकार का कार्य है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा था कि इन बलों में सौ दिन का अवकाश सुनिश्चित होगा। इसके जरिए इन बलों में शूटिंग की घटनाओं को रोका जा सकता है। अभी तक इस दिशा में कोई भी पहल नहीं हुई है। इन बलों में जवानों को अभी साठ दिन का अवकाश मिल रहा है। सौ दिन का अवकाश सुनिश्चित हो। इनके हितों की रक्षा के लिए सभी प्रदेशों में अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड का गठन हो।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए स्पष्ट कर दिया था कि कर्मियों को पुरानी पेंशन देने का कोई विचार नहीं है। सरकार, एनपीएस में संशोधन कर रही है। इस बाबत कर्मचारी संगठनों की राय ली गई है। उससे पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में कहा था, कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाली का कोई प्रस्ताव केंद्र सरकार के विचाराधीन नहीं है। बता दें कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में भारतीय सेना के कानून लागू होते हैं, फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। इन बलों के लिए जो सर्विस रूल्स तैयार किए गए हैं, उनका आधार भी फौज है। इन सारी बातों के होते हुए भी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को पुरानी पेंशन से वंचित किया गया है।

सीएपीएफ भारत संघ...

केंद्र सरकार, कई मामलों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को सशस्त्र बल मानने को तैयार नहीं होती। सीएपीएफ में पुरानी पेंशन का मुद्दा भी इसी चक्कर में फंसा हुआ था। एक जनवरी 2004 के बाद केंद्र सरकार की नौकरियों में भर्ती हुए सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन के दायरे से बाहर कर उन्हें एनपीएस में शामिल कर दिया गया। इसी तर्ज पर सीएपीएफ जवानों को सिविल कर्मचारी मानकर उन्हें एनपीएस दे दिया। तब सरकार का मानना था कि देश में सेना, नेवी और वायु सेना ही सशस्त्र बल हैं। बीएसएफ एक्ट 1968 में भी कहा गया है कि इस बल का गठन भारत संघ के सशस्त्र बल के रूप में हुआ है। इसी तरह सीएपीएफ के बाकी बलों का गठन भी भारत संघ के सशस्त्र बलों के रूप में हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 6 अगस्त 2004 को जारी एक पत्र में घोषित किया गया था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केंद्रीय बल, संघ के सशस्त्र बल हैं।

सीएपीएफ के जवानों और अधिकारियों का कहना है कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में फौजी महकमे वाले सभी कानून लागू होते हैं। सरकार खुद मान चुकी है कि ये बल तो भारत संघ के सशस्त्र बल हैं। इन्हें अलाउंस भी सशस्त्र बलों की तर्ज पर मिलते हैं। इन बलों में कोर्ट मार्शल का भी प्रावधान है। इस मामले में सरकार दोहरा मापदंड अपना रही है। अगर इन्हें सिविलियन मानते हैं तो आर्मी की तर्ज पर बाकी प्रावधान क्यों हैं। फोर्स के नियंत्रण का आधार भी सशस्त्र बल है। जो सर्विस रूल्स हैं, वे भी सैन्य बलों की तर्ज पर बने हैं। अब इन्हें सिविलियन फोर्स मान रहे हैं तो ऐसे में ये बल अपनी सर्विस का निष्पादन कैसे करेंगे। इन बलों को शपथ दिलाई गई थी कि इन्हें जल, थल और वायु में जहां भी भेजा जाएगा, ये वहीं पर काम करेंगे। सिविल महकमे के कर्मी तो ऐसी शपथ नहीं लेते हैं।

सीएपीएफ के 11 लाख जवानों/अफसरों ने गत वर्ष पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिल्ली हाईकोर्ट से अपने हक की लड़ाई जीती थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को लागू नहीं किया। इस मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले लिया। उस वक्त यह बात साफ हो गई थी कि सरकार, सीएपीएफ को पुरानी पेंशन के दायरे में नहीं लाना चाहती। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले साल 11 जनवरी को अहम फैसले में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ को भारत संघ के सशस्त्र बल माना था। दूसरी तरफ केंद्र सरकार, सीएपीएफ को सिविलियन फोर्स बताती है। अदालत ने इन बलों में लागू एनपीएस को स्ट्राइक डाउन करने की बात कही। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था, चाहे कोई आज इन बलों में भर्ती हुआ हो, पहले कभी भर्ती हुआ हो या आने वाले समय में भर्ती होगा, सभी जवान और अधिकारी, पुरानी पेंशन स्कीम के दायरे में आएंगे। अब इस मामले की सुनवाई अगस्त में होगी।

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों में ओपीएस लागू कराने के लिए अब दूसरे कर्मचारी संगठनों का समर्थन मिल रहा है। नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के पदाधिकारियों ने इसका समर्थन किया है। गत वर्ष दिल्ली के रामलीला मैदान में केंद्र एवं राज्यों के सरकारी कर्मियों की एक विशाल रैली आयोजित करने वाले नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने भी सीएपीएफ में ओपीएस लागू करने की मांग की थी। कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स ने भी सीएपीएफ सहित सभी केंद्रीय एवं राज्य सरकार के कर्मियों को ओपीएस के दायरे में लाने के लिए रैली आयोजित की थी। ऑल इंडिया एनपीएस इम्पलाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पटेल ने भी सीएपीएफ के लिए ओपीएस की मांग का समर्थन किया है।

गणतंत्र मंडप...

हॉल दरबार हॉल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप और अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप किया है।

बयान में कहा गया, दरबार हॉल राष्ट्रीय पुरस्कारों की प्रस्तुति जैसे महत्वपूर्ण समारोहों का स्थल है। दरबार शब्द का तात्पर्य भारतीय शासकों और अंग्रेजों की अदालतों और सभाओं से है। भारत के गणतंत्र बनने के बाद इसकी प्रासंगिकता खत्म हो गई है। गणतंत्र मंडप की अवधारणा प्राचीन काल से भारतीय समाज में गहराई से निहित है, जिस वजह से आयोजन स्थल का नाम बदलकर गणतंत्र मंडप किया गया है। कहा गया कि अशोक शब्द का अर्थ एक ऐसे व्यक्ति से है, जो सभी प्रकार दुखों से मुक्त है। इसके अलावा अशोक का तात्पर्य एकता और शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के प्रतीक सम्राट अशोक से है। सारनाथ अशोक की राजधानी थी। यह शब्द अशोक वृक्ष को भी संदर्भित करता है, जिसका भारतीय धार्मिक परंपराओं के साथ–साथ कला और संस्कृति में भी गहरा महत्व है। अशोक हॉल का नाम बदलकर अशोक मंडप करने से भाषा में एकरूपता आती है और अशोक शब्द प्रमुख मूल्यों को बरकरार रखते हुए अंग्रेजी करण की छाप को भी दूर करता है।

केजरीवाल की...

इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है।

केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे। दूसरी तरफ दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 जुलाई को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें आबकारी नीति मामले से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताया था। जबकि सीबीआई ने कहा कि पूरे साक्ष्य आने पर ही कानून के तहत गिरफ्तारी की। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर भी आदेश सुरक्षित रखा है।

बीएसएफ–सीआईएसएफ ...

उनके लिए अवसर के कई नए दरवाजे खुल जाएंगे। इसके अलावा भी कई फायदे इन अग्निवीरों को दिए जा रहे हैं। यह अलग बात है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार इस योजना की आलोचना कर रहे हैं, उनकी नजरों में इसे कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए। लेकिन सरकार ने संकेत दे दिए हैं कि वे अग्निवीर योजना को जारी रखने वाली है, बजट में भी इसे हटाने को लेकर कोई इरादा नहीं दिखाया गया है।

बताया जा रहा है कि अग्निवीर अपनी चार साल की सेवा के बाद भी बीएसएफ में ज्वाइन कर पाएंगे। उन्हें उम्र में छूट (रिलेक्सेशन) दी जाएगी। इसके ऊपर इस योजना के तहत ही कुछ ऐसे फायदे भी हैं जो सिर्फ अग्निवीरों के लिए रहते हैं, सामान्य सैनिक को वो नहीं मिलते हैं। उदाहरण के लिए अग्निवीर का वेतन 30,000 रुपए से 40,000 रुपए प्रति महीने है। इसके साथ ही वो जोखिम और कठिनाई भत्ते के हकदार हैं। इस योजना में एक सेवा निधि अंशदायी पैकेज भी है, जिसके तहत अग्निवीर अपनी मासिक परिलब्धियों का 30 प्रतिशत योगदान करते हैं, और सरकार भी उतनी ही राशि का योगदान करती है। अग्निपथ योजना पिछले साल चार साल के कांट्रैक्ट पर सेना, नौसेना और भारतीय वायु सेना में भर्ती करने के लिए शुरू की गई थी। 6 महीने की ट्रेनिंग के बाद चार साल के अंत में 25 प्रतिशत तक अग्निवीरों को नियमित आधार पर सेवाओं में शामिल किया जाएगा।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि इसके अलावा, ऊपरी आयु सीमा में रियायत और व्यक्तिगत शारीरिक दक्षता परीक्षा (आईपीपीटी) से छूट देने का प्रा–वधान किया गया है। गृह राज्य मंत्री ने सीएपीएफ और एआर में रिक्तियों के संबंध में कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और असम राइफल्स (एआर) में 01 जुलाई 2024 तक कुल स्वीकृत पदों की संख्या 10,45,751 के मुकाबले 84,106 है। रिक्तियों को भरना एक सतत प्रक्रिया है। मंत्रालय यूपीएससी, एसएससी और संबंधित बलों के माध्यम से रिक्तियों को तेजी से भरने के लिए गंभीर कदम उठा रहा है और उठाता रहेगा। उन्होंने कहा कि यह भी उल्लेखनीय है कि अप्रैल, 2023 से फरवरी, 2024 के बीच 67,345 उम्मीदवारों की भर्ती की गई है। इसके अलावा, 64,091 रिक्तियों को अधिसूचित किया गया है और वे भर्ती के विभिन्न चरणों में हैं। उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि सुरक्षा बलों के आकार की तुलना में नगण्य प्रभावी रिक्तियों के साथ, ओवरटाइम का सवाल ही नहीं उठता है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने सीएपीएफ और एआर में रिक्तियों को शीघ्रता से भरने के लिए अन्य बातों के साथ–साथ कई कदम उठाए हैं। जैसे कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) के पद के लिए वार्षिक भर्ती के लिए कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सामान्य ड्यूटी पदों पर भर्ती के समन्वय के लिए, कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी), उप–निरीक्षक (जीडी) और सहायक कमांडेंट (जनरल ड्यूटी) के पदों पर भर्ती के लिए एक नोडल बल को दीर्घकालिक आधार पर नामित किया गया है। सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स को गैर–सामान्य ड्यूटी संवर्गों में रिक्त पदों पर समयबद्ध तरीके से भर्ती करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

पदोन्नति रिक्तियों को भरने के लिए विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकों का समय पर आयोजन किया जा रहा है। भर्ती में तेजी लाने के लिए मेडिकल जांच में लगने वाले समय को कम कर दिया गया है। कांस्टेबल/जीडी के लिए अभ्यर्थियों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए कट ऑफ मार्क कम कर दिए गए हैं, ताकि पर्याप्त अभ्यर्थी मिल सकें (विशेषकर उन श्रेणियों में जहां अभ्यर्थियों की कमी देखी गई है)।

खनिजों पर...

बीवी नागरत्ना ने इससे असहमति व्यक्त की। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अपना फैसला पढ़ते हुए कहा कि राज्यों के पास खदानों और खनिजों वाली भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता नहीं है।पीठ ने इस बेहद विवादास्पद मुद्दे पर फैसला किया कि क्या खनिजों पर देय रॉयल्टी खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत कर है, और क्या केवल केंद्र को इस तरह की वसूली करने की शक्ति है या राज्यों के पास भी अपने क्षेत्र में खनिज वाली भूमि पर लेवी लगाने का अधिकार है? संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति अभय एस ओका, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसीह शामिल हैं।

कुंडली में 9 ग्रहों के दोष से होने वाले रोग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सभी ग्रह एक निश्चित अंतराल पर अपनी चाल बदलते रहते हैं। ग्रह किसी जातक को उनकी कुंडली में मौजूद स्थिति के आधार पर शुभ या अशुभ फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार ग्रहों का संबंध बीमारियों से भी होता है। हर एक ग्रह किसी न किसी बीमारी का कारक तत्व माना जाता है। व्यक्ति की कुंडली में ग्रह शुभ होने पर व्यक्ति को आर्थिक लाभ के साथ सेहत भी अच्छी बनी रहती है। वहीं अगर कुंडली में ग्रहों की स्थिति शुभ नहीं है तो व्यक्ति को तरह-तरह की मानसिक और शारीरिक पीड़ा मिलती रहती है। कुंडली में किसी भी विशेष ग्रह का कमजोर होना या दूषित होना,जातक को उस ग्रह से संबंधित बीमारियां देने की आशंका बढ़ा देता हैं। आइए जानते हैं सभी 9 ग्रहों के कमजोर होने पर किस-किस तरह की बीमारियां पैदा होती हैं।

सूर्य से जनित बीमारियां

ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को सभी ग्रहों का राजा और आत्मा के कारक ग्रह माना गया है। कुंडली में सूर्य ग्रह के कमजोर होने पर व्यक्ति को पित्त, पेट संबंधी रोग,आंखों से संबंधित रोग,हृदय रोग और रक्त संबंधी रोग पैदा होने संभावना होती है।

चन्द्रमा से जनित बीमारियां

ज्योतिष में चंद्रमा को मन का कारक ग्रह माना गया है। ऐसे में मानसिक तनाव,किडनी,मधुमेह,कफ रोग,मूत्र विकार,मुख,दांत,पीलिया, अवसाद और दिल से संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या

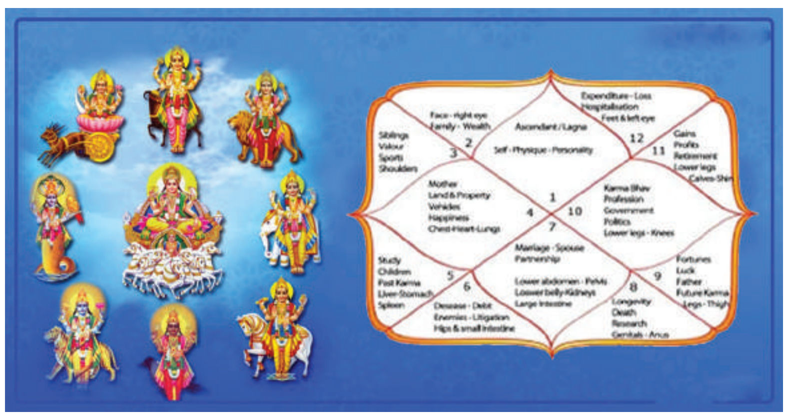

चन्द्रमा के कमजोर होने पर मिलती है।

मंगल से जनित बीमारियां

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगल ग्रह का संबंध रक्त से है। ऐसे में कुंडली में मंगल के अशुभ होने पर व्यक्ति को खून से संबंधित बीमारियां ज्यादा होने लगती हैं। इसके आलावा विषजनित रोग, रक्तचाप संबंधित रोग,कण्ठ रोग,मूत्र रोग,ट्यूमर,कैंसर,पाइल्स और अल्सर आदि।

बुध से जनित बीमारियां

ज्योतिष में बुध ग्रह को वाणी का कारक ग्रह माना गया है।

कुंडली में बुद्ध ग्रह के कमजोर होने पर सीने से जुड़े रोग, खुजली, टाइफाइड, निमोनिया,पीलिया, हकलाने की बीमारी, चर्म रोग आदि से संबंधित बीमारियां होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है।

गुरु से जनित बीमारियां

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि कुंडली में गुरु के कमजोर होने से व्यक्ति को मोटापे और पेट से संबंधित रोग होने लगते हैं। व्यक्ति को लीवर, किडनी आदि से संबंधित कोई रोग,मधुमेह,पीलिया और याददाश्त में कमी जैसे रोग उभरने लगते हैं।

शुक्र से जनित बीमारियां

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि शुक्र ग्रह संपन्नता और वैभव का कारक ग्रह है। इसके अशुभ होने पर व्यक्ति को यौन संबंधी बीमारियों से सामना करना पड़ता है। वहीं इसके अतिरिक्त व्यक्ति को पीलिया,बांझपन, वीर्य संबंधित और त्वचा संबंधित रोग देता हैं।

शनि से जनित बीमारियां

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि व्यक्ति की कुंडली में अगर शनि ग्रह कमजोर है तो व्यक्ति को शारीरिक थकान,चोट आदि लगने का भय रहता है। बाल से जुड़ी बीमारी भी होती हैं। शारीरिक कमजोरी,शरीर में दर्द,पेट दर्द,घुटनों या पैरों में होने वाला दर्द,दांतों अथवा त्वचा संबंधित रोग इत्यादि शनि के कारण हो सकते हैं।

राहु से जनित बीमारियां

कुंडली में राहु के अशुभ या कमजोर होने पर व्यक्ति को मस्तिष्क पीड़ा, बवासीर,पागलपन आदि बीमारियां होती हैं।

केतु से जनित बीमारियां

राहु और केतु दोनों ही अशुभ और छाया ग्रह कहलाते हैं। केतु के कमजोर होने से व्यक्ति को हड्डियों से संबंधित बीमारियां,पैरों में दर्द,नसों की कमजोरी,पेशाब से जुड़ी बीमारी, आकस्मिक रोग ,परेशानी,कुत्ते का काटना,रीढ़ संबंधित समस्या,जोड़ों का दर्द, शुगर,कान,स्वप्नदोष, हर्निया और गुप्तांग संबंधी रोग।

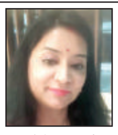

ज्योतिषाचार्या
नीतिका शर्मा,अजमेर

सावन में करें इन शिव के मंदिरों के दर्शन, पूरी होंगी हर मनोकामना!

सावन के पवित्र महीने की शुरुआत हो गई है। सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को समर्पित होता है । इस महीने में शिव भक्त भगवान शिव की आराधना के काफी लिए दूर-दूर से मंदिरों में आते हैं। अगर आप भी इस सावन में भगवान शिव के दर्शन करना चाहते हैं तो आप इन मंदिरों में जा सकते हैं। मान्यता है कि इन मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन से जीवन में सुख-समृद्धि हासिल होती है और हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी विश्वनाथ मंदिर

उत्तर प्रदेश का काशी विश्वनाथ मंदिर भारत के सबसे प्राचीन और पवित्र शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। यह मंदिर गंगा नदी के तट पर स्थित है और इसे 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर

श्री त्र्यंबकेश्वर मंदिर महाराष्ट्र के नासिक से लगभग 28 घा की दूरी पर ब्रह्मगिरी नामक पर्वत के पास स्थित है। यह मंदिर भी 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। इस मंदिर में भगवान शिव को त्र्यंबक रूप में पूजा जाता है।

महाकालेश्वर मंदिर

मध्य प्रदेश का महाकालेश्वर मंदिर भी 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। महाकालेश्वर मंदिर शिप्रा नदी के तट पर स्थित है। इस मंदिर में भगवान भोलेनाथ को महाकाल रूप में पूजा जाता है।

सोमनाथ मंदिर

सोमनाथ मंदिर दक्षिण एशिया स्थित भारतवर्ष के पश्चिमी छोर गुजरात में स्थित है। यह मंदिर भी 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। सोमनाथ मंदिर का इतिहास बहुत ही पुराना है और इसे कई बार तोड़ा गया और फिर से बनाया गया है।

केदारनाथ मंदिर

उत्तराखंड का केदारनाथ मंदिर हिमालय में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव को केदारनाथ रूप में पूजा जाता है। यह मंदिर बहुत ही सुंदर और शांत वातावरण में स्थित है।

ये हैं भगवान शिव के 10 चमत्कारी मंत्र जाप करते ही मनोकामना होती है पूरी!

भगवान शिव को तीन आंखों वाला देवता माना जाता है। उनकी तीसरी आंख उनके विनाशकारी शक्ति का प्रतीक है। भगवान शिव, जिन्हें महादेव, शंभू, शंकर आदि नामों से भी जाना जाता है, हिंदू धर्म में सबसे पूजनीय देवताओं में से एक हैं। वे सृष्टि, विनाश और परिवर्तन के देवता हैं। भगवान शिव को दयालु और क्षमाशील देवता भी माना जाता है, जो अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। भगवान शिव के इन 10 चमत्कारी मंत्रों के जाप से आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। इन मंत्रों का जाप करते समय से पहले आप इन बातों का ध्यान रखें। सबसे पहले सुबह उठते ही स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहन लें। पूजा स्थान को साफ-सुथरा रखें और भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित करें। अब आप दीप, अगरबत्ती और धूप जलाएं और शिवजी को फूल, फल और मिठाई अर्पित करें। ये तो सब जानते ही हैं कि मंत्र का जाप शांत मन से करना चाहिए। अपना ध्यान कंद्रित करें और फिर जाप करें, जाप 11, 21, 51 या 108 बार कर सकते हैं। जाप पूरा होने के बाद आप भगवान शिव से अपनी मनोकामना कहें। प्रभु की कृपा से आपने जिस भी इच्छा शक्ति से जाप किया है वो जल्द पूरी होती है। इन मंत्रों का जाप करने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होगी और आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

*** ॐ नमः शिवाय**

भगवान शिव का ये सबसे सरल और शक्तिशाली मंत्र है। जिसका जाप करने से मन शांत होता है, पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

*** ॐ महादेवाय नमः**

महादेव का ये मंत्र बेहद चमत्कारी है।भगवान शिव को समर्पित सावन के महीने में खासकर इस मंत्र से जल्द लाभ मिलता है।मान्यता है कि भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने और सभी बाधाएं दूर करने के इच्छुक जातक इस मंत्र का जाप करते हैं।

*** ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगंधिं पुष्टिवर्धनं नावः भवः**

यह मंत्र भगवान शिव के त्रिनेत्र स्वरूप का स्तवन करता है। कहा जाता है कि जो भी इसका जाप करता है उसे जीवन में कभी स्वास्थ्य, धन और समृद्धि संबंधी कोई समस्या नहीं आती।

*** ॐ नमः शिवाय गुरुदेवाय नमः**

सावन के महीने में देवो के देव महादेव के किसी भी मंत्र का जाप करना वैसे लाभदायक होता है लेकिन किसी खास मनोकामना के लिए अगर आप सही मंत्र का जाप करें तो आपकी मनोकामना जल्द सिद्ध हो जाती है। इस मंत्र का जाप भगवान शिव को गुरु के रूप में स्तुति करने के लिए किया जाता है जिससे ज्ञान, विद्या और बुद्धि प्राप्त होती है।

*** ॐ शंकरार्धनारीश्वराय नमः**

ये मंत्र भगवान शिव और पार्वती के अर्धनारीश्वर स्वरूप को साधने के लिए अच्छा मंत्र है। माना जाता है कि इसका जाप करने से पति-पत्नी के बीच प्रेम और संबंध मजबूत होते हैं।

*** ॐ षड्क्षर महामंत्र ॐ नमः शिवाय**

भगवान शिव के षडक्षर मंत्र का जाप करने से सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। अगर आप किसी भी महीने के सोमवार के दिन या सावन के महीने में हर दिन सुबह उठते ही इस मंत्र का जाप करते हैं तो आपको शांति महसूस होगी।

*** ॐ मृत्युंजय मंत्र ॐ सह नावः भवतु**

जो भी जातक भगवान शिव के मृत्युंजय मंत्र का जाप करते हैं उन्हे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और दीर्घायु प्राप्त होती है। अगर आप अपनी आयु को लेकर चिंतित रहते हैं तो आप इस मंत्र का जाप कर सकते हैं।

*** ॐ गंगाधराय नमः**

भगवान शिव का ये मंत्र का जाप गंगाधर के रूप में स्तुति करने के किया जाता है। जिससे जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और पापों का नाश होता है।

*** ॐ नमः शिवाय पंचाक्षर मंत्र**

इस पंचाक्षर मंत्र का जाप करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सफलता प्राप्त होती है।

भगवान शिव के जो भी भक्त श्रद्धा से इस मंत्र का जाप करते हैं उन्हें सफलता मिलने में समय नहीं लगता।

*** ॐ नमः शिवाय षटचक्र मंत्र**

ये भगवान शिव का षटचक्र मंत्र है, जिसका जाप करने से सभी चक्र जागृत होते हैं और कुंडलिनी ऊर्जा का विकास होता है।

सोचते ही पूरे हो जाएंगे आपके सारे काम ये सबसे चमत्कारी हस्त मुद्रा

हिंदू धर्म के प्राचीन वेद पुराणों में कई ऐसे रहस्य छिपे हैं जिसे अगर हम आज भी अपने जीवन में शामिल करते हैं तो हमारा जीवन एक उच्च कोटि का जीवन बन सकता है। ये एक ऐसी विद्या है जिसे ऋषि, मुनि और योगी शक्तियां और देवताओं को अपनी और आकर्षित करने के लिए क्या करते थे। आपने की हस्त मुद्राओं के बारे में सुना होगा लेकिन इस चमत्कारी मुद्रा के बारे में ज्यादा लोग नहीं जानते। इस मुद्रा को प्राचीन वेदों में कई नामों से जाना जाता है। इसे त्रिलोक मुद्रा, मोहिनी मुद्रा, आकर्षण मुद्रा, जग मोहनी मुद्रा भी कहा जाता है। इस मुद्रा का अभ्यास करने से आपकी बोलचाल, आपकी पर्सनालिटी में कुछ इस तरह का आकर्षण पैदा होने लगता है, जिससे आपकी और हर कोई आकर्षित होने लगता है। इस मुद्रा के पीछे की शक्ति का राज़ ये है कि अगर कोई व्यक्ति इस मुद्रा को करता है तो उसका ओरा इतना शक्तिशाली हो जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति उस व्यक्ति से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता। ये मुद्रा कौन सी है और

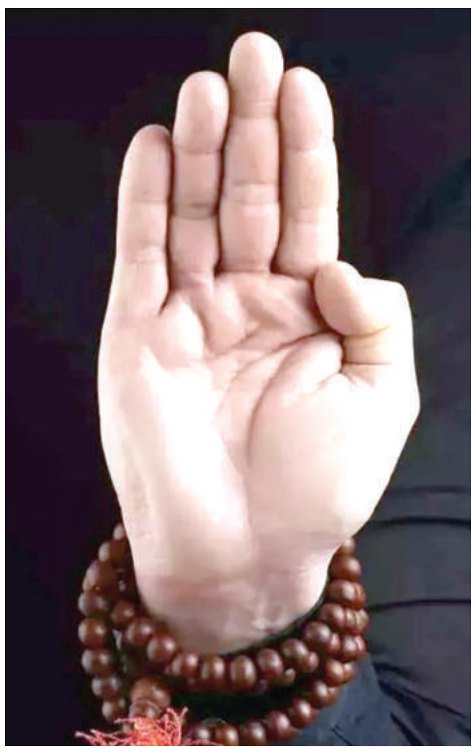

इसे कैसे करना चाहिए आइए सब जानते हैं।

क्रम व्यवस्था लक्ष्मी कर्मध्य सरस्वती कर मूले गोविंदा प्रभाते

सबसे पहले आप एक शांत जगह में सीधे ध्यान आसन में बैठ जाएं, रीढ़ की हड्डी को सीधा रखें और अपने दोनों हाथों को इस इमेज की तरह अपनी चारों उंगलियों को मोड़ कर इस तरह से मिला लीजिए। अपने हाथों को उठाकर ऊपर की ओर रखिए। दोनों हाथों की चारों उंगलियां भी इसी प्रकार होनी चाहिए। अब आपको इसी मुद्रा में दोनों हाथो को अपनी सीने के सामने लेकर आना है और अपने सीने के सामने ही रखना है। इसके बाद आप अपनी आंखों को बंद करेंगे और अपना सारा ध्यान आज्ञा चक्र पर लेकर जाएंगे।

अपनी दोनों आंखों के बीच में और अब अपनी सांसों को महसूस करना आरंभ कीजिए। मतलब आपकी सांसें ना तेज चल रही हों, ना धीमी। सामान्य गति में होनी चाहिए। जैसे ही आप ध्यान आसन में बैठते हैं तो कुछ ही समय में आपकी सांसें सामान्य हो जाएंगी। अब आप जिस भी इच्छा को पाना चाहते हैं या जिस भी चीज़ को आप जीवन में आकर्षित करना चाहते हैं उस चीज़ को अपने ध्यान में लेकर आएं। एक गहरी सांस लें और फिर अपनी सांस को रोक कर रखें। अब आपकी सांस आपकी आगे चक्र में रुक गई है। आपको यहीं पर कुछ समय अपनी सांसों को रोक कर रखना है। जब तक आप आसानी से अपनी सांस को रोक सकते हैं और फिर अपनी सांसों को छोड़ दें, ये क्रिया आप हर दिन 10 से 11 मिनट जरूर करें। अगर आप बिना किसी इच्छा के करते हैं तो आपको ये मुद्रा हर उस चीज़ व्यक्ति वस्तु को आपकी ओर आकर्षित करेगी जिसके बारे में आप सबसे अधिक सोचते हैं या जिसे आप आकर्षित करना चाहते है। मतलब जब आप बिना किसी चाहत या इच्छा के इस मुद्रा को करते हैं तो ये मुद्रा हर उस व्यक्ति या वस्तु को आपकी ओर आकर्षित करेगी जिसे आप दिल में रखते हैं या पाना चाहते हैं।

तिजारा जैन मंदिर : जहां जानें से दूर हो जाते हैं सारे कष्ट

तिजारा जैन मंदिर राजस्थान के अलवर जिले में तिजारा कस्बे में स्थित एक प्रसिद्ध जैन मंदिर है। ये मंदिर भगवान चंद्रप्रभु को समर्पित है, जो 24 तीर्थंकरों में से आठवें तीर्थंकर हैं। मंदिर 500 साल से भी पुराना है और इसे राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण जैन तीर्थस्थलों में से एक माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मंदिर 14वीं शताब्दी में विजय मंदिर के नाम से बनवाया गया था। विजय मंदिर का निर्माण राजा विजयपाल ने करवाया था। 18वीं शताब्दी में, राजा भवानी सिंह ने इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया और इसका नाम बदलकर तिजारा जैन मंदिर कर दिया।

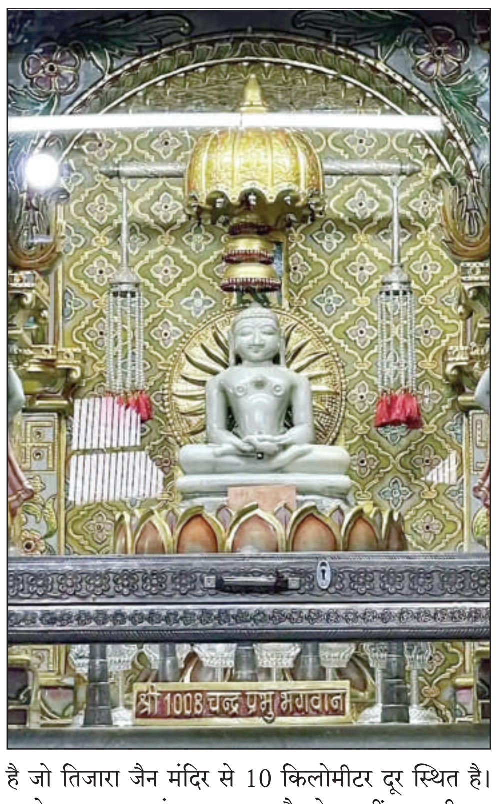

तिजारा जैन मंदिर एक भव्य और सुंदर मंदिर है। सफेद संगमरमर से बने इस मंदिर में कई जटिल नक्काशी और मूर्तियां हैं। पांच मंजिल बने मंदिर में एक विशाल गर्भगृह है जिसमें भगवान चंद्रप्रभु की प्रतिमा स्थापित है। तिजारा जैन मंदिर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। मंदिर में साल भर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मंदिर में कई धार्मिक उत्सव भी मनाए जाते हैं, जैसे कि महावीर जयंती, पार्श्वनाथ जयंती और दीपावली।

तिजारा जैन मंदिर सुबह 5:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक खुला रहता है। मंदिर में प्रवेश निःशुल्क है। मंदिर में कैमरा और मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं है।

अगर आप तिजारा जैन मंदिर जाना चाहते हैं तो मार्ग भी समझ लें। अलवर से 55 किलोमीटर और दिल्ली से 110 किलोमीटर दूर ये मंदिर स्थित है। मंदिर तक सड़क और रेल मार्ग से आसानी से पहुंचा जा सकता है। अलवर और दिल्ली से मंदिर के लिए नियमित बसें भी चलती हैं।

इस आलौकिक मंदिर में दर्शन के बाद अगर आप आसपास कुछ घूमना चाहते हैं तो ये यहां सिलिसेढ़ झील है जो तिजारा जैन मंदिर से 10 किलोमीटर दूर स्थित है। इसके अलावा यहां पाटन महल है जो 16वीं शताब्दी का महल है। ये तिजारा जैन मंदिर से 5 किलोमीटर दूर स्थित है। बाला किला 14वीं शताब्दी का किला है जो तिजारा जैन मंदिर से 2 किलोमीटर दूर स्थित है। तिजारा जैन मंदिर एक सुंदर और पवित्र मंदिर है जो जैन धर्म के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अगर आप राजस्थान की यात्रा कर रहे हैं, तो आपको निश्चित रूप से इस मंदिर का दौरा करना चाहिए।

दर्दभरी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया

नई फिल्म जानम तेरी कसम का किया ऐलान

हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री के शानदार म्यूजिक डायरेक्टर, सिंगर और एक्टर हिमेश रेशमिया ने अपने 14 साल के फिल्मी करियर में अपनी 10वीं फिल्म का एलान किया है। हिमेश ने अपनी नई फिल्म जानम तेरी कसम का एलान अपने 51वें बर्थडे पर किया। बीती 23 जुलाई को हिमेश ने अपना 51वां बर्थडे मनाया था। वहीं, बीती रात पॉपुलर सिंगर ने फिल्म जानम तेरी कसम का एलान कर इसका एक पोस्टर और सॉन्ग टीजर भी छोड़ा है। इसके साथ ही हिमेश ने फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है।जानम तेरी कसम एक दर्दभरी लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें फ्रेश पेयर नजर आने वाला है। इ स फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म दशहरा 2025 के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म को हिमेश रेशमिया ने प्रोड्यूस किया है। वहीं, हिमेश ने इसकी जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दी है।हिमेश ने जानम तेरी कसम का टाइटल ट्रेक शेयर कर फैंस से इस पर रील बनाकर शेयर कर करने का अनुरोध किया है। वहीं, एक और पोस्ट में हिमेश ने अपने सिंगिंग के करियर के शुरुआत की एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है, समीर जान ऑफिशियल, जानम तेरी कसम, जय माता दी लेट्स रॉक।इसके अलावा हिमेश ने खुद अपनी पत्नी सोनिया कपूर संग इस गाने पर रोमांटिक रील बनाकर शेयर की है। इस रील को शेयर कर हिमेश ने लिखा है, मुझे जन्मदिन विश करने के लिए आप सभी का धन्यवाद, रील्स जानम तेरी कसम टाइटल ट्रैक टीजर।बता दें, हिमेश ने बतौर एक्टर साल 2007 में फिल्म आप का सुरूर से बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री की थी। इसके अगले साल हिमेश ने फिल्म कर्ज बनाई थी। साल 2009 में रेडियो, 2010 में कजरारे, 2011 में दमादम, 2014 में द एक्सपॉज, साल 2016 में तेरा सुरूर और साल 2020 में हैप्पी हार्डी एंड हीर। हिमेश की अपकमिंग फिल्मों में बडास रवि कुमार और जानम तेरी कमस शामिल है। बडास रवि कुमार मौजूदा साल में रिलीज होने जा रही है।

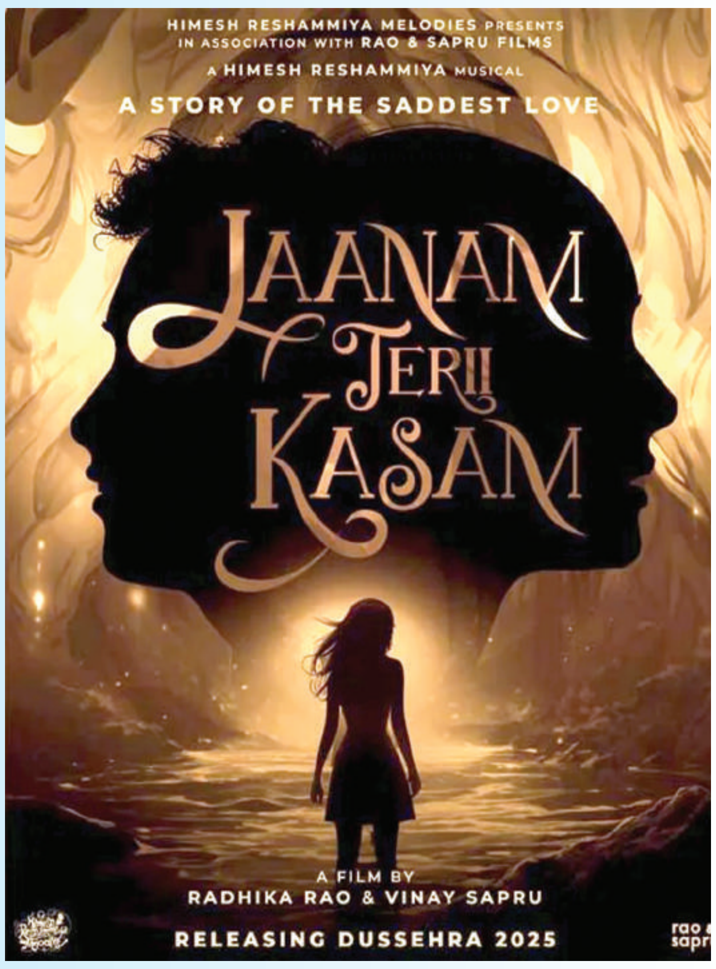

फिल्म स्त्री 2 का पहला गाना आज की रात जारी, तमन्ना के डांस मूव्स ने बढ़ाया पारा

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार फिल्म स्त्री का गाना कमरिया तो आपने सुना ही होगा। इस गाने में नोरा फतेही अपनी दिलकश अदाओं का तड़का लगाती नजर आई थीं। फिल्म में मौजूद इस पेपी सॉन्ग की अपनी अलग फैन फॉलोविंग थी। लोगों ने इस दाने को बहुत प्यार दिया था।अब पार्ट वन की तरह दिनेश विजान द्वारा निर्देशित फिल्म स्त्री 2 में भी इसी तरह का आइटम नंबर रखा गया है। इस तरह फिल्म का पहला गाना रिलीज हो गया है। फिल्म के बोल हैं आज की रात का मजा हुस्न का आंखों से लीजिए। इस बार चंदेरी के लोगों की महफिल सजाने की जिम्मेदारी मिली है तमन्ना भाटिया को।

ग्रीन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस अपने लटके झटकों के साथ फुल ऑन एंटरटेन करती नजर आएंगी।इस फिल्म में तमन्ना का नाम शमा है। पीछे से वॉइस ओवर आता है आज तक शमा पर परवाना मरता था लेकिन आज परवाने पर ये शमा मरने को तैयार है। इस गाने में तमन्ना के कर्व्स पर फुल ऑन फोकस किया गया है।इस गाने को मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने गाया है और अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके लिरिक्स लिखे हैं। मशहूर जोड़ी सचिन-जिगर ने इसे कम्पोज किया है। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपार

शक्ति खुराना भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे।फिल्म की स्टार कास्ट उनकी कॉमिक टाइमिंग ने इसे और भी मजेदार बना दिया है। दर्शक ट्रेलर रिलीज के बाद से ही इसके आने का पलके बिछाए इंतजार कर रहे हैं। स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। फिल्म इस साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

टीवी एक्ट्रेस शांभवी सिंह बारिश में मौज-मस्ती को करती हैं मिस

टीवी एक्?ट्रेस शांभवी सिंह ने मानसून से जुड़ी अपनी कुछ यादें ताजा की हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मौसम बेहद पसंद है। लेकिन वह अब इसका पूरा आनंद नहीं ले पातीं।सुपरनैचुरल थ्रिलर 10:29 की आखिरी दस्तक में प्रीति की भूमिका निभाने वाली शांभवी सिंह ने कहा, मानसून का मौसम मुझे बेहद पसंद है। मैं हमेशा ही इसका मजा लेती हूं। मुझे याद है कि स्?कूल के दिनों में मैं हमेशा बारिश का इंतजार करती थी, क्योंकि भारी बारिश के कारण हमें स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी।उन्होंने कहा, मैं उन दिनों जानबूझकर घर पर छाता भूल जाती थी ताकि मैं घर आते समय भीग कर अपने दोस्तों के साथ मौज-मस्ती कर सकूं। मेरी मां इस पर बहुत नाराज होती थी, क्योंकि मैं अक्सर इसके बाद बीमार पड़ जाती थी। मुझे लगता है कि हर बच्चे के पास बारिश से जुड़ी हुई अपनी खास यादें होती हैं।उन्होंने कहा, कभी-कभी बड़े होने के साथ-साथ लोग बदलने लगते हैं, लेकिन उनके बारे में एक चीज जो नहीं बदली है, वह है बरसात के मौसम के लिए उनका प्यार।एक्ट्रेस ने कहा, अब चीजें थोड़ी अलग हैं क्योंकि मुझे अब अपनी खिड़की के पास बैठकर अपनी मां के हाथ की पुदीने की चटनी और पकोड़े खाने का समय नहीं मिलता। मुझे काम के चक्कर में मेरी पसंदीदा चीजों के लिए समय ही नहीं मिलता।उन्होंने बताया कि 10:29 की आखिरी दस्तक की शूटिंग शुरू होने के बाद से उन्होंने नाइट शिफ्ट में काम किया है।उन्होंने कहा, मैं इतना थक जाती हूं कि दिन के समय बस सोना चाहती हूं। इसलिए ट्रेवल करते समय मैं अक्सर बारिश का आनंद लेती हूं, अपनी खिड़की खुली रखती हूं और सुनिश्चित करती हूं कि मेरे चेहरे पर बारिश की बूंदें पड़ें और मैं मानसून के हर पल का आनंद ले सकूं।शो में राजवीर सिंह अभिमन्यु सिन्हा की भूमिका में हैं। इसमें आयुषी भावे और कृप सूरी भी हैं।यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

पिंक लहंगा पहन प्रज्ञा जैसवाल कातिलाना हुस्न फ्लॉन्ट करती हुई नजर आईं

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस पोस्ट इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लहंगा पहनकर बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो काफी बोल्ड और स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो अपना कातिलाना हुस्न फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर का बेहद खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई कैमरे के सामने कहर बरपा रही हैं।चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान, गले में नेकलेस और बालों को स्टाइल कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए भी नहीं थकते हैं।हालांकि इन तस्वीरों में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए स्टनिंग लिखा है। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट्स और रिएक्शंस आ रहे हैं।एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी लंबी है।

फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज

संजय दत्त और रवीना टंडन की मच अवेटेड फिल्म घुड़चढ़ी का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। दर्शक इस फिल्म से जुड़े अपडेट्स जानने के लिए बेकरार रहते हैं। मेकर्स ने अब फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है।फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन के अलावा खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी है। इसमें दो अलग-अलग जोड़ों - रवीना-संजय और खुशाली-पार्थ - की प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न हैं।ट्रेलर में कॉमेडी, रोमांस और भरपूर ड्रामा है। इसकी शुरुआत पार्थ समथान-खुशाली कुमार की लव स्टोरी से होती है। पहले दोनों की मुलाकात होती है और फिर दोस्ती। इसके बाद दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है और वे शादी करने का फैसला करते हैं।वहीं, दूसरे फ्रेम में पार्थ समथान के पिता के रोल में संजय दत्त अपने बचपन की दोस्त रवीना से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। रवीना फिल्म में खुशाली की मां का रोल निभा रही हैं।जब पार्थ-खुशाली को पता चलता है कि उनके पेरेंट्स आपस में प्यार करते हैं और इस उम्र में शादी करना चाहते हैं, तो उन्हें जोरदार झटका लगता है और यहां से मन में सवाल उठता है कि घुड़चढ़ी किसकी होगी बाप की या बेटे की।संजय ने फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, किसकी फाइनली होगी घुड़चढ़ी? देखें 9 अगस्त से, स्ट्रीमिंग ऑन जियोसिनेमा।वहीं, फिल्म के बारे में प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने कहा, हम घुड़चढ़ी का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें विश्वास है कि यह अपनी मजेदार कहानी, इमोशन और फैमिली मस्ती के चलते दर्शकों को पसंद आएगी।उन्होंने आगे कहा, कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री जादुई है, और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को कहानी से उतना ही प्यार हो जाएगा जितना हमें तब हुआ जब संजय दत्त और रवीना को 90 के दशक का रोमांस करते हुए देखा!

चिकित्सा विभाग में हजारों पदों पर की जा रही भर्तियां : स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह

जयपुर,25 जुलाई (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार द्वारा चिकित्सा विभाग में 50 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि भर्तियों के बाद प्रदेश के समस्त चिकित्सा संस्थानों में रिक्त पदों को यथा संभव भरा जाएगा। उन्होंने बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र के चिकित्सालयों में रिक्त पदों को भी शीघ्र भरने का आश्वासन दिया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रश्न काल के दौरान सदस्यों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि बिलाड़ा में विशेषज्ञों एवं चिकित्सक के कुल 84 पद हैं, जिनमें से 53 भरे हुए हैं। इसी प्रकार अराजपत्रित संवर्ग के 465 पद हैं, जिनमें से 328 भरे हुए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र में एक जिला अस्पताल पिपाड़ सिटी में स्थापित है तथा इस वर्ष के बजट में बिलाड़ा में उप जिला अस्पताल की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि बोरूंदा में एक सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र संचालित है। इसके अतिरिक्त विधानसभा क्षेत्र में 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 91 उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं।

सिंह ने जानकारी दी कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में सिविल कार्यों के लिए तीन हजार 247 लाख रुपये बजट आवंटित किया गया था, जिसमें से मात्र 314 लाख रुपये व्यय किये गए।

इससे पहले विधायक अर्जुललाल के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा क्षेत्र बिलाड़ा में संचालित चिकित्सा संस्थानों में विशेषज्ञ/चिकित्सक एवं अराजपत्रित संवर्ग के स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण सदन के पटल पर रखा।

उन्होंने जानकारी दी कि रिक्त पदों को डीपीसी के द्वारा पदोन्नत चिकित्सकों से पीजी पूर्ण चिकित्सक उपलब्ध होने पर यथासंभव भरने के प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि चिकित्सा अधिकारी के 1220 रिक्त पदों को भरने हेतु अर्थना राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर को प्रेषित की गई।

इसके अलावा चिकित्सा अधिकारी (दन्त) के 209 पदों हेतु प्रवेश भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जा चुका है। सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा नौ जुलाई 2024 को लैब टैक्नीशियन के आठ एवं सहायक रेडियोग्राफर के एक कार्मिक को विधानसभा क्षेत्र बिलाड़ा में पदस्थापित किया गया है।

शिक्षा में संस्कारों का समावेश हो : शिक्षा मंत्री

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि मानवीय जीवन मूल्यों की शिक्षा से बच्चों को प्रारम्भिक कक्षाओं से ही संस्कारित किए जाने की आवश्यकता है। संस्कार विहीन शिक्षा का कोई अर्थ नहीं है। यह बातें शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद और हेमा फाउण्डेशन के मध्य पीएम श्री विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से समन्वय करते हुए जीवन मूल्यों की शिक्षा पर 24 जुलाई को किए गए एमओयू पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा।

दिलावर ने हेमा फाउण्डेशन के चैयरमेन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी महेन्द्र काबरा से आगामी कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा करते हुए संस्था द्वारा निर्मित मानवीय मूल्यों पर आधारित लघु फिल्मों के अंश देखे तथा कहा कि लघु फिल्मों में सशक्त एवं सार्थक संदेश प्रदान किया गया है, जो बच्चों के दिल एवं दिमाग में विशिष्ट विषयों को पहुंचाने में प्रभावशाली होंगी।

सरकार के पास नीट के मुद्दे पर कोई जवाब नहीं वो अंधी-बहरी हो जाती है : सचिन पायलट

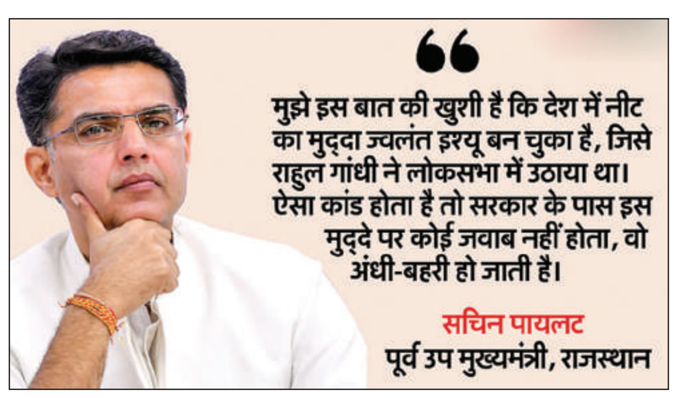

जयपुर,25 जुलाई (एजेंसियां)। नीट परीक्षा के मुद्दे को लेकर कांग्रेस विधायक सचिन पायलट ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। गुरुवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष विनोद जाखड़ के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए पायलट ने मंच से संबोधित करते हुए कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि देश में नीट का मुद्दा ज्वलंत इश्यू बन चुका है, जिसे राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाया था।

पायलट बोले कि देश में परीक्षा पास करके नौकरी पाना बहुत कठिन, जटिल, मेहनत वाला काम है। जब एक बच्चा परीक्षा की तैयारी करता है तो उसका परिवार भी उसके साथ मेहनत करता है। चंद नौकरियों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा देते हैं। कितना कॉम्पिटिशन होता है। बच्चों के मां-बाप क्या-क्या यातनाएं झेलकर बच्चों को परीक्षा में मदद करते हैं। उसके बाद जब देश में ऐसा कांड होता है तो सरकार के पास इस मुद्दे पर कोई जवाब नहीं होता, वो अंधी-बहरी हो जाती है।

पायलट ने कहा कि हम सभी को इस बारे में जवाब तलाशना चाहिए कि ये पेपर लीक करवाने वाले कौन हैं? केवल कागजी कार्रवाई और भाषणों से मदद नहीं मिलेगी, आपको उन लोगों को पकड़ने की जरूरत है जो पर्दे के पीछे बैठे इसमें शामिल हैं। हमें देश के उन लोगों को मजबूर करना पड़ेगा, जो सत्ता में रहते हुए इस घिनौने अपराध को बर्दाश्त करते हैं। इस अपराध को बर्दाश्त करने वाले उतने ही जिम्मेदार हैं जितना करने वाला।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने पद से इस्तीफे की पेशकश की

दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मिले

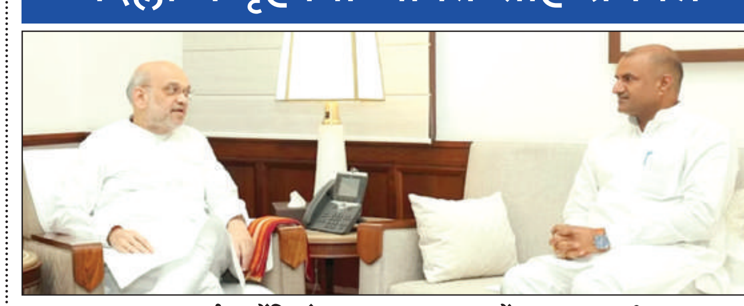

जयपुर,25 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने अपने पद से इस्तीफे की पेशकश की है। यह पेशकश उन्होंने दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान की। सूत्रों के अनुसार, शाह ने जोशी से प्रदेश अध्यक्ष पद को लेकर चर्चा की और उपचुनाव तक पद पर बने रहने की बात कही। बताया जा रहा है कि जोशी ने विधानसभा चुनावों के बाद भी इस्तीफे की पेशकश की थी। दरअसल, राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी दोनों ही ब्राह्मण समुदाय से आते हैं। इसे देखते हुए पार्टी में विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो रही है कि दोनों प्रमुख पदों पर एक ही समुदाय का प्रतिनिधित्व होना उचित है या नहीं।

जोशी ने पहले भी कई मौकों पर इस्तीफे की पेशकश की है। लोकसभा चुनाव लड़ने के दौरान भी उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसे पार्टी नेतृत्व ने स्वीकार नहीं किया। पार्टी सूत्रों का मानना है कि जोशी की पेशकश के पीछे विभिन्न राजनीतिक और सामुदायिक समीकरण हैं, जिन पर विचार किया जा रहा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगामी उपचुनाव के मद्देनज़र पार्टी नेतृत्व जोशी के इस्तीफे को स्वीकार करता है या उन्हें पद पर बने रहने के लिए मनाता है। इस घटनाक्रम ने राजस्थान की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

मूसेवाला हत्याकांड में लॉरेंस का पार्टनर रहा जग्गू भगवानपुरिया गिरफ्तार

दौसा,25 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा जिले की मेहंदीपुर बालाजी पुलिस ने क्यूआरटी, आईजीपी जयपुर रेंज जयपुर की क्यूआरटी और जिला स्पेशल टीम द्वारा कुख्यात गैंगस्टर जगदीप उर्फ जग्गू भगवानपुरिया को सेंट्रल जेल बठिंडा (पंजाब) से गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर जगदीप उर्फ जग्गू हत्या, हत्या का प्रयास, हथियारों की खरीद- फरोख्त, मादक पदार्थों की तश्करी का आदतन अपराधी है। आरोपी के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में 100 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिसके चलते जग्गू अंतरराष्ट्रीय स्तर का गैंगस्टर भी है।

दौसा जिला पुलिस अधीक्षक रंजीता शर्मा ने बताया, मेहंदीपुर बालाजी थानाधिकारी गौरव प्रधान के नेतृत्व में पुलिस थाना बालाजी, क्यूआरटी, आईजीपी जयपुर रेंज जयपुर की क्यूआरटी, जिला स्पेशल टीम बनाकर कुख्यात गैंगस्टर जगदीप उर्फ जग्गू भगवानपुरिया को सेंट्रल जेल बठिंडा (पंजाब) से गिरफ्तार किया है। मामला जून 2024 का है, जब मेहंदीपुर बालाजी थाना पुलिस को सूचना मिली की जग्गू गैंग का एक आदमी हथियारों के साथ किसी वारदात की फिराक में मेहंदीपुर बालाजी आया हुआ है। इसके चलते एएसआई शीशराम सहित जाब्ता बालाजी कस्बा की तरफ पहुंचा तो एक व्यक्ति हेलीपैड की तरफ रास्ते में खड़ा हुआ दिखाई दिया, जिसके हाथ में एक कैरी बैग था। उधर, पुलिस जाब्ते को देखकर वो घबराकर भागने लगा तो पुलिस जाब्ते ने उसे घेर लिया। जब शख्स का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम जशनप्रीत सिंह पुत्र सरदूल सिंह सिख उम्र 19 साल निवासी गुरु की बडाली पुलिस थाना छेहरटा अमृतसर जिला अमृतसर का बताया, जिसके चलते उसे गिरफ्तार कर लिया। क्योंकि अभियुक्त के कब्जे से चार पिस्टल मैंगजीन लगी हुई और दो मैगजीन अलग व 18 जिंदा कारतूस बरामद कर जब्त भी किए गए थे। इसी पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की तो अभियुक्त से पूछताछ की तो जशप्रीत सिंह ने खुद को जगदीप उर्फ जग्गू भगवानपुरिया गैंग का सदस्य होना बताया। बड़ी बात यह है कि जग्गू के खिलाफ देश के दर्जनों थानों में 100 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। जग्गू भगवानपुरिया गैंग के लिए हथियारों की सप्लाई भी करता था। उसके बाद 24 जुलाई 2024 को पुलिस थाना बालाजी, क्यूआरटी, आईजीपी जयपुर रेंज जयपुर की क्यूआरटी, जिला स्पेशल टीम द्वारा कुख्यात गैंगस्टर जगदीप उर्फ जग्गू भगवानपुरिया को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है।

सवाई माधोपुर में आफत की बारिश

गलवा नदी में उफान से बरवाड़ा का कई गांवों से संपर्क टूटा, घरों में घुसा पानी

सवाई माधोपुर,25 जुलाई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले में बुधवार शाम से ही लगातार रह-रह कर बारिश का दौर जारी है। विशेषकर जिले के चौथ का बरवाड़ा उपखंड क्षेत्र में लगातार बारिश का दौर जारी है। क्षेत्र में अब तक 90 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की जा चुकी है।

बता दें कि बारिश के चलते गलवा नदी में उफान आ गया है। इसके चलते कई गांव का संपर्क चौथ का बरवाड़ा तहसील मुख्यालय से कट गया है। साथ ही क्षेत्र के एंचेर गांव में घरों में पानी भर जाने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चौथ माता बाइपास पर पुलिया के ऊपर पानी आने से चौथ माता जाने वाला मार्ग भी बंद हो गया है। जिले के चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र में बुधवार शाम से ही तेज बारिश का दौर जारी है। आज गुरुवार सुबह से क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हुई। जो रुक-रुक कर लगातार जारी है।

इसके चलते बलरिया तालाब पर भी चादर चल गई। साथ ही चौथ माता सरोवर में भी 80 प्रतिशत पानी की आवक हो चुकी है। तेज बारिश से क्षेत्र में बहने वाली गलवा नदी में पानी की आवक तेज हो गई है, जिसके चलते जगमोदा की पुलिया के ऊपर से पानी जाने के कारण कई गांव का संपर्क चौथ का बरवाड़ा तहसील एंव पंचायत मुख्यालय से कट गया है। साथ ही एंचेर गांव में नालियों की सफाई नहीं होने के कारण घरों में पानी भरने से महिलाएं परेशान हैं। महिलाओं ने बताया कि यहां पर समय पर समुचित सफाई नहीं होने से बारिश में स्थिति खराब हो रही है। इसके साथ-साथ गांव में कीचड़ होने से और काफी परेशानी हो रही है। क्षेत्र में अभी भी लगातार रिमझिम बारिश का दौर जारी है।

सोने-चांदी के दाम गिर रहे है,आयात शुल्क घटने से झूम उठेगा सराफा बाजार

बहादुरगढ़,25 जुलाई (एजेंसियां)। सोना-चांदी पर आयात शुल्क घटने से त्योहारी सीजन पर सर्राफा बाजार झूम उठेगा। इससे कारोबारियों को रौनक की उम्मीद है। मंगलवार को आए बजट में सोना-चांदी पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटकर 6 प्रतिशत रह गया है। इससे एक तरफ सोना-चांदी के भाव लगातार गिर रहे हैं तो दूसरी तरफ त्योहार पर बाजार उठेगा। अच्छा कारोबार की उम्मीद सर्राफा कारोबारी मान रहे हैं।

सोना-चांदी पर आयात शुल्क कम होने से ग्राहकों को तो लाभ मिलेगा ही, साथ ही देशभर में इनके भावों में समानता भी रहेगी। हरियाणा स्वर्णकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा ने कहा कि पिछले 10 साल से सर्राफा कारोबारी आयात शुल्क घटाने की मांग कर रहे थे। देर से ही सही, लेकिन बजट में सरकार ने 9 प्रतिशत शुल्क घटाया है। आयात शुल्क घटने से सोना-चांदी की तस्करी पर रोक लगेगी। अवैध कारोबार में कीमतों की मनमानी नहीं चलेगी। शुल्क में कमी से 10 ग्राम सोने पर 6 हजार रुपये और एक किलोग्राम चांदी पर करीब 7500 रुपये कीमत में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में कई त्योहार हैं। इसका बाजार को फायदा होगा। तस्करी पर रोक लगेगी। वित्त मंत्री की घोषणा से हम खुश हैं। बजट में सर्राफा कारोबार के हित में निर्णय लिया गया है। इस बार रक्षा बंधन पर बाजार में रौनक आएगी।वहीं हरियाणा के बहादुरगढ़ शहर की कबाड़ी मार्केट के महालक्ष्मी ज्वैलर्स के संचालक जयभगवान का कहना है कि आयात शुल्क घटने से स्मगलिंग कर लाए गए सोने और नियमपूर्वक लाए गए सोने के भावों में ज्यादा अंतर नहीं रहेगा।इससे स्मगलिंग का सोना बाजार में खप नहीं पाएगा तो भावों में भी अंतर नहीं रहेगा।

हरियाणा में जारी रहेगी डॉक्टरों की हड़ताल

चंडीगढ़,25 जुलाई (एजेंसियां)। अपनी लंबित मांगों को लेकर हरियाणा के सिविल अस्पतालों के इमरजेंसी और ओपीडी के डॉक्टर वीरवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। यह हड़ताल हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) के आह्वान पर की गई है। डॉक्टरों की हड़ताल शुक्रवार को भी जारी रहेगी। इससे लोगों को और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, डॉक्टरों की मांगों को लेकर चंडीगढ़ में हरियाणा सरकार और डॉक्टरों के बीच बैठक हुई। देर शाम तक चली यह बैठक बेनतीजा रही। मांगों को लेकर दोनों पक्षों के बीच किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई है। बैठक खत्म होने के बाद एचसीएमएसए की तरफ से कहा गया है कि डॉक्टरों की भूख हड़ताल व प्रदेश व्यापी हड़ताल जारी रहेगी। एचसीएमएसए के अध्यक्ष राजेश ख्यालिया ने कहा कि हमने सरकार के सामने चार मांग रखी थी। बॉन्ड राशि कम करने का नोटिफिकेशन सरकार ने कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दु:ख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके विरष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

काम का दबाव और घरेलू मतभेद तनाव की वजह बन सकते हैं। दीर्घावधि निवेश से बचिए और अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिताएँ। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफ़े की उम्मीद कर सकता है। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 26 जुलाई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 11:32 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा दोपहर 02:31 तक
योग : सुकर्मा रात्रि 01:31 तक
करण : गर दोपहर 12:44 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : शुक्र रेवती अमृत सिद्धि योग दोपहर 02:32 से , गण्डमूल दोपहर 02:32 से , भद्रा रात्रि 11:31 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY

कर्नाटक को केंद्रीय बजट में रेल परियोजनाओं के लिए 7,559 करोड़ मिले

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक को 2024-25 के केंद्रीय बजट में रेलवे परियोजनाओं के लिए 7,559 करोड़ आवंटित किए गए हैं। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) का दावा है कि यह आंकड़ा 2009-14 के 835 करोड़ के औसत बजट अनुदान की तुलना में नौ गुना वृद्धि दर्शाता है। एसडब्ल्यूआर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 23 जुलाई को पेश किए गए केंद्रीय बजट में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय रेलवे के लिए 2.62 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं। इस बजट में भारतीय रेलवे नेटवर्क में सुरक्षा संबंधी पहलों के लिए विशेष रूप से 1,09,000 करोड़ आवंटित किए गए हैं। दपरे महाप्रबंधक

अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि कर्नाटक 3,840 किलोमीटर में फैली 31 रेलवे परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है, जिसमें कुल 47,016 करोड़ का निवेश किया गया है। उन्होंने कहा पिछले एक दशक में, कर्नाटक में 638 रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) का निर्माण किया गया है, जिससे यात्रियों के लिए सड़क सुरक्षा में काफी वृद्धि हुई है। राज्य के रेलवे बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है और 2014 से 2024 तक औसत वार्षिक नई लाइन निर्माण बढ़कर 163 किलोमीटर हो गया है, जो पिछले दशक की तुलना में 1.4 गुना वृद्धि है।

उन्होंने कहा इसके अलावा, औसत विद्युतीकरण दर 2009 और 2014 के बीच 18 किलोमीटर प्रति वर्ष से बढ़कर पिछले 10 वर्षों में 317 किलोमीटर प्रति वर्ष हो गई है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, कर्नाटक में 59 रेलवे स्टेशनों को विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जाना है। विशेष रूप से दपरे जोन के लिए, 46 स्टेशनों का पुनर्विकास 1,103 करोड़ की लागत से किया जा रहा है, जिसमें यशवंतपुर और बेंगलूरु कैंटोनमेंट स्टेशनों पर प्रमुख उन्नयन शामिल हैं।

367 करोड़ की लागत से यशवंतपुर स्टेशन का पुनर्विकास जुलाई 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि 484 करोड़ की लागत से बेंगलूरु छावनी स्टेशन का पुनर्विकास अक्टूबर 2025 तक पूरा होने का अनुमान है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बताया कि उसने 88 प्रतिशत मार्ग विद्युतीकरण हासिल कर लिया है, और मार्च 2025 तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है।

झारखंड के गैंगेस्टर अमन साहू से जुड़ा लॉरेंस बिश्नोई के दो गुर्गों का तार

गोपालगंज से हुई थी गिरफ्तारी

गोपालगंज (एजेंसियां)।

पुलिस की जांच में अपराधियों के पास से जब्त किये गये ऑस्ट्रिया निर्मित चार पिस्टल गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के होने की बात सामने आयी है, लेकिन अब झारखंड के गैंगेस्टर अमन साहू के लिए काम करनेवाले मयंक सिंह ने पुलिस को मैसेज भेजकर ऑस्ट्रिया निर्मित सभी चार विदेशी पिस्टल गैंगेस्टर अमन साहू के होने की बात कही है। नागालैंड की बस से जाते समय गोपालगंज में गिरफ्तार राजस्थान के अजमेर जिला के बंगलिश वाश थाने के केशरपुरा निवासी कमल राव को अपना आदमी बताया है। गैंगेस्टर अमन साहू के लिए काम करनेवाला मयंक सिंह कौन है, अभी इसका खुलासा होना बाकी है।

विदित हो कि तीन दिन पूर्व गोपालगंज पुलिस ने यूपी-बिहार के बलथरी चेकपोस्ट के पास एक नागालैंड की बस से दो अपराधियों को ऑस्ट्रिया निर्मित चार विदेशी पिस्टल और आठ मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया था। इनमें राजस्थान के अजमेर जिला का कमल राव और मुजफ्फरपुर के गाय घाट थाने के बोवारी गांव निवासी संतनु शिवम ने पुलिस को पूछताछ में तिहाड़ जेल में बंद गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करने की बात कही थी। दोनों ने मोतिहारी व मुजफ्फरपुर में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए पूर्व में रेकी भी किया था।

वारदात को अंजाम देने के लिए ही यूपी के रास्ते बिहार में प्रवेश किये थे, लेकिन पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ करने के बाद एफआइआर दर्ज कर कड़ी सुरक्षा के बीच मंडल कारा में चनावे जेल भेज दिया था। अब जांच में जब झारखंड के जेल में बंद गैंगेस्टर अमन साहू का नाम सामने आया तो बिहार एसटीएफ और एनआइए भी जांच के लिए पहुंच गयी है। सुरक्षा एजेंसियां बरामद हथियार और गिरफ्तार अपराधियों के बारे में गहनता से जांच करने में जुट गयी है।

झारखंड का गैंगस्टर अमन साहू जेल में रहकर ही बड़े बड़े कांडों को अंजाम देता है। उसके ऊपर 50 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। कोल माइनिंग कंपनियों और बड़े बड़े व्यवसाई और उद्योगपतियों को अपना निशाना बनाता है और उनसे रंगदारी की मांग करता है। एनआइए की ओर से हाल ही में उसके ठिकानों पर छापेमारी की गयी है। झारखंड के एक जेल अधीक्षक को मर्डर की धमकी दी थी, जिसके बाद दो दिन पहले चाइबासा जेल में शिफ्ट किया गया है।

दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सीएसपी शाखा में दिनदहाड़े लूट

बदमाशों ने फायरिंग कर 42 हजार रुपये किये पार

गया (एजेंसियां)।

गया जिले के शेरघाटी अनुमंडल के डालबंगला चौराहा स्थित दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के सीएसपी शाखा में दिनदहाड़े अज्ञात अपराधियों ने फायरिंग कर 42 हजार रुपए लूट की घटना को अंजाम दिया है। सीएसपी संचालक संदीप कुमार ने बताया कि प्रतिदिन की तरह वह गुरुवार को भी सीएसपी शाखा खोला, जिसके कुछ देर बाद एक ग्राहक यूनियन बैंक से पैसा निकालने की बात पूछा, जिसपर बताया गया कि यहां सिर्फ दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के खाता से पैसा निकाला जाता है।

वापस जाने के कुछ देर बात 3 की संख्या में अज्ञात अपराधी सीएसपी शाखा में पहुंचे और पिस्टल का भय दिखाकर कैश काउंटर की चाभी मांगा। जिसके बाद अपराधियों ने कैश काउंटर में रखे 42 हजार रुपए निकाल लिए। इसी बीच बैंक के ग्राहक को आते देख सीएसपी संचालक पर फायरिंग कर दी गई। इस दौरान कुल 3 फायरिंग करते हुए फरार हो गए। बताया गया कि कुल 3 अपराधी थे। वहीं फायरिंग की आवाज सुनते हीं स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। लूट की घटना के बाद मौके पर शेरघाटी थाना पुलिस बल पहुंची और मामले की जांच में जुटी है।

वहीं गया जिले के शेरघाटी थाना क्षेत्र के डाक बंगला चौराहा के पास बिहार ग्रामीण बैंक के सीएसपी शाखा से लूट की वारदात के बाद पुलिस लूटेरों की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। साथ ही वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है, ताकि लूटेरों की पहचान हो सके।

पटना में हुए बर्बतापूर्ण लाठीचार्ज का विरोध

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भभुआ शहर में निकाला आक्रोश मार्च

पटना (एजेंसियां)।

कैमूर में भभुआ शहीद भवन कांग्रेस कार्यालय से कार्यकर्ताओं ने पटना में हुए बर्बतापूर्ण लाठी चार्ज के विरोध में आक्रोश मार्च निकाला है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुनील कुशवाहा ने बताया कि पटना में युवा कांग्रेस बिहार प्रदेश के तत्वाधान में अपनी मांगों को लेकर विधानसभा का घेराव किया गया था। जहां पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज कर पिटाई की, जो लोकतंत्र की हत्या है। यहां संवैधानिक अधिकार है कि अपनी

बात को रखा जा सकता है। जहां युवा कांग्रेस के लोगों ने अपनी बात रखने के लिए पटना विधानसभा घेराव किया था।

वहीं नीट पेपर लीक मामले में दोबारा पेपर कराने को लेकर मांग किया गया। साथ ही बिहार में बढ़ रहे महंगाई को लेकर एवं तमाम मुद्दों पर मांग किया गया था, लेकिन सरकार की पुलिस ने युवाओं पर लाठी चार्ज कर दिया। इसके विरोध में भभुआ शहर में आक्रोश मार्च निकाला कर डीएम को ज्ञापन सौंपा गया है।

दिनदहाड़े स्कॉर्पियो सवार अपराधियों ने किया शिक्षक का अपहरण

पुलिस ने एक घंटे में पांच बदमाशों को दबोचा

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद के सदर थाना क्षेत्र में शिक्षक के अपहरण के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांच अपहरणकर्ताओं को धर दबोचा, जिनमें एक आरोपित डायल 112 पुलिस वैन का चालक है। जमीन की खरीद-फरोख्त को लेकर घटना को अंजाम दिया गया था। अपहृत शिक्षक और सभी आरोपित गया जिले के निवासी हैं। शिक्षक धमेंद्र कुमार गया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के तकियापुर के निवासी हैं, जो

जहानाबाद के कल्पा थाना क्षेत्र स्थित किनारी मध्य विद्यालय में तैनात हैं।

रोज की तरह शिक्षक बुधवार को भी गया से जहानाबाद पहुंचे, ट्रेन से उतरकर अपने स्कूल किनारी के लिए ऑटो से निकले, एसएन कालेज के समीप पहले से घात लगाए अपहरण कर्ताओं ने उन्हें जबरदस्ती ऑटो से उतार कर मारपीट करते हुए अपनी स्कार्पियो गाड़ी में बिठाकर भाग निकले। चहल-पहल वाले इलाके में दिनदहाड़े अपहरण की वारदात से सनसनी फैल गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर जिले की सभी सीमा को सील कर गाड़ियों की तलाशी ली जाने लगी, इसी क्रम में गौरक्षणी मोहल्ले के समीप स्कार्पियो गाड़ी से पांच अपहरणकर्ताओं को दबोचते हुए शिक्षक को सकुशल बरामद कर लिया गया।

गिरफ्तार अपराधियों में गया जिला के कोतवाली थाना के डायल 112 पुलिस वैन का ड्राइवर नीरज कुमार के अलावा कोतवाली थाना क्षेत्र के ही गणेश कुमार, रिपेंदर कुमार,विनोद कुमार,मधु कुमार शामिल हैं। नीरज कुमार गया के गुरारु का रहने वाला है। शिक्षक धमेंद्र कुमार ने बताया कि जमीन की खरीद फरोख्त को लेकर मेरा अपहरण किया गया था, पुलिस की तत्परता से मेरी जान बच गयी।

एसडीपीओ राजीव कुमार सिंह ने बताया कि स्कूल जाने के क्रम में किनारी मध्य विद्यालय के शिक्षक को स्कार्पियो सवार अपराधियों ने अपहरण कर लिया था। टाउन थाने की पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महज एक घंटे के अंदर अपहृत शिक्षक को सकुशल बरामद कर लिया है। साथ ही घटना में शामिल पांच अपहरणकर्ताओं को भी दबोच लिया गया है। फिलहाल सभी अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

उफनाई नारायणी नदी में पलटी नाव, चार लोग फंसे, काफी जद्दोजहद के बीच किया गया रेस्क्यू

पटना (एजेंसियां)।

बिहार-यूपी के बॉर्डर पर नारायणी नदी में बुधवार की देर शाम अचानक एक नाव पलट गई। नाव हादसे का शिकार हुए चारों लोग किसी तरह हिम्मत जुटाकर तेज धार के बीच पुल के पिलर के स्लैब तक पहुंचे, और चीखने चिल्लाने लगे। चीखने चिल्लाने कि आवाज सुन अगल बगल के लोग आए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दिया। जिसके बाद घंटों मशक्कत के बाद प्रशासन ने चारों का रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला।

सभी बिहार के बगहा के रहने वाले हैं। बताया जाता है की लकड़ी और मछली की तलाश में सभी नदी में गए थे, तब तक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के खड्डा थाना क्षेत्र के पनियहवा पुल के पास ये हादसा हो गया। सभी चारों लोगों ने पुल के पिलर के स्लैब पर राहत की सांस ली, जिसके बाद नारायणी नदी की तेज धार के बीच रस्सी से खींचकर निकाला गया। रेस्क्यू के बाद अभी भी पीड़ित अपने घर नहीं पहुंचे हैं। बताया जाता है उनके कपड़े फट गए थे। ऐसे में घर के लोगों को सूचना दी गई और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे हैं। जहां से उन्हें लेकर आया जाएगा। परिजनों ने बताया कि पूरी रात हम सभी लोगों के इंतजार में बैठे रहे। सुबह गांव पर किसी के मोबाइल पर फोन आया कि सभी लोग सुरक्षित हैं। फिलहाल, सबको लाने की तैयारी कि जा रही है।

हाईवे और रिंग रोड निर्माण की कवायद तेज

डीएम ने निरीक्षण में दिए निर्देश

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

आपको बता दें कि जिलाधिकारी ने प्राथमिकता के आधार पर सर्विस लेन को 7 मीटर की चौड़ाई में मरम्मती और पिचिंग करने का निर्देश दिया था, ताकि शहर से बिल्कुल सटा होने के कारण यह रोड आम लोगों के लिए जाम मुक्त तथा आवागमन सुगम बनाया जा सके। वहीं इसके बाद से डीएम सुब्रत सेन ने हाजीपुर और मुजफ्फरपुर बाईपास एनएच 77 का निरीक्षण किया और कई आवश्यक निर्देश भी दिया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि मधौल प्वाइंट पर एक रैंप बना है, जिसका ढाल तीखा है। इसके साथ उन्होंने एनएचएआई को अवगत कराया कि आरई वाल के निर्माण की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही आरई वाल का कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू हो जाएगा। डीएम ने 15 अगस्त तक कार्य पूरा करने का निर्देश देते हुए बताया कि रोड को 30 सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। डीएम सुब्रत ने परियोजना निदेशक पटना को निर्देश दिया कि तकनीकी फिजिबिलिटी स्टेटस की भी जल्द जांच करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करें।

जानकारी देते हुए जिलाधिकारी सुबह से ने बताया मुजफ्फरपुर से छपरा मुजफ्फरपुर से पटना बाईपास के बीच में जो कुछ कठिनाई थी, अब उसको दूर कर लिया गया है, साथ ही बाईपास के अलावा जो रिंग रोड बनना है, वह भी जल्द शुरू कर ली जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com